वर्ष 72 अंक 292 पृष्ठ 12
रीवा, रविवार 20 जुलाई, 2025
श्रावण कृष्ण पक्ष 10, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
दैनिक जागरण Sunday
www.dainikjagranmpcg.com

इंदौर-मुंबई के बीच चलेगी प्रदेश की पहली तेजस ट्रेन

जागरण, इंदौर। यात्रियों की सुविधा और विशेष रूप से यात्रा की मांग को ध्यान में रखते हुए इंदौर से मुंबई के बीच 23 जुलाई से सुपरफास्ट तेजस ट्रेन चलाई जाएगी। इसकी बुकिंग 21 जुलाई से शुरू होगी। इस मार्ग पर विशेष किराए के तहत इसका संचालन शुरू किया जाएगा। रेलवे ने इस संबंध में तैयारी पूरी कर ली है।

21 जुलाई से शुरू होगी बुकिंग, हफ्ते में 3 दिन संचालन

रेलवे के अनुसार, पश्चिम रेलवे ने मुंबई सेंट्रल और इंदौर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर सुपरफास्ट तेजस स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह स्पेशल ट्रेन (संख्या 09085) प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को मुंबई सेंट्रल से रात 11.20 बजे प्रस्थान करेगी। अगले दिन दोपहर 1 बजे इंदौर पहुंचेगी। वहीं इंदौर से यह स्पेशल ट्रेन (संख्या 09086) प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को इंदौर से शाम 5 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 7.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। इन स्पेशल ट्रेन का संचालन 23 जुलाई से 30 अगस्त तक होगा। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरिवली, वापी, सूरत, वडोदरा, दाहोद, रतलाम और उज्जैन स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर एवं एसी 3-टियर कोच होंगे। ट्रेन की बुकिंग 21 जुलाई से काउंटरों व वेबसाइट पर प्रारंभ होगी। तेजस ट्रेन, भारतीय रेलवे की एक अर्ध-उच्च गति वाली, पूरी तरह से वातानुकूलित ट्रेन है, जो आधुनिक सुविधाओं से लैस है।

मध्यप्रदेश प्रवेश कर मामला: सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट का फैसला रखा बरकरार

एंट्री टैक्स शराब निर्माताओं को ही देना होगा, भले कोई भी बेचे

व्यापक असर: यह फैसला न सिर्फ शराब कारोबार बल्कि हर उस क्षेत्र पर असर डालेगा जहां सरकार किसी उत्पाद की आपूर्ति व्यवस्था में मध्यस्थ की भूमिका में होती है।

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि मध्य प्रदेश में बीयर और भारत में बनी विदेशी शराब बनाने वाली कंपनियां स्थानीय क्षेत्रों में शराब भेजने पर 'प्रवेश कर' (एंट्री टैक्स) देने के लिए जिम्मेदार हैं। अदालत ने साफ कहा कि ये कंपनियां ही माल को क्षेत्र में लाने का कारण बनती हैं, इसलिए उन्हें कर देना होगा। चाहे बेचने का काम सरकार के गोदामों के जरिए क्यों न हो।

यह फैसला मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के उसी पुराने आदेश को सही ठहराता है, जिसमें कहा गया था कि निर्माताओं को ही टैक्स देना होगा, न कि सरकार के गोदामों को।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि कानून की भाषा के अनुसार, 'प्रवेश' का अर्थ सिर्फ खुद माल लाना नहीं, बल्कि ऐसा कोई भी कार्य करना है जिससे माल किसी क्षेत्र में पहुंचे। यहां तक कि अगर माल सरकारी गोदाम में भी जाता है, लेकिन अंत में बाजार में बेचा जाता है, तो इसका मतलब है कि निर्माता ने ही उसे बाजार में पहुंचाया। रिटेलर जो पैसा देता है, वो सरकार के माध्यम से अंततः निर्माता को ही जाता है। इससे साफ होता है कि नियंत्रण किसका है।

अब शराब निर्माताओं को एंट्री टैक्स चुकाना होगा, चाहे बिक्री की प्रक्रिया कितनी भी जटिल क्यों न हो। यह फैसला न सिर्फ शराब कारोबार बल्कि हर उस क्षेत्र पर असर डालेगा, जहां सरकार किसी उत्पाद की आपूर्ति व्यवस्था में मध्यस्थ की भूमिका में होती है। कोर्ट ने यह भी संदेश दिया कि अब कानूनी प्रक्रियाओं का गलत इस्तेमाल करके टैक्स से बचा नहीं जा सकेगा।

यह है मामला?

यह मामला यूनाइटेड स्प्रिट लिमिटेड और अन्य शराब कंपनियों से जुड़ा है, जो मध्य प्रदेश में बीयर और आईएमएफएल (विदेशी शराब) बनाती हैं। ये कंपनियां शराब को सीधे राज्य सरकार के आबकारी विभाग के गोदामों तक पहुंचाती हैं। वहां से यह शराब लाइसेंसधारी खुदरा दुकानों को बेची जाती है। अब सवाल यह उठा कि प्रवेश कर (एंट्री टैक्स) किसको देना चाहिए। शराब बनाने वाली कंपनियों को या सरकार के गोदामों को?

निर्माताओं का तर्क

इन कंपनियों ने कोर्ट में कहा कि, हम तो शराब सरकार के गोदामों को बेचते हैं, उसके बाद क्या होता है, उससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है। गोदाम ही असली खरीदार हैं, क्योंकि वो खुदरा दुकानों को बेचते हैं। इसलिए टैक्स सरकार को देना चाहिए, हम पर जिम्मेदारी नहीं होनी चाहिए।

राज्य सरकार का जवाब

राजस्व विभाग ने कहा कि सरकारी गोदाम सिर्फ स्टोरहाउस हैं, न वे शराब खरीदते हैं, न बेचते हैं। निर्माता ही माल बाजार तक पहुंचाने का 'कारण' बनते हैं। पैसों का लेन-देन भी रिटेलर से होकर आखिरकार निर्माता तक जाता है, यानी नियंत्रण अभी भी निर्माता के पास ही रहता है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने स्पष्ट किया कि, 'शराब बनाने वाली कंपनियां स्थानीय क्षेत्र में माल भेजती हैं, इसलिए वे ही 'प्रवेश कराने वाला' मानी जाएंगी। गोदाम केवल मध्यवर्ती व्यवस्था हैं। वे न तो माल खरीदते हैं, न ही बिक्री के असली मालिक होते हैं।

क्या होता है एंट्री टैक्स

प्रवेश कर (एंट्री टैक्स) एक ऐसा कर होता है, जो किसी माल को व्यापार के उद्देश्य से किसी राज्य या स्थानीय क्षेत्र में लाने पर लगाया जाता है। इसका मकसद बाहर से आने वाले माल और स्थानीय उत्पादों के बीच कर में समानता लाना होता है।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला मध्य प्रदेश में लागू प्रवेश कर कानून (1976) की व्याख्या को लेकर एक अहम मार्गदर्शन है। अब यह साफ हो गया है कि माल को व्यापार के लिए लाने वाले असली व्यक्ति या संस्था को ही कर देना होगा, चाहे वह माल सीधे उपभोक्ता को बेचा जाए या सरकारी व्यवस्था के जरिए।

उम्मीद की जा रही है कि इस फैसले से कर प्रशासन में पारदर्शिता आएगी और कानून की सही भावना के अनुसार कर वसूली सुनिश्चित होगी।

2007 में एंट्री टैक्स अधिनियम में संशोधन करके शराब जैसी वस्तुओं पर 2 फीसदी एंट्री टैक्स लगाया गया था (जो बाद में अधिसूचना के माध्यम से 30 फीसदी तक बढ़ाया जा सकता है)। इसमें 'डीलर' शब्द की परिभाषा मध्य प्रदेश वैट अधिनियम से ली गई थी, जिसके अनुसार यदि कोई व्यापारी व्यापार के उद्देश्य से माल को किसी स्थानीय क्षेत्र में प्रवेश कराता है, तो वह एंट्री टैक्स के लिए उत्तरदायी होता है।

यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड ने यह तर्क दिया कि जब उत्पाद राज्य सरकार के गोदाम को बेचे जाते हैं, तो एंट्री टैक्स की जिम्मेदारी निर्माताओं की नहीं, बल्कि राज्य सरकार की होनी चाहिए जो आगे रिटेलर्स को बेचती है। निर्माताओं का दावा था कि गोदामों को आपूर्ति करते ही उनकी जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है।

आत्मसंयम, समय का सम्मान राष्ट्रभक्ति सफलता के मूलमंत्र

रीवा के टीआरएस कॉलेज में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने दिया प्रेरक उद्बोधन

जागरण, रीवा। विन्ध्य क्षेत्र के गौरव और भारतीय नौसेना के अध्यक्ष एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रेरक उद्बोधन दिया। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्र की रक्षा केवल शस्त्रों और सीमाओं की निगरानी से ही नहीं होती है। इसके लिए विचारों में स्पष्टता, उद्देश्य में दृढ़ता और अनुशासन में निरंतरता आवश्यक है। आज का युवा ही कल का राष्ट्र निर्माता है। युवाओं का दृष्टिकोण और संकल्पशक्ति ही देश की दिशा और दशा तय करते हैं।
एडमिरल त्रिपाठी ने अपने गौरवमयी सैन्य जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि आत्मसंयम, समय का सम्मान, राष्ट्रभक्ति और नेतृत्व के गुण किसी भी क्षेत्र में सफलता के मूलमंत्र हैं। हर विद्यार्थी को अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के साथ समाज के लिए अनुकरणीय योगदान देना चाहिए। वर्तमान शताब्दी भारत की शताब्दी है। देश को उन्नति की ऊंचाइयों तक ले जाने और समग्र विकास में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय पहुंचने पर नौसेना अध्यक्ष श्री त्रिपाठी का आत्मीय और भावभीना स्वागत किया गया। एनसीसी कैडेट्स ने नौसेना अध्यक्ष को गार्ड ऑफ आनर प्रस्तुत करके गरिमा प्रदान की। समारोह में प्राचार्य डॉ अर्पिता अवस्थी ने मुख्य अतिथि एडमिरल त्रिपाठी को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र ताम्रकार ने नौसेना अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। संस्था की ओर से नौसेना अध्यक्ष को अभिनंदन पत्र भेंट किया गया। नौसेना अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को नशामुक्त भारत की शपथ भी दिलाई।

अहमदाबाद विमान हादसे पर बोली अमेरिकी जांच प्रमुख

फिलहाल कोई अनुमान न लगाएं, जांच पूरी होने दें

नई दिल्ली, जेएनएन। अहमदाबाद विमान हादसे में अमेरिकी परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) की अध्यक्ष जेनिफर होमेंडी ने मीडिया रिपोर्टों पर चिंता जताते हुए कहा है कि जांच पूरी होने तक किसी नतीजे पर न पहुंचा जाए। उन्होंने कहा कि जो बातें अब तक सामने आई हैं, वो सिर्फ अटकलें हैं और भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) को अपनी जांच पूरी करने दी जानी चाहिए।यह टिप्पणी अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) की उस रिपोर्ट के संदर्भ में आई है, जिसमें दावा किया गया था कि फ्लाइट के कैप्टन सुमीत सभरवाल ने टेकऑफ के दौरान इंजनों की फ्यूल सप्लाई रोक दी थी। डब्ल्यूएसजे ने यह जानकारी को-पायलट और कैप्टन के बीच हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग के आधार पर दी थी। पायलट महासंघ ने रॉयटर्स से अपनी रिपोर्ट की समीक्षा कर उसमें यह स्पष्ट अस्वीकरण जोड़ने की मांग की है कि जांच अभी जारी है और अब तक कोई आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने 12 जुलाई को जारी की गई अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में बताया था कि विमान के दोनों इंजन अचानक बंद हो गए थे, क्योंकि फ्यूल स्विच 'रन' से 'कटऑफ' पोजिशन में चले गए थे। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर में एक पायलट दूसरे पायलट से पूछते सुना गया कि 'तुमने फ्यूल स्विच क्यों बंद किया?' जिसका उत्तर था - 'मैंने ऐसा नहीं किया।' इस रिपोर्ट ने यह स्पष्ट नहीं किया कि फ्यूल स्विच आखिर क्यों और कैसे बंद हुए यानी तकनीकी गड़बड़ी थी या मानवीय भूल। एयर इंडिया ने अपने सभी ड्रीमलाइनर के फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच कर ली है और बताया है कि किसी विमान में कोई खराबी नहीं पाई गई।

यह है मामला

12 जून को दोपहर 1.38 बजे एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 अहमदाबाद से लंदन के लिए रवाना हुई थी, लेकिन टेकऑफ के सिर्फ 32 सेकंड बाद ही यह विमान 200 फीट की ऊंचाई पर एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गया। इस दर्दनाक हादसे में 270 लोगों की मौत हो गई थी।

डब्ल्यूएसजे व रॉयटर्स को पायलट महासंघ का नोटिस

भारतीय पायलट महासंघ ने इस मामले पर डब्ल्यूएसजे और रॉयटर्स की रिपोर्टिंग को 'गैर-जिम्मेदाराना' बताते हुए उन्हें कानूनी नोटिस भेजा है। संघ के अध्यक्ष कैप्टन सीएस रंधावा ने कहा कि बिना किसी आधिकारिक जांच पूरी हुए, ऐसे दावे करना मृत पायलटों की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएसजे और रॉयटर्स की रिपोर्ट्स ने केवल अटकलों के आधार पर कहानी बनाई, जिससे न केवल मृत पायलटों के परिजनों को मानसिक कष्ट हुआ, बल्कि पायलट समुदाय का मनोबल भी गिरा।

कांवड़ियों ने सीआरपीएफ जवान पर चलाए लात-घूंसे

मिर्जापुर रेलवे स्टेशन पर टिकट पर हुआ विवाद

मिर्जापुर, जेएनएन। मिर्जापुर रेलवे स्टेशन पर ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस पकड़ने आए सीआरपीएफ जवान की टिकट को लेकर कांवड़ियों से कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। कांवड़ियों ने जवान को फर्श पर लिटाकर लात-घूंसे मारे। सूचना पर पहुंची रेलवे पुलिस ने 5 से 7 कांवड़ियों को हिरासत में लेकर मुकदमा दर्ज किया है। मामले में जांच और कार्रवाई जारी है। उप्र के मिर्जापुर रेलवे स्टेशन पर शनिवार को उस समय हंगामा मच गया, जब कांवड़ यात्रा पर निकले कुछ युवकों ने एक सीआरपीएफ जवान को बेरहमी से पीट दिया। घटना उस वक्त हुई, जब जवान ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस पकड़ने के लिए टिकट ले रहा था, इसी दौरान उसकी कुछ कांवड़ियों से कहासुनी हो गई, जो बाद में हिंसा में बदल गई।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद बढ़ने पर कांवड़ियों ने जवान को घेर लिया और रेलवे स्टेशन के फर्श पर लेटाकर लात-घूंसे और थप्पड़ों से बुरी तरह पीट दिया। जवान मदद के लिए चिल्लाता रहा, लेकिन तब तक भीड़ में मौजूद कुछ लोग वीडियो बनाते रहे।

सीओ ऋषिका सिंह ने कांवड़ियों के पैर दबाए

मुजफ्फरनगर, जेएनएन। एक तरफ कांवड़ियों के हमलों और तोड़फोड़ में प्रशासन व्यस्त हैं, वहीं दूसरी ओर अधिकारी कावड़ यात्रा में ड्यूटी के साथ उनकी 'सेवा' कर रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था और ड्यूटी के बीच एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। यह तस्वीर महिला सीओ ऋषिका सिंह की है, जो ड्यूटी के दौरान महिला शिव भक्त कांवड़ियों के पैर दबाते दिख रही हैं। एक सरकारी अफसर के ड्यूटी के दौरान इस तरह के काम की कई लोग आलोचना कर रहे हैं। हालांकि सीओ ऋषिका सिंह ने कहा कि ये तो हम लोगों का फर्ज है।

स्पेन के बार्सिलोना में प्रवासी भारतीयों से किया मुख्यमंत्री ने संवाद, कहा-

मध्यप्रदेश अब निवेश का मजबूत केंद्र

बार्सिलोना, जेएनएन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बार्सिलोना में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों और फ्रेंड्स ऑफ एमपी से संवाद करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश अब केवल संभावनाओं का प्रदेश नहीं, बल्कि ठोस निवेश का मंच बन चुका है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने नीति, प्रक्रिया और प्रोत्साहन के स्तर पर उल्लेखनीय सुधार किए हैं, जिससे निवेशकों को विश्वास और प्रत्यक्ष लाभ दोनों मिल रहे हैं। डॉ. यादव ने कहा कि विदेश में बसे भारतीय केवल नागरिक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के संवाहक हैं। भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां अपनी परंपराएं और उत्सवों की गरिमा बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ संवाद नहीं, बल्कि दिल से दिल का जुड़ाव है। सरकार निवेश को आर्थिक लेनदेन नहीं, बल्कि भावनात्मक भागीदारी मानती है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक साख में जबरदस्त वृद्धि हुई है। भारत दुनिया का इकलौता देश है जो 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध करवा रहा है, जो हमारी क्षमताओं और व्यवस्था की मिसाल है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की निवेश नीतियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राज्य सरकार ने प्रक्रियाओं को डिजिटाइज कर, निवेशकों के लिए फास्ट-ट्रैक सिस्टम लागू किया है। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि लंदन से एक उद्योगपति द्वारा किए गए ऑनलाइन आवेदन पर तुरंत जमीन आवंटित की गई।

स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए मात्र 1 रुपए में 25 एकड़ जमीन देने की योजना बनाई है।

रोगी कल्याण समिति कार्यकारिणी सभा की बैठक में कई निर्णय

जागरण, सतना। सरदार वल्लभ भाई पटेल जिला चिकित्सालय सतना की रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी सभा की शनिवार को कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में जिला चिकित्सालय में पार्किंग और चिकित्सा सेवाओं के संबंध में चर्चा कर निर्णय लिये गये। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, डीन मेडीकल कॉलेज सतना एस.डी. गर्ग, सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. मनोज शुक्ला, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजीव सिंह, आरएमओ डॉ. शरद दुबे, डॉ. अमर सिंह, डॉ. विजेयता राजपूत, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह तथा पीआईयू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी समिति सदस्य उपस्थित रहे। रोगी कल्याण समिति की बैठक में सिविल सर्जन डॉ. शुक्ला ने बताया कि जिला चिकित्सालय की रोगी कल्याण समिति की अप्रैल 2025 की बैठक में लिये सभी निर्णय में अनुवर्ती कार्यवाही पूरी कर ली गई है। बैठक में आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अंतर्गत प्रदाय किये जाने वाली राशि के लिए बचत खाता रोगी कल्याण समिति के नाम से खोले जाने जेएसवाय और पीएमएसवाय योजना के हितग्राही को रोगी कल्याण समिति से किये गये भुगतान को एनएचएम से वापस दिलाये जाने बावत। जिला चिकिल्सालय सतना में ई-हास्पिटल साफ्टवेयर के संचालन के लिए पूर्व में चयनित आउटसोर्स एजेंसी की जमा प्रतिभूति राशि को 1 लाख रूपये को राजसात करने और इसी स्वीकृत दर पर दूसरी फर्म को कार्य संचालन के संबंध में चर्चा की गई। अधीष्ठा शासकीय चिकित्सालय महाविद्यालय सतना को कार्यकारिणी समिति का सदस्य नामांकित करने और जिला चिकित्सालय के माइनर सिविल वर्क कराये जाने की प्रक्रिया के बारे में चर्चा की गई। आय-व्यय की समीक्षा में बताया गया कि रोगी कल्याण समिति के पास 30 जून 2025 की स्थिति में रोगी कल्याण समिति का 1 करोड 5 लाख 35 हजार रूपये, रोगी कल्याण समिति की दुकानों का प्रीमियम एवं सुरक्षा निधि 50 लाख, वाहन पार्किंग की सुरक्षा निधि 10 लाख 58 हजार, आयुष्मान भारत मद में 10 लाख 55 हजार और गेल इण्डिया के सीएसआर मद से प्राप्त 48 लाख 35 हजार रूपये की राशि शेष के रूप में खाते में जमा है।

सतना जिले के 5 बार के सांसद गणेश सिंह ने गृह ग्राम खम्हरिया पहुंचकर जहां ट्रैक्टर चलाकर खेत की जुताई की है वहीं उन्होंने मजदूरों के साथ खेत में प्रवेश कर धान का रोपा भी लगाया।

नगर निगम ने चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान

जागरण, सतना। शनिवार को नगर निगम सतना की आईईसी टीम द्वारा विभिन्न वार्डों में स्वच्छता संबंधी जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। इस दौरान सोर्स सेग्रेगेशन पर जागरूकता नागरिकों को गीले और सूखे कचरे को घर पर ही अलग करने की जानकारी दी गई। बिन सिस्टम की जानकारी कचरा प्रबंधन के लिए उपयोग होने वाले चार प्रकार के डस्टबिन के बारे में बताया गया। होम कम्पोस्टिंग घर पर जैविक कचरे से खाद बनाने की प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया गया।

हरियाली तीज पर्व पर गहोई महिला मंडल ने रचा उल्लास का संगीतमय रंगमंच

जागरण, सतना। गहोई महिला मंडल सतना द्वारा हरियाली तीज का पारंपरिक और उल्लासपूर्ण आयोजन स्थानीय सभा स्थल पर भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंडल की सदस्याएं पारंपरिक वेशभूषा में सज.धजकर पहुंचीं और सावन के गीतोंए भजनों नृत्य एवं हास्य व्यंग्य से भरपूर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से वातावरण को संगीतमय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल की अध्यक्ष श्रीमती ममता मोर ने स्वागत उद्बोधन के साथ किया। प्रचार मंत्री श्रीमती छाया अरुसिया ने हरियाली तीज के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह पर्व देवी पार्वती और भगवान शिव के पावन मिलन का प्रतीक है जो सुहागिनों के लिए विशेष श्रद्धा और आस्था का पर्व होता है। इस अवसर पर पारंपरिक लोकगीतों सावन थीम पर आधारित शिव भजनों मनमोहक नृत्य हास्य.व्यंग्य और मनोरंजक खेलों की प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान एक पारिवारिक और सौहार्दपूर्ण माहौल बना रहा। समारोह के अंत में संयोजिकाए श्रीमती शीतल कुचया एवं श्रीमती शिखा खंताल ने सभी अतिथियों एवं सहभागियों का आभार प्रकट किया। आयोजन का समापन स्वादिष्ट पारंपरिक व्यंजनों के साथ हुआ जिसने सभी के अनुभव को और भी यादगार बना दिया। इस अवसर पर श्रीमती उषा बड़ेरिया, सीमा बड़ेरिया,अंजू कटारे, वर्षा कटारे,सुनीता कठिल, अर्चना बड़ेरिया, गीता गुप्ता, इंदु रावत, निधि खंताल, लता कुचया, किशोरी पहारिया, सुषमा पहारिया, अहिल्या सुहाने, विनीता कुचया, मंजू रावत, डाली रावत, रागिनी बीजपुरिया, शेफाली कुचिया, गीता कंदेले, सारिका , साधना बड़ेरिया, निधि सुहाने, प्रियंका कुचया,प्रीति मोर, नीलिमा सेठिया, सुधा कुचया, दीपा गुप्ता, पूजा रुसिया, ज्योति बड़ेरिया, कामिनी बड़ेरिया, नंदिनी कुचया, रोली खेरा, कुसुमलता गुप्ता, वर्षा सेठ सहित अनेक सदस्याएं प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

7 स्टार के साथ हासिल करनी है पहली रैंक : महापौर

सतना। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में नगर पालिक निगम सतना के अभूतपूर्व सफलता प्राप्त करते हुए स्वच्छता में अपने पॉपुलेशन ग्रुप में देशभर में 12 वां स्थान एवं जीएफसी स्टार रेटिंग में 5 स्टार प्राप्त करने पर 18 जुलाई को महापौर योगेश ताम्रकार ने निगम सभागार में समारोह का आयोजन किया। शेर सिंह मीना आयुक्त नगर पालिक निगम सतना सत्यम मिश्रा उपायुक्त नगर पालिक निगम सतना स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी सिद्धार्थ सिंह,सहायक नोडल अधिकारी रोजल प्रताप सिंह आईईसी टीम संपूर्ण स्वच्छता टीम एवं निगम के सभी अधिकारी कर्मचारी को इस ऐतिहासिक सफलता को प्राप्त करने के लिए किए गए अथक प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही निगम क्षेत्र की जनता को बहुत. बहुत आभार व्यक्त किया। महापौर ने आगामी वर्ष के लिए लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा कि हमें स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 की रैंकिंग में जीएफसी स्टार रेटिंग में 7 स्टार और स्वच्छता में अपने पॉपुलेशन ग्रुप में पहला स्थान प्राप्त करना है।

भरहुत नगर के 11 पार्कों सहित कई वार्डों में हुआ पौधरोपण

सतना। एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत शनिवार को वार्ड नंबर 05, 06 और 07 में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महापौर योगेश ताम्रकार ने गायत्री पार्क बम्हनगांव पानी टंकी और भरहुत नगर नाला के किनारे पौधारोपण किया। इसके अलावा भरहुत नगर के 11 पार्कों में भी पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में वार्ड वासियों स्कूल के छात्रों नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण और शहर को हरित बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। सभी उपस्थित लोगों ने पौधारोपण में सक्रिय रूप से भाग लिया और शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अब इसी अभियान के तहत वार्ड नंबर 40, 41 और 42 में 20 जुलाई 2025 को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। हमें उम्मीद है कि इस कार्यक्रम में भी वार्ड वासियों और शहर के अन्य निवासियों की सक्रिय भागीदारी होगी और हम अपने शहर को और भी हरित और सुंदर बना पाएंगे।

आंगनवाड़ी भवन का हुआ लोकार्पण

जागरण, सतना । रामपुर बघेलान क्षेत्र अंतर्गत नव निहाल बच्चों को सुविधा पहुंचाने कच्चे माकान से पक्के भवन में शिफ्ट करने डी पी ओ राजीव सिंह के निर्देशन में सेमरा क्रमांक 2 के अहरी टोला में आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रामपुर बघेलान जनपद अध्यक्ष रावेन्द्र सिंह छोटू जनपद सदस्य नंदकिशोर सिंह नंदू राजू सिंह सरपंच श्रीमती बेबी संपत कोल सावित्री आदिवासी कृष्ण कुमार पांडेय उपस्थित रहे जिसमें कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद अध्यक्ष रावेन्द्र सिंह ने कहा कि महिला बाल विकाश सबसे नीचे का पायदान बन कर बिना दिखे सारी योजनाओ को जन जन तक पहुँचाने का कार्य करता है और जन्म से ले कर मृत्यु तक की सटीक जानकारी उच्च अधिकारियों तक पहुँचाता है इस लिए यह सबसे महत्वपूर्ण विभाग है। वही सीडीपीओ स्वेता जुनेजा ने कहा कि हमारा विभाग ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के परिवारों को टीका करण के साथ शाला पूर्व अनौपचारिक शिक्षा के साथ गर्भवती धात्री महिलाओं की देख रेख करता है जिसके लिए सभी से आग्रह है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का सहयोग कर के योजनाओ के सारे लाभ लें और किसी भी प्रकार की समस्या आने पर हमारे कार्यालय में आ कर समस्या का निदान करा सकते हैं। कार्यक्रम में नायब तहसीलदार वीरेंद्र सिंह जयसूर परियोजना अधिकारी श्वेता जुनेजा पर्यवेक्षक सावित्री विश्वकर्मा महेश त्रिपाठी काशी प्रसाद पटेल शीतला प्रसाद पटेल रवि पटेल राम विश्वास दिलीप रमेश पटेल पटवारी सुशील जागेश्वर पटेल आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सीमा सिंह सुनीता पांडेय सुधा ममता रंजना स्वर्णकली सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे और भवन का लोक अर्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

स्वयं को मजबूत रखने के लिए हिम्मत रखना चाहिए : डॉ. सतीश कुमार एस

जागरण, सतना। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा है कि स्वयं को मजबूत बनाने के लिए हिम्मत रखना चाहिए और कभी भी हिम्मत नहीं हारना चाहिए, जिससे लक्ष्य को हासिल किया जा सके। वे आज इनक्यूबेशन सेंटर सतना पर संचालित यूपीएससी एवं एमपीपीएससी निःशुल्क कोचिंग क्लासेस के छात्र- छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि अवसर को खोना नही चाहिए। उन्होंने सिलेबस पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने तैयारी के दौरान कौनसी बुक से पढ़ाई की, वह भी बताया। साथ ही करेंट अफेयर्स कैसे तैयार करना चाहिए तथा उन्होंने अपनी मां के द्वारा कहीं गई कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि अपना जीवन अपने अनुसार जीये लोगो का काम है कहना। साथ ही उन्होंने बताया कि अपनी जिम्मेदारी स्वयं ले चाहे जैसी परिस्थिति हो सफल हो या फिर असफल हो। उन्होंने अभ्यर्थियों द्वारा उठाई गई जिज्ञासाओं का समधान भी किया। इस दौरान कलेक्टर ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर नवीन बैच का शुभारंभ किया।

सुविधा विहीन गांव चौतरिहा

समुचित इलाज के अभाव में आदिवासी की हुई मौत

जागरण, उचेहरा। आजादी के 7 दशक बीत जाने के बाद भी पुरैना पंचायत के चौतरिहा गांव की करीब 11 सौ की आवादी वाले आदिवासी बाहुल्य गांव में बारिस के चलते नाला उफान में होने से इलाज के अभाव में 35 वर्षीय बलवीर आदिवासी ने दम तोड़ दिया और करीब आधा दर्जन घर गिर गए कहने को तो यहां प्राथमिक स्कूल है लेकिन स्कूल में हैंड पम्प भी नही बच्चे नाला का बस्ती में अपनी प्यास बुझाने जाते है । यहां के निवासी सरकार से लेकर प्रशासन तक कई बार यहां की जन सुविधा की मांग कर चुके लेकिन उन्हें मिला सिर्फ कोरा आस्वाशन ।

बरसात के दिनों बनते ऐसे हालात : अगर यहां की भौगोलिक स्थित की बात करें तो यह पूरा गांव बारिस के दिनो मे नाला के ऊफान में आने से चारो तरफसे पूरी तरह से घिर जाता है जिसके कारण न तो यहां स्वास्थ सुविधा न तो बच्चो को शिक्षा की सुविधा मिल पाती ।

दो पंचायतों को जोड़ता है ये गांव

चौतरिहा गांव पुरैना पंचायत में आता है इस गांव में ;बरसात के दिनो को छोडकरद्ध दुरेहा घाट हो कर जाया जा सकता है लेकिन पुरैना के हरदुआ से पहाडी रास्ते करीब 2 किलोमीटर चल चौतरीहा पहुंच सकते हैं बरसात के दिनों में चौमुखनाथ के रास्ते पड़ने वाला दुबघटा नाला उफान में होने के कारण इस गांव में नहीं जाया जा सकता उसी तरह पहाड़ी पंचायत के देवरी गांव पर भवरदो नाला के उफान में होने से भी इस गांव में नही जाया जा सकता एकाबिलेगौर है कि पहाड़ी से इस गांव तक कोई सड़क मार्ग नही सूखे ऋतु में नालापार कर जंगल की भूमि से पगडंडी रास्ते यहां के ग्रामीणों का आना जाना होता हैं । कुछ वर्ष तत्कालीन वन मंत्री विजय शाह को यहां के ग्रामीणों ने वन भूमि से रास्ते की मांग की थी जिस पर पहल भी हुई उस समय के वन विभाग के एस डी ओ लाल सुधाकर सिंह के संज्ञान में रोड़ का पूरा मामला था चुंकि वन विभाग का कहना था कि एक किलोमीटर तक हमे वन भूमि में रोड बनाने का अधिकार है यहां रोड के लिए 5 किलोमीटर की दूरी नापी गई उसी के चलते यह फाइल राज्य शासन के दफ्तरो में धूल खाते जब से पडी हैं ऐसी जानकारी ग्रामीणों द्वारा बताई जा रही है। अगर किसी काम से चौतरिहा गांव क के ग्रामीणो को अपनी पंचायत आना होता है तो करीब 50 किलोमीटर की दूरी तय कर उन्हें आना पड़ता है।

अभी भी उठ रहे कुछ सवाल : कई बार यह सवाल यह भी उठता रहता है कि यह गांव डूबक्षेत्र में है लेकिन जानकारो की माने तो अभी भी सभी को मुआवजा नही मिला एक सवाल शासन प्रशासन से भी जब यह गांव डूब में हो तो समय रहते यहाँ के विस्थापितो का विस्थापन क्यो नही किया उसके बावजूद यहां के निवासियों को बाकायदे पी एम आवास एस्कूल एसड़क बनवाई गई आखिर क्यों ?

इनका कहना

कई बार यहां के ग्रामीणों के लिए बुनियादी सुबिधाओ की आवाज उठाई गई ज़ही8 आवागमन न होने से इलाज के अभाव में कई लोगो की जान जा चुकी है।

मुन्नू पांडेय ग्रामीण पुरैना

कलेक्टर ने किया कंट्रोल रूम का निरीक्षण

सतना। रीवा संभाग और मैहर जिले में लगातार जारी बारिश में अतिवृष्टि की स्थिति में आपदा प्रबंधन एवं सूचनाओं के संकलन के लिए कार्यालय कलेक्टर मैहर में 24 घण्टे कन्ट्रोल रूम का संचालन किया जा रहा है। कलेक्टर रानी बाटड ने शनिवार को मैहर जिले के कन्ट्रोल रूम का आकस्मिक निरीक्षण किया और आवश्यक सुधार संबंधी निर्देश दिए।

विवि में अगस्त तक होगा दाखिला कॉलेज में 31 जुलाई के बाद नहीं

अब ऑनलाइन भी नहीं, सीधे कॉलेज लेवल काउंसलिंग से होगें प्रवेश, सामान्य विषयों की 50 फीसदी सीटें खाली

जागरण, रीवा

कॉलेजों में प्रवेश की प्रक्रिया अब 31 जुलाई तक चलेगी, जबकि विश्वविद्यालय में 14 अगस्त तक एडमिशन दिए जाएंगे। इस निर्णय से हजारों छात्र-छात्राओं को लाभ मिलेगा और इसकी प्रक्रिया शुरू भी हो गई है। कॉलेजों और विवि में रौनक भी नजर आने लगी है। हालांकि एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि सामान्य विषयों, या यूं कहें कि बीए, बीएससी और बीकॉम जैसे विषयों की केवल 60 फीसदी सीटें ही भरी गई हैं। स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए एक और मौका देने के लिए सीधे प्रवेश की प्रक्रिया बुधवार से शुरू की गई है। ऑनलाइन पंजीयन कराने वाले छात्र छात्राएं कॉलेजों में 31 जुलाई तक, जबकि विश्वविद्यालय में 14 अगस्त तक प्रवेश के पात्र होंगे। इसमें एक लाभ और दिया गया है कि ग्रेजुएशन फर्स्ट ईयर में प्रवेश के लिए अब च्वॉइस फिलिंग की कोई जरूरत नहीं होगी, बल्कि कॉलेज लेवल काउंसलिंग के जरिए सीटों को भरा जाएगा।

पीजी में कम हुए प्रवेश

इधर अवधेश प्रताप सिंह विवि में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है, यूजी की परीक्षाएं देरी से होने से यूजी में अभी कम ही प्रवेश हुए हैं। वहीं महाविद्यालयों में भी प्रवेश की स्थिति अभी संतोषजनक नहीं है, इसका बड़ा कारण विभाग की प्रक्रिया भी है, पात्र होते ही भी छात्रों को सीटों पर प्रवेश के लिए आवंटन नहीं हुआ। जिससे उन्हें अब सीएलसी राउंड में प्रवेश लेना पड़ रहा है।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पुलिस ने नशे के विरुद्ध चलाया जागरुकता अभियान

जागरण, सतना। नशे के विरूद्ध छेडे गये अभियान के अंतर्गत मैहर एसपी सुधीर अग्रवाल के निर्देश पर पुलिस ने नुक्कड नाटक के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया बताया जाता है कि पुलिस ने स्कूलो में छात्र छात्राओ के बीच इस तरह का जागरूकता अभियान चलाया है। उल्लेखनीय है कि पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश कैलाश मकवाना व्दारा नारकोटिक्स शाखा के माध्यम से पूरे प्रदेश में नशामुक्ति जनजागृति अभियान चलाये जाने के निर्देश प्राप्त हुए है। नशे से दूरी है जरूरी जनजागृति अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक मैहर सुधीर अग्रवाल के निर्देशन में जिला मैहर में प्रतिदिन जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी क्रम में 19 जुलाई को महाकाल विद्यालय के छात्रों द्वारा घंटाघर चौराहे पर नशा मुक्ति जन जागरूकता संबंधी कार्यक्रम का आयोजन किया गया व लोगों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में थाना कोतवाली का स्टाफ उपस्थित रहा। थाना प्रभारी नादन निरीक्षक के एन बंजारे द्वारा ग्राम तिलौरा स्थित शासकीय हाई स्कूल में नशे के विरुद्ध जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य शिक्षक एवम थाना नादन का स्टाफ उपस्थित रहा। थाना प्रभारी अमरपाटन निरीक्षक के पी त्रिपाठी द्वारा संदीपनी हायर सेकेंडरी स्कूल अमरपाटन में उपस्थित छात्र.छात्राओं एवं शिक्षकगण को नशा मुक्ति संबंधी व्याख्यान देकर उपस्थित सभी जनो को नशे से दूरी बनाएं रखने की सलाह दी एवं नशा मुक्ति संबंधी शपथ दिलाई गई। इसी प्रकार थाना बदेरा एवम थाना रामनगर पुलिस के द्वारा ग्राम लटागांव एवम ग्राम छीरहाई स्थित शासकीय स्कूल में कार्यक्रम आयोजित कर छात्रों को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में बताते हुए विभिन्न हेल्पलाईन नम्बरों की जानकारी दी गई । कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य शिक्षकगण एवं पुलिस अधिकारीध्कर्मचारी शामिल रहे । सभी को नशे से दूरी बनाएं रखने हेतु शपथ दिलाई गई।

डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण एक अगस्त से होगा शुरू

रीवा। डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण खरीफ सीजन 1 अगस्त से 15 सितम्बर तक किया जाएगा। इसके लिए स्थानीय युवा (सर्वेयर) का पंजीयन एवं प्रशिक्षण आवश्यकतानुसार एक या एक से अधिक सर्वेयर का पंजीयन करने के निर्देश हैं। राजस्व निरीक्षक वृत स्तर पर संबंधित सर्वेयर को प्रशिक्षण राजस्व निरीक्षक द्वारा व तहसील स्तर पर मास्टर ट्रेनर द्वारा दिया जाए। संबंधित पटवारी द्वारा सर्वेयर को गिरदावरी के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाए एवं सर्वे कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाए। पोर्टल पर पंजीयन, ग्राम आवंटन एवं सत्यापन दिशा निर्देशों के अनुसार क्रॉप सर्वे की जानकारी अद्यतन की जाएगी। स्थानीय युवा को फसल सर्वेक्षण कार्य के लिए प्रति सर्वे नम्बर अधिकतम 14 (चौदह रूपये) देय होगी। नियत राशि सत्यापन उपरांत आधार से लिंक बैंक खाता में भुगतान की कार्रवाई पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। जारी समय सारणी अनुसार समस्त प्रशिक्षण 31 जुलाई तक, किसान गिरदावरी एवं सर्वेयर क्रॉप सर्वे 1 अगस्त से 15 सितंबर तक, सुपरवाईजर सत्यापन 20 सितंबर तक, किसान दावा/आपत्ति 25 सितंबर तक, दावा आपत्ति निराकरण 30 सितंबर तक, वैरीफायर अनुमोदन 10 सितंबर से 30 सितंबर तक, डिजिटल क्रॉप सर्वे जांच कार्य 10 सितंबर से 28 सितंबर तक, जांच कार्य अनुमोदन 30 सितंबर तक तथा अंतिम डाटा भूलेख पोर्टल पर अद्यतन 10 अक्टूबर तक किया जाएगा।

विभागों में आउटसोर्सिंग भर्ती में चल रहा फर्जीवाड़ा

जागरण फर्जीवाड़ा

शिक्षा, स्वास्थ्य एवं विद्युत मंडल फर्जी नियुक्तियों को लेकर सुर्खियों में

भारी-भरकम सुविधा शुल्क लेकर की जा रही है भर्ती

जागरण, सीधी

सरकारी महकमों में स्टाफ की कमी दूर करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा आउटसोर्स कंपनियों के माध्यम से बनाई गई भर्ती पूरी तरह से फर्जीवाड़े में सिमटकर रह गई है। विभागीय अधिकारियों की सांठ-गांठ के चलते भारी-भरकम सुविधा शुल्क लेकर भर्ती करने का खेल अनवरत रूप से सीधी जिले में चल रहा है। आउटसोर्स के माध्यम से फर्जी भर्ती को लेकर सबसे ज्यादा सुर्खियों में जिला शिक्षा विभाग, जिला स्वास्थ्य विभाग एवं विद्युत मंडल बना हुआ है। उक्त विभागों में सैकड़ों भर्ती योग्यताओं को दरकिनार कर गोपनीय तरीके से की जा रही है। जिला स्वास्थ्य विभाग में तो एक सैकड़ा से ज्यादा भर्ती मनमानी तौर पर करने को लेकर कलेक्टर सीधी के सख्त निर्देश पर रिकार्डों को जप्त कर जांच भी शुरू हो गई है। किंतु जिला शिक्षा विभाग एवं विद्युत मंडल में जिस तरह से मनमानी भर्तियां की गई हैं इसको लेकर भी लोगों में काफी आक्रोश दिख रहा है। चर्चा के दौरान कुछ शिक्षित बेरोजगारों ने कहा कि जिला शिक्षा विभाग में विभिन्न भर्तियां आउटसोर्स के माध्यम से भारी-भरकम सुविधा शुल्क लेकर अधिकारियों के माध्यम से की जा रही हैं जिसको लेकर सालों से शिकायतें हो रही हैं। कम्प्यूटर ऑपरेटर्स की आधा सैकड़ा स्कूलों में भर्तियां विवादों से घिरी रही। बाद में शिकायतों के बाद जिला प्रशासन द्वारा निरस्त की गई तो कमेटी बनाकर संबंधित अधिकारियों ने फिर से लीपापोती कर दी। वहीं स्वास्थ्य विभाग में कम्प्यूटर ऑपरेटर्स, अटेंडर, टैक्नीशियन एवं अन्य ट्रेड़ों की भर्ती में भी जमकर सुविधा शुल्क वसूली गई। यहां तो सुविधा शुल्क की राशि लाखों में रही। लिहाजा गरीब परिवारों के योग्य अभ्यर्थियों को कोई जानकारी ही नहीं मिली और पर्दे के पीछे से समूची भर्तियों को कर लिया गया। आक्रोशित बेरोजगारों का कहना था कि एक तो नियमित पदों के लिए शासन की ओर से भर्ती ही नहीं निकलती और जो आउटसोर्स के माध्यम से होती हैं उसकी सार्वजनिक जानकारी देने की बजाय विभागीय अधिकारियों के माध्यम से गोपनीय तरीके से कर ली जाती है। आउटसोर्स के माध्यम से जो भर्तियां विभागों में हो रही हैं उसमें ज्यादातर विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सगे-संबंधी एवं परिचित ही शामिल हैं। इनको ही उपकृत करने का खेल चल रहा है। ऐसे में योग्य शिक्षित बेरोजगारों को कहीं शासकीय विभागों में कार्य करने का अवसर नहीं मिल रहा है। जबकि विभिन्न योग्यताओं एवं डिप्लोमा की डिग्रियां लेकर हजारों योग्य बेरोजगार घर बैठने को मजबूर हैं। इस मामले में जिम्मेदारों द्वारा कोई सार्थक पहल न करने के कारण विभागों में आउटसोर्स के माध्यम से चल रही भर्तियां पूरी तरह से फर्जीवाड़े में सिमटकर रह गई हैं।

कलेक्टर ने सीएमएचओ को जारी किया नोटिस

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे को अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही एवं आउटसोर्स नियोजन में अनियमितता करते हुए कार्यादेश जारी करने के कारण नोटिस जारी की गई है। तीन दिवस के अंदर औचित्यपूर्ण जवाब प्रस्तुत नहीं करने पर उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी। कलेक्टर ने बताया कि शासन द्वारा विभाग अंतर्गत राज्य स्वास्थ्य समिति की अनुसंशा के आधार पर प्रदेश की वर्तमान में स्वीकृत स्वास्थ्य संस्थाओं उप स्वास्थ्य केन्द्रए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिविल अस्पताल एवं जिला चिकित्सालय में मानक वर्ष 2024 के लिये पद सृजित किये गये हैं। संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें भोपाल मध्यप्रदेश के परिपत्र दिनांक 14 अक्टूबर 2024 के द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया था कि राज्य स्तरीय मानक वर्ष 2024 के अनुसार प्रथम चरण में प्रदेश में स्वीकृत स्वास्थ्य संस्थाओं उप स्वास्थ केन्द्रए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिविल अस्पताल एवं जिला चिकित्सालय में आउटसोर्स के आधार पर कम्प्यूटर आपरेटर/डाटा एन्ट्री आपरेटर आउटसोर्स तथा मल्टी स्कील्ड ग्रुप डी वर्कर आउटसोर्स व्यक्तियों का नियोजन किया जाना है। स्वास्थ्य संस्थाओं जिला सीधी अंतर्गत स्वीकृत पद में से रिक्त पद को आउटसोर्स के माध्यम से भर्ती करने के लिये शासकीय क्रय में कार्यकुशलता, समयाबद्धता, मितव्ययिता, पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य शासन शासकीय विभाग एवं उनके घटकों द्वारा सामग्री एवं सेवा उपार्जन हेतु मध्यप्रदेश भण्डार क्रय नियम तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 यथा संशोधित 2022 जारी किया गया है।

बाइक एवं पिकअप में हुई टक्कर, बाइक सवार चाचा भतीजे की हुई दर्दनाक मौत

कठौतहामोड़ के पास हुआ भीषण सड़क हादसा

जागरण, सेमरिया

चुरहट थाना क्षेत्र अंतर्गत आज शनिवार के दिन शाम 5 बजे बाइक एवं पिकअप में जोरदार भिड़ंत हुई जिससे बाइक सवार चाचा भतीजे की दर्दनाक मौत हो गई है, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक यह घटना सीधी-रीवा एनएच 39 के चुरहट क्षेत्र की कठौता अंधा मोड की बताई जा रही है। हालांकि पिकअप वाहन चालक घटना स्थल से फरार हो गया है। जानकारी के मुताबिक चुरहट की ओर से आ रही पिकअप ने कठौतहा अंधा मोड़ के पास बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दिया, जो की चाचा और भतीजे थे , जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार बाइक सवार अनिल शर्मा उम्र लगभग 40 साल तथा उसका भतीजा आयुष शर्मा उम्र 20 वर्ष ग्राम कोलुहा करनपुर निवासी बताए गए हैं जो कि अपने बाइक से चुरहट की तरफ जा रहे थे, जिससे कठौतहा अंधा मोड़ के पास पिकअप ने टक्कर मार दिया और आसपास के ग्रामीणों की माने तो टक्कर मारने के बाद पिकअप घटनास्थल से फरार हो गया है। बरहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

शहर/ग्रामीण अंचल की खबरें

साईं ज्योति स्कूल में क्विज प्रतियोगिता आयोजित

जागरण, सीधी। शहर के समीपी संचालित साईं ज्योति पब्लिक हायर सेकंडरी स्कूल पनवार सीधी में सीसीए के अंतर्गत आज क्विज प्रतियोगिता चारों ग्रुप साईं सफायर, पर्ल एवं ओपल के बीच संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। उक्त प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि स्कूल के एमडी नरेंद्र सिंह एवं विशिष्ट अतिथि डायरेक्टर ममता सिंह रहीं। चारों ग्रुपों के कैप्टनों ने अपने अपने टीम को कंपटीशन में बहुत ही बेहतरीन लीड किया। प्रतियोगिता में साईं ग्रुप ने प्रथम स्थान अर्जित किया, जिसके कैप्टन अन्या सिंह एवं वाइस कैप्टन दीपाली सिंह रहीं। वहीं ओपल ग्रुप ने द्वितीय स्थान अर्जित किया, जिसके कैप्टन पुष्कर सिंह एवं वाइस कैप्टन तनिषा सिंह रहीं। सभी विजेताओं को स्कूल प्रबंधन द्वारा सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में प्राचार्य बृजेश तिवारी, एचएम राजकुमार पटेल, परीक्षा प्रभारी आकांक्षा सिंह, एकाउंटेंट विकाश कुमार वर्मा, सचिव सुधांशु सिंह, मैनेजर प्रकाश सिंह, कामिनी अग्रहरी, प्रिया सिंह, उर्मिला रानी, कविता पनिका, शिवानी सिंह चौहान, शिवानी सिंह परमार, अरविंद द्विवेदी, केशव, मनषी तिवारी, मुस्कान दुबे, आंचल सिंह, शगुन सिंह, नेहा सिंह, आकांक्षा तिवारी, संदीप शुक्ला एवं उपेंद्र सिंह की अहम भूमिका रही।

डॉ. श्रीनिवास शुक्ल सरस की पत्नी का निधन

जागरण, सीधी। सोंधी माटी लोनी बघेली साहित्यिक मंच सीधी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्रीनिवास शुक्ल सरस की पत्नी श्रीमती सरला का आकस्मिक निधन लीवर इन्फेक्शन एवं पीलिया के कारण 16 जुलाई को रात्रि में हो गया है। उनका दाह संस्कार भारतीय विध विधान से प्रयागराज में हुआ। शेष कार्यक्रम लोक परम्परानुसार सीधी स्थित उनके निज निवास उत्तर करौंदिया से होगा। डॉ. सरस का परिवार शोकाकुल है किन्तु वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर वैकुण्ठ धाम की ओर चल बसीं। उनके दो बेटे, दो पोते, दो पोतियाँ, दो बहु, स्वस्थ एवं सानन्द से है। सोमालोब परिवार इस दुख में उनके निवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त किया तथा दुख सहने का ढाढस बंधाया। शहर के सभी साहित्यकार, समाज सेवी, पत्रकार आदि ने मृत आत्मा की शान्ति हेतु श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहें हैं।

अधिवक्ता अरविंद शुक्ला को मिल रहा समर्थन

जागरण, सीधी। जिला अधिवक्ता संघ सीधी के चुनाव में नामांकन पत्रों की जांच होने के बाद चुनाव प्रचार की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनाव मैदान में उतरने वाले सभी प्रत्याशी न्यायालय परिसर के अलावा अधिवक्ताओं से डोर-टू-डोर संपर्क करके समर्थन मांग रहे हैं। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अरविंद शुक्ला के समर्थन में अधिवक्ता लगातार आ रहे हैं। वरिष्ट अधिवक्ता अरविंद शुक्ला द्वारा चुनाव के दौरान अधिवक्ताओं के हितों को तरजीह देने तथा न्यायालय में उनके लिए सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने का वायदा किया जा रहा है। साथ ही नए अधिवक्ताओं को 5 हजार रुपए की विधि पुस्तकों को स्वयं के व्यय से उपलब्ध करान का वायदा भी किया जा रहा है।

गोपाल दास महाराज की मनी पुण्यतिथि, हुआ भंडारा

जागरण, सीधी। शहर के हृदय स्थल में 108 वर्षीय राम नाम संकीर्तन के संकल्पित, आध्यात्म रामायण मंदिर के संस्थापक ब्रम्हलीन ब्रम्हार्षि श्री श्री 1008 श्री अकिंचन स्वामी गोपाल दास महाराज के 19वीं पुण्यतिथि पर विशाल भंडारे का आयोजन श्रावण मास कृष्ण पक्ष अष्टमी तिथि 18 जुलाई को संपन्न हुआ। जहां उनके शिष्यों साधु संतों व महाराज के अनुयायियों ने स्वामीजी के पुण्यतिथि में वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ धूप दीप एवं पुष्प अर्पण कर बंदना किये। अध्यात्म रामायण मंदिर पुजारी संत शत्रुघ्न दास महाराज के मार्गदर्शन में कार्यक्रम हुआ। कई जगह के साधु संतों का आगमन हुआ। वही बांके बिहारी शास्त्री महाराज कथा प्रवक्ता भी पधारे एवं महिला मंडली द्वारा गुरु के गीत, रामायण पाठ आदि का गायन की। जहां चंद्रमुखी सिंह, गुड़िया पाण्डेय, आरती मिश्रा, विमल पटेल, प्रीती सिंह, मीनू सिंह, उर्मिला मिश्रा, विमल तिवारी, पुनीता द्विवेदी, प्रतिमा द्विवेदी, कमला रैकवार द्वारा संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। बांके बिहारी द्वारा बताया गया की गायत्री मंदिर में दिनांक 13 से 19 अगस्त 2025 तक श्रीमद्भागवत कथा वैदिक मानव जन जागृति मिशन एवं समस्त सीधी नगरवासी क्षेत्रवासी महिला मंडल की ओर से आयोजित है। जहां सभी श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त करें। गोपाल दास मंदिर में संत समागम के साथ-साथ विशाल भंडारे का प्रसाद वितरण दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक अनवरत चलता रहा। तपोभूम धरौली, प्रयागराज, हिनौती आश्रम सहित कई जगह से साधु संत आए। इसी दौरान जिलेवासी स्वामीजी के पुण्यतिथि में विशाल भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर लाभान्वित हुए।

ऑटो को बनाया नशा मुक्ति का संदेशवाहक

जागरण, सीधी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा से चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत शनिवार को भुईमाड़ थाना पुलिस ने आटो मे नशा के दुष्प्रभाव वाले आम जनमानस को नशे के होने बाले दुष्प्रभावों के पोस्टर चिपकाया एवं भुईमाड़ थाना प्रभारी डीडी सिंह अपने स्टाफ के साथ शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय भुईमाड़ पंहुचकर बताया कि नशे से व्यक्ति का जीवन बर्बाद हो जाता है। यह युवाओं के भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा है। हमें खुद को और अपने आसपास के लोगों को इस बुराई से बचाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस विभाग सिर्फकानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को बेहतर दिशा देने की जिम्मेदारी भी निभा रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों ने सामूहिक रूप से नशा न करने और दूसरों को भी इससे दूर रखने की शपथ ली। विद्यालय के शिक्षकों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

हाईकोर्ट ने मांगा जवाब, खेल मैदान में अतिक्रमण क्यों?

जागरण, सीधी। मप्र हाईकोर्ट ने स्कूल परिसर व खेल मैदान में अतिक्रमण को चुनौती संबंधी जनहित याचिका पर गंभीरता दर्शाई है। एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की खण्डपीठ ने राज्य शासन, कलेक्टर सीधी, एसडीओ व तहसीलदार के अलावा अतिक्रमणकारी छब्बीलाल साहू, बालमुकुन्द साहू, भरत साहू, राजकुमार नामदेव व प्रेमलाल साहू को नोटिस जारी किए हैं। मामले की अगली सुनवाई चार अगस्त को होगी। जनहित याचिकाकर्ता सीधी जिले के मझगवां ग्राम पंचायत के सरपंच सुजय सिंह की ओर से अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि ग्राम में स्थित शासकीय माध्यमिक शाला की बाउंड्रीबाल व खेल मैदान पर अनावेदकों ने निर्माण कार्य कर अतिक्रमण कर रखा है। जिससे स्कूल के बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त मामले की शिकायत जिम्मेदार अधिकारियों से की गई, लेकिन नतीजा सिफर रहा। लिहाजा व्यापक जनहित में हाई कोर्ट की शरण ली गई है।

जनता के समक्ष खुली जांच हो: सुजय

मझिगवां निवासी सुजय सिंह ने मीडिया के माध्यम से अनुरोध किया है कि इस सम्बन्ध में शासन-प्रशासन को यदि जांच करनी है तो खुली जांच मेरे व आम जनता के समक्ष किया जाय। क्योंकि अतिक्रमण कारी लोग धनवान, भूमि स्वामी, पक्के आवास धारी, वाहन मालिक, बिजनेस मैन सब कुछ है। ये सभी भूमाफिया हैं। शासकीय जमीनो पर घर बना कर कब्जा किए हैं, चाहे वह स्कूल पंचायत भवन आदि की ही भूमि क्यों न हो। जांच कर स्कूल की जमीन खाली करवाई जाय।

नशे से दूरी जागरुकता अभियान को लेकर हुई बाइक रैली

शहर में भ्रमण कर लोगों को नशे से दूरी बनाने का दिया गया संदेश

जागरण, सीधी

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार संचालित प्रदेशव्यापी नशे से दूरी है जरूरी विशेष अभियान के अंतर्गत आज अभियान के चौथे दिन, पुलिस अधीक्षक डॉ. रविंद्र वर्मा के नेतृत्व एवं अगुआई में जिला मुख्यालय सीधी में भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली पुलिस परेड ग्राउंड से प्रारंभ होकर सम्राट चौक, अस्पताल तिराहाए गांधी चौक, लालता चौक, पुराना हनुमान मंदिर, जमा मस्जिद, कलेक्ट्रेट तिराहा, सर्किट हाउस होते हुए पुनः परेड ग्राउंड में सम्पन्न हुई। रैली में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव, उप पुलिस अधीक्षक अमन मिश्रा, परिविक्षाधीन डीएसपी सुजीत कड़वे, रक्षित निरीक्षक वीरेंद्र कुमरे सहित कोतवाली, यातायात, महिला थाना, कमर्जी व जमोड़ी के थाना प्रभारीगण, पुलिस बल एवं पत्रकार बंधु सम्मिलित हुए। रैली के साथ चल रहे नशा मुक्ति रथ के माध्यम से आमजन को नशे से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी गई एवं नशा छोड़ने की अपील की गई। इसी क्रम में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में जन-जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की गईं। इन समस्त गतिविधियों का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक नशे के दुष्परिणामों की जानकारी पहुँचाना एवं युवाओं को जागरूक करना रहा।

नशे से दूरी बनाने किया गया जागरुकता अभियान

जागरण, सीधी। पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित नशे से दूरी है जरूरी जागरूकता कार्यक्रम के तहत थाना अमिलिया के बस स्टैंड में 19 जुलाई को सार्वजनिक स्थान मे नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया, जिसमे स्लोगन बीड़ी पीकर खास रहा है मौत को बुला रहा हैं, गुटखा खाकर पान चबाकर बढ़ाना चाहता हैं मान, कैंसर होगा बीमारी बढ़ेगी चली जाएगी जान, तंबाकू का नशा, अनमोल जीवन का दुर्दशा, तंबाकू का अंजाम, मौत का पैगाम, धूमपान को बढ़ाना, अपने मौत को बुलाना, जो नशे को अपनाएगा, वह घर लौट के ना आएगा, तंबाकू शराब, जिंदगी खराब, देश को बचाना है, नशे को बंद करना है, नशा मुक्ति अभियान, जन-जन का पहचान आदि रहे। जिसमें बस बस के चालक व परिचालक एवं ऑटो के चालक थाना क्षेत्र के सरपंच गण पंच नागरिक गण नागरिक गण उपस्थित रहे नशा मुक्ति नशा के दुष्परिणामों के संबंध में बताया गया। पोस्टर बस ऑटो में चस्पा किया गया पोस्ट वितरित किए गए। अभियान के नुक्कड़ सभा में थाना अमिलिया के उपनिरीक्षक इंद्राज सिंह के द्वारा के द्वारा नशा के संबंध में शपथ दिलाई गई व नशा के संबंध में जानकारी दी गई। नशा समाज को नास करता है, नशा समाज के लिए अभिशाप है, नशा दीमक की तरह समाज में लोगों को कमजोर करता है, आर्थिक रूप से हानि करता है तथा लोगों का व्यक्तित्व एवं कैरियर खत्म कर रहा है, जो समाज में एक गंभीर समस्या का रूप धारण कर रही है, इसे निदान करना अति आवश्यक है, या कम करना कार्यक्रम में बस के चालक परिचालक ऑटो की चालक पंचगण नगरीकगण तथा थाना अमिलिया के महिला आरक्षक स्वाति कुशवाहा, आरक्षक शुभेंदु पाण्डेय, आरक्षक संदीप चौबे, चालक नीरज पटेल की उपस्थिति एवं कार्य सकारात्मक रहा।

चिन्मय मिशन का वार्षिक समारोह आज

जागरण, सीधी। चिन्मय स्वाध्याय एवं सत्संग मंडल सीधी का वार्षिक समारोह आज दिनांक 20 जुलाई 2025 को सायं काल 5 से रोली मेमोरियल सभागार सीधी में आयोजित है। चिन्मय मिशन के अध्यक्ष डॉ. लहरी सिंह एवं सचिव मुकुट धारी सिंह चौहान ने चिन्मय मिशन के सभी सदस्यों, सत्संग प्रेमियों एवं विद्वत जनों से उक्त कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि सीधी में चिन्मय मिशन के सत्संग का प्रारंभ 10 जुलाई 2005 को रविवासरीय सत्संग के रूप में प्रारंभ हुआ था। तत्कालीन चिन्म आश्रम प्रमुख रीवा के स्वामी प्रशांतानंद राव रणबहादुर सिंह के द्वारा यह सत्संग प्रारंभ किया गया था। तब से लेकर आज तक सतत रूप से रविवार के दिन यह सत्संग चल रहा है। इस प्रकार 20 वर्ष पूर्ण होने के कारण यह और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

जिले में औसत वर्षा 760.6 मि.मी. दर्ज

जागरण, सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 19 जुलाई को सीधी जिले में 7.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 0.0 मि.मी., चुरहट में 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 0.0 मि.मी., सिहावल में 6.0 मि.मी., बहरी में 2.4 मि.मी., मझौली में 6.0 मि.मी. और कुसमी में 40.2 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 760.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 1 जून से 19 जुलाई तक तहसील बहरी में सर्वाधिक वर्षा 876.7 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 631.5, चुरहट में 662.0, गोपद बनास में 687.8, सिहावल में 855.6, मझौली में 858.0 मि.मी. और कुसमी में 752.5 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 204.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 556.5 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

पंचायत स्तर पर सेचुरेशन शिविरों का हो रहा आयोजन

जागरण, सीधी। वित्त मंत्रालय भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग के निर्देशानुसार सीधी जिले की समस्त 400 ग्राम पंचायतों में वित्तीय समावेशन दिनांक 1 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक बैंकों के द्वारा विशेष सेचुरेशन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत दिनांक 17 जुलाई 2025 को सीधी जिला के कुसमी जनपद के गैवता, मझौली जनपद के नेबूहा, रामपुर नैकिन जनपद के खैरा, सीधी जनपद के धनखोरी एवं सतनरा पवाई और सिहावल जनपद के खुटेली ग्राम पंचायतों मे शिविर का आयोजन किया गया।

शहर से लगे गांवों के भूमियों की बढ़ी मांग

हल्का पटवारियों के संरक्षण में चल रहा यह करोबार

नगर पालिका क्षेत्र में शामिल होने वाले हैं 23 गांव

जागरण, सीधी

नगर पालिका परिषद सीधी में शामिल होने वाले 23 गांवों की भूमियों की खरीदी का कार्य काफी तेजी से बढ़ गया है। शहर के समीपी गांवों में इन दिनो भू-माफियाओं का जाल तेजी से फैल रहा है। कुछ माह पूर्व नगर पालिका क्षेत्र के विस्तार के बाद इन कार्यो में काफी तेजी देखने को मिल रही है। इन कार्यो में शहर के आसपास के पटवारियों की भूमिका संदिग्ध बनी हुई है। बता दें कि शहर को विस्तृत करने आसपास की ग्राम पंचायतों को नगर पालिका क्षेत्र में शामिल कराने का गजट नोटिफिकेशन जारी होने के बाद से भू-माफिया सक्रिय होकर औने-पौने दामों में जमीन की खरीदी-बिक्री की जाने लगी है। इसके पूर्व भी रिंगरोड के नाम पर जमकर जमीनी की खरीदी व बिक्री करने का खेल खेला गया था। इन पूरे मामले में संबंधित पटवारियों की भूमिका भी संदिग्ध बनी हुई है। सूत्रों द्वारा बताया गया कि कई पटवारी भी इन अवैध प्लाटिंग के खेल में शामिल हो रहे है। इसका खुलाशा भी विगत वर्ष गोपदबनास के तत्कालीन तहसीलदार सौरभ मिश्रा ने किया था। जहां कई ग्राम पंचायतों का फर्जी नक्शा एक निजी कम्प्यूटर की दुकान में मिला था। जिस पर तहसीलदार द्वारा दुकान संचालक के ऊपर कार्रवाई करने पत्र भी जारी किया है। ऐसे में स्पष्ट है कि सांठ-गांठ के चलते ही दुकान संचालक के पास गांवों का नक्शा पहुंचा था। वहीं यह भी बताया गया कि पटवारियों द्वारा स्वयं जमीन अपने रिस्तेदारों के नाम पर खरीद कर प्लांटिग कर रहे है और यह अफवाह भी उड़ी थी कि पटवारियों द्वारा रिंग रोड का निकलने का लालच देकर किसानों से जमीन औने-पौने दाम में खरीद ली गई है। बताया गया कि कलेक्ट्रेट के पीछे कई रजिस्ट्री की दुकानें संचालित हो रही हैं उनमें कई दुकानें पटवारियों द्वारा संचालित कराई जा रही है। पटवारियों द्वारा जमीन के कागजात तैयार कराकर आनन-फानन में खरीदी बिक्री का खेल खेला जा रहा है। अगर किसानों द्वारा इनके दुकानों से रजिस्ट्री नही करवाई जाती तो उनको काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उक्त सभी कार्य बड़े अधिकारियों के नाक के नीचे खेले जा रहे है इनकी जानकारी भी इन अधिकारियों को भी है लेकिन किसी भी प्रकार की कार्रवाई न करना बड़े सवाल को जन्म दे रहा है। जमीन के खरीदी-बिक्री में शामिल पटवारियों के खिलाफ शिकायतें तो की जाती है बावजूद इसके किसी भी प्रकार की कार्रवाई इन पर नही की जाती है। कई पटवारियों के खिलाफ शिकायतों का अंबार लगा हुआ है लेकिन कार्रवाई करने से परहेज किया जाता है। जिससे थक-हारकर किसान लोकायुक्त पुलिस की शरण में जाने को मजबूर हो जाता है। वहीं जानकारों का कहना है कि सीधी शहर एवं आसपास के हल्कों में लंबे समय से पदस्थ कुछ पटवारियों द्वारा जमीनों की बिक्री एवं खरीदी में काफी दखल दिया जा रहा है। उनके इशारे पर जमीनों की बिक्री काफी तेजी के साथ हो रही है। हल्का पटवारी संबंधित भू-स्वामियों से बात करने के बाद उनकी जमीन एकमुश्त बिक्री करानें में भी पूरा सहयोग कर रहे हैं। इससे उनको भी लंबा कमीशन मिल रहा है। लाखों की रजिस्ट्री होने के बाद हल्का पटवारियों को भी एकमुश्त सुविधा शुल्क मिल रहा है। इसी वजह से इस काम से जुड़े हल्का पटवारी किसी भी कीमत में यहां से जाना नहीं चाहते। हल्का पटवारियों द्वारा एक ही क्षेत्र में लंबे समय तक जमे रहने के लिए राजनैतिक दबावों का सहारा भी लिया जा रहा है।

पांच डिसमिल रकवे की बिक्री में तेजी

शहर के आसपास के ग्रामों में प्लाटिंग कर भू-खंडों की बिक्री करने वाले ढाई सौ रुपए से 300 प्रति वर्ग फीट की दर से बिक्री कर रहे थे। वहीं रिंग रोड़ के सर्वे के पश्चात सड़क से 1 किलोमीटर अंदर स्थित खेतों में बनाए गए भूखंड 300 सौ से 400 प्रति वर्ग फुट की दर से बेचे जा रहे हैं। मुआवजा पाने के चक्कर में 2 ढिसमिल से 5 ढिसमिल रकवे के प्लाटों की बिक्री में तेजी आई है। वहीं नगर पालिका परिषद सीधी में शामिल होने वाले 23 गांवों की जमीनों की मांग भी काफी तेजी से बढ़ गई है। लोग शहरी क्षेत्र में शामिल होने वाले गांवों में प्राथमिकता के साथ जमीनों की खरीदी कर रहे हैं। दरअसल उक्त सभी गांवों में इससे पूर्व डिसमिल में जमीनें बिक रही थी। अब वर्गफीट में बिक्री की जा रही है। सड़कों से लगी भूमि की मांग सबसे ज्यादा है। लोग सड़क के किनारे ही प्लॉट खरीदने के लिए रजिस्ट्री करा रहे हैं। तत्संबंध में रजिस्ट्री कार्यालय से जुड़े सूत्रों का कहना है कि विगत दो वर्षों में सीधी शहर के आसपास के गांवों की भूमि सबसे ज्यादा बिक रही है। जिनके पास जमीन है वह पैसे के लिए बेंच रहे हैं। वहीं जिनके पास पैसा है वह अपनी भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जमीन की खरीदी प्राथमिकता के साथ कर रहे हैं।

कलेक्टर के निर्देश पर सड़कों से गौवंश हटाने की कार्रवाई लगातार जारी

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार के निर्देश का जिम्मेदारीपूर्वक अनुपालन किया जा रहा है। जिले के मुख्य मार्गों व बाजारों में आवागमन के रास्तों पर भटकते पशुओं को पकड़कर सुरक्षित रूप से गौशाला विस्थापित किया जा रहा है। जिला कलेक्टर द्वारा विगत दिवस अधिकारियों को निर्देशित किया गया था कि पन्ना जिले के समस्त मुख्य मार्गों से पशुओं को प्रमुखता से हटाया जाए एवं सुरक्षित रूप से उन्हें निकटतम गौशालाओं, गौ संरक्षण केन्द्रों आदि में विस्थापित किया जाए। जिसके अनुपालन में जिले के मुख्य मार्गों, चौराहों, बाजारों से आवारा एवं घुमक्कड़ पशुओं को पकड़कर गौशालाओं में भेजा जा रहा है। नगर पालिका परिषद पन्ना द्वारा शनिवार को शहर की सड़कों पर हांका लगवाकर लगभग 100 गौवंश को गौशाला भिजवाया गया। इस क्रम में पहाड़ीखेरा मार्ग से भी बड़ी संख्या में गौवंश के विस्थापन की कार्रवाई की गई। इसके अलावा अजयगढ़ एवं गुनौर क्षेत्र सहित अन्य स्थानों पर भी गौवंश को सुरक्षित आश्रय स्थल भेजा गया।

कंधों पर ढोया विकास, सड़क के बिना 'कैद' पिपरिया तिवारी की दलित बस्ती

पवई । आज़ादी को 77 साल हो गए, लेकिन पन्ना जिले की पवई जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत हथकुरी के पिपरिया तिवारी गांव की दलित बस्ती के 200 लोग अब भी आज़ादी का असली स्वाद नहीं चख पाए। सड़क के बिना यह बस्ती हर बरसात में बाहरी दुनिया से कटकर मानो 'काला पानी' की सजा भुगतने को मजबूर हो जाती है। चार महीने तक बरसात में हालात ऐसे रहते हैं कि अगर कोई बीमार पड़ जाए, तो परिजन कंधों या डोली पर लादकर अस्पताल ले जाते हैं। हाल ही में 65 वर्षीय हक्की बाई को इसी तरह डोली पर अस्पताल पहुंचाना पड़ा। गांव की सुमित्रा वंशकार की आंखों में आज भी आंसू हैं— मेरे पति की जान सिर्फ इसलिए चली गई क्योंकि सड़क न होने से उन्हें वक्त पर अस्पताल नहीं ले जा पाए। स्कूल जाने वाले एक दर्जन बच्चे इन महीनों में पढ़ाई से वंचित हो जाते हैं, और गर्भवती महिलाओं के लिए यह रास्ता जानलेवा बन जाता है। दशाइयां अहिरवार और कल्ला अहिरवार बताते हैं, हमने कई बार प्रशासन से गुहार लगाई, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला। सड़क आज तक सपना बनी हुई है। जब यह मामला जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तक पहुंचा, तो उन्होंने कहा, बरसात में वैकल्पिक इंतजाम किए जाएंगे, और वर्षा उपरांत सड़क निर्माण का प्रस्ताव जिला पंचायत में भेजा जाएगा। लेकिन ग्रामीणों का सवाल अब भी वही है ङ्क विकास कब उनकी बस्ती तक पहुंचेगा? क्या उन्हें आने वाले बरसात में भी कंधों पर 'विकास' ढोना पड़ेगा?

नशा मुक्ति जागरुकता अभियान व यातायात नियमों के प्रति आमजन को किया गया जागरूक

पन्ना। प्रदेश स्तर पर मध्य प्रदेश पुलिस द्वरा "नशे से दूरी है जरूरी जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है । संचालित नशा मुक्ति जागरूकता अभियान अतंर्गत पुलिस अधीक्षक पन्ना साई कृष्णा एस थोटा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती वंदना सिंह चौहान व अनुविभागीय अधिकारी एस.पी.सिंह बघेल के निर्देशन में थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक श्रीमती नीलम लक्षकार व यातायात पुलिस स्टाफ के द्वारा बस स्टैण्ड , डायमण्ड चौराहा , पन्ना छतरपुर बाईपास मार्ग पर पोस्टर / बैनर , पम्पलेट वितरण कर आमजन मानस को नशा दूरी बनाने व नशा न करने की समझाईश नशा न करने शपथ दिलाई गई। साथ ही बताया गया कि तेजगति गति से वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन चालन, ब्रेकिंग डिस्टेन्स न रखना, गलत तरीके से ओवरटेक करना, बिना हेलमेट, बिना सीटबेल्ट वाहन चलाना, मोबाइल पर बात करते वाहन चलाना, ओवरलोडिंग वाहन एवं खराब सड़के रोड एक्सीडेन्ट के लिए जिम्मेदार है, इनसे बचने के लिए यातायात नियमों का पालन कर निर्धारित गति में वाहन चालन, हेलमेट, सीटबेल्ट जैसे इक्युमेण्ट का उपयोग करना चाहिए । तथा राहगीर योजना (ऋड्डद्ध-ङ्कद्दह्ल) सें संबंधित बिस्तृत जानकारी दी । उन्होंने बताया कि राहवीर योजना के तहत वाहन दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को गोल्डन आवर में नजदीकी अस्पताल, ट्रामा सेंटर पहुंचाकर मदद करने वाले व्यक्तियों को सड़क परिवहन एवं राज मार्ग मंत्रालय द्वारा 25 हजार रुपए नगद राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिए जाने के प्रावधान है ।

सीएम हेल्पलाइन 181 से हुआ निराकरण, पांच वर्ष से जा रही थी दूसरे के खाते में राशि

पन्ना । जिले की अजयगढ़ जनपद अंतर्गत ग्राम शाहपुरा की अति निशक्त बच्ची अंशिका खरे वर्तमान में 7वीं कक्षा में पढ़ती है। सरकार की योजना है कि ऐसे बच्चों को परिवहन भत्ता के रूप में वर्ष में आठ हजार की राशि मिलती है उक्त राशि अन्य दूसरे के खाता में जा रही थी जिसको लेकर अंशिका 5 वर्ष से परेशान थी उसने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत लगाई जिसका निराकरण एक सप्ताह के अंदर हुआ तथा उसे 24000 की राशि खाता में प्राप्त हो गई अंशिका के पिता ने 10 दिन पूर्व मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में सहायता मांगी और आज दिनांक 19जून को। राशि मिल गई है ज्ञात होगी अंशिका के खाता की राशि पन्ना नगरपालिका स्थित बेनीसागर मोहल्ले के वार्ड 12 के पूरन लाल कुशवाहा तनय श्रवण कुशवाहा के खाते में जा रही थी आज अंशिका और उसका परिवार खुश है, अब यह राशि लगातार अंशिका के पिता के खाते में आएगी।

शाहनगर थाना क्षेत्र में अवैध शराब का भण्डारण करने वाले 01 व्यक्ति को किया गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से 54 लीटर अवैध शराब कीमती करीब 27000 हजार रूपये की जप्त

पन्ना । पुलिस अधीक्षक पन्ना साईं कृष्णा एस.थोटा द्वारा जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को अवैध शराब का निर्माण, परिवहन, भण्डारण एवं विक्रय करने वाले व्यक्तियो के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था । इसी तारतम्य में थाना शाहनगर में 01 व्यक्ति के विरूद्ध अपराध कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया । वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशानुसार थाना प्रभारी शाहनगर उनि मनोज यादव द्वारा अपने थाना क्षेत्र में गठित पुलिस टीम के साथ मिलकर मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया । जिसके फलस्वरुप दिनांक 18/07/2025 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति ग्राम खमतरा में चाय पान की टपरिया में बिक्री हेतु भारी मात्रा में अवैध शराब रखे हुये है । थाना प्रभारी शाहनगर द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियो को मुखबिर सूचना से अवगत काराया जाकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के निर्देशानुसार थाना प्रभारी शाहनगर द्वारा पुलिस टीम के साथ मुखबिर सूचना की तस्दीक हेतु मुखबिर के बताये स्थान पर पहुँचकर देखा गया, जो मुखबिर के बताये अनुसार ग्राम खमतरा पटपरी आम रोड पर एक व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर भागने लगा । पुलिस टीम द्वारा तत्परता पूर्वक घेराबंदी कर उक्त व्यक्ति को पुलिस अभिरक्षा मे लेकर उसका नाम पता पूछा गया जिसके द्वारा अपना नाम पता पुलिस टीम को बताया गया । पुलिस टीम द्वारा उक्त व्यक्ति के पान टपरा की तलाशी ली गई जिसमें खाखी रंग के 06 कार्टून(पेटी) रखे थे। जिनको खोल कर चेक किये जाने पर उसमें 54 लीटर अवैध देशी शराब कीमती करीब 27000 हजार रूपये की रखी होना पाया गया। पुलिस टीम द्वारा उक्त अवैध शराब को जप्त किया जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया । मामले में आरोपी के विरूद्ध थाना शाहनगर में अपराध क्रमांक 235/25 धारा 34(2) आव. एक्ट कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया । आरोपी- राजेश कुमार राय निवासी खमतरा थाना शाहनगर जिला पन्ना ।जप्त सामग्री पुलिस टीम द्वारा आरोपी के कब्जे से खाखी रंग के 06 कार्टून(पेटी) में कुल 54 लीटर अवैध देशी शराब कीमती करीब 27000 हजार रूपये की जप्त की गई है । उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी शाहनगर उपनिरीक्षक मनोज कुमार यादव , सउनि. लखनलाल प्यासी, प्रधान आर. मनोज त्रिपाठी, आरक्षक सोहन एवं महिला आरक्षक दीक्षा का सराहनीय योगदान रहा । पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा उक्त पुलिस टीम को पुरस्कृत की जाने की घोषणा की गई है ।

जिले में 34 शिक्षकों का संशोधित तबादला आदेश जारी, शासकीय शिक्षक संगठन ने जताया आभार

जागरण डिंडोरी। जिले में शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर बीते दिनों उपजे विवाद और मांगों के बीच जनजातीय कार्य विभाग डिंडौरी ने संशोधित स्थानांतरण आदेश जारी कर दिए हैं। यह आदेश क्रमांक 805, दिनांक 18 जुलाई 2025 को कार्यालय कलेक्टर (जनजातीय कार्य विभाग) डिंडौरी द्वारा जारी किया गया।इस संशोधित आदेश के तहत कुल 34 शिक्षकों-जिनमें प्राथमिक, माध्यमिक, सहायक शिक्षक और उच्च माध्यमिक शिक्षक शामिल हैं-का तबादला किया गया है। इन्हें डिंडौरी, मेहंदवानी, समनापुर और अमरपुर विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों में पदस्थ किया गया है। सभी शिक्षकों को नवीन संस्थाओं में तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षक संगठन ने पत्र लिखकर किया था संशोधन की मांग : शासकीय शिक्षक संगठन ने हाल ही में युक्तिकरण आदेश में सुधार, विशेष रूप से पति-पत्नी समायोजन और गंभीर बीमारी से ग्रसित शिक्षकों को राहत देने की मांग को लेकर कलेक्टर नेहा मारव्या को पत्र सौंपा था। मांगों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने राजेन्द्र जाटव (सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग) के माध्यम से प्रस्तावों की समीक्षा करवाई और आवश्यकतानुसार संशोधन के निर्देश दिए।

हत्या के सजायाब पैरोल से फरार 07 वर्ष पुराने प्रकरण के आरोपी स्थायी वारंटी को किया गिरफ्तार

पन्ना । पुलिस अधीक्षक पन्ना साई कृष्ण थोटा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती वंदना सिंह एवं एसडीओपी पन्ना एस.पी. सिंह बघेल के मार्गदर्शन में पन्ना जिले के समस्त थाना प्रभारियों का न्ययालय से पुराने एवं जघन्य अपराधो मे जारी स्थायी वारंटो को प्राथमिकता से तामील करने हेतु निर्देशित किया गया है इसी तारतम्य में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रोहित मिश्रा ने थाना स्तर पर स्थायी वारंटो को अधिक से अधिक तामील किये जाने हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया है न्यायालय पन्ना के प्रकरण क्रमांक 37/15 धारा 302,394, 201 ताहि0 मे पैरोल से फरार चल रहे आरोपी शेख फारूख पिता शेख लियाकत मुसलमान निवासी शेखन की बगिया छतरपुर थाना कोतवाली छतरपुर जिला छतरपुर की सूचना प्राप्त हुयी कि छतरपुर मे लुक छिपकर रह रहा है जिसे थाना प्रभारी कोतवाली पन्ना द्वारा पुलिस टीम को रवाना कर स्थायी वारंटी की धरपकड हेतु बताया गया पुलिस टीम द्वारा दिनांक 19.07.25 की रात्रि में स्थायी वारंटी शेख फारूख को नया मोहल्ला छतरपुर थाना कोतवाली छतरपुर जिला छतरपुर से गिरफ्तार किया एवं 07 वर्ष से आरोपी को प्रकरण में सजा होने पर पैरोल प्राप्त होने पर पैरोल पर बाहर आने से फरार होने के प्रकरण में न्यायालय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश पन्ना द्वारा स्थायी वारंट जारी होने से आरोपी को न्यायालय दिनांक 19.07.2025 को पेश किया गया जहाँ से न्यायालय द्वारा स्थायी वारंटी को जेल भेजा गया है। उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रोहित मिश्रा, सउनि रामकृष्ण पाण्डेय, प्र.आर. बृषकेतू रावत, आईमात सेन, खेमचन्द्र राय, आर. दिलीप शर्मा, म.प्र.आर. मीना अहिरवार, आर. सत्यनारायण अग्निहोत्री, बृजगोपाल बागरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

सीआईएसएफ द्वारा ओलंपिक में जीते रिकॉर्ड पदकों में डीएमपी एनएमडीसी मझगवां में तैनात सुरक्षा जवानों की रही महत्वपूर्ण भूमिका

पन्ना । भारत सरकार की खेलो भारत नीति के अनुरूप एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (ष्टढ्ढस्injगस्न) देश में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और उनका समर्थन करने के लिए लगातार प्रयासरत है।

वर्ष 2024-25 के दौरान, ष्टढ्ढस्स्न के एथलीटों ने 159 पदक जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया जो बल के इतिहास में अब तक सर्वाधिक पदक संख्या है। ये पदक अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और अखिल भारतीय पुलिस खेल आयोजनों में शानदार प्रदर्शन का परिणाम हैं। हाल ही में अमेरिका के बर्मिंघम में संपन्न हुए विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल 2025 में, ष्टढ्ढस्स्न के एथलीटों ने रिकॉर्ड 66 पदक जीते हैं, जिससे राष्ट्रीय पदक तालिका में महत्वपूर्ण योगदान मिला है। उनकी अभूतपूर्व उपलब्धि को मान्यता देने के लिए, महानिदेशक सीआईएसएफ ने सीआईएसएफ मुख्यालय, लोधी रोड, नई दिल्ली में उन्हें सम्मानित किया। रिकॉर्ड प्रदर्शन में यह उछाल कई प्रमुख पहलों के कारण है, जिनमें खेल निधि में छह गुना वृद्धि (6 करोड़ रुपये तक), प्रति वर्ष 300 दिनों का विशेष आहार भत्ता (200 दिनों से अधिक), शिविरों और प्रतियोगिताओं के दौरान एथलीटों के लिए यात्रा और महंगाई भत्ते (टीए/डीए) में वृद्धि की है।, नए जिम और अत्याधुनिक सुविधाओं की स्थापना, वार्षिक टूर्नामेंट कैलेंडर जारी करना, चोट प्रबंधन के लिए सुविधाएं, आदि शामिल हैं। पहली बार मुख्यालय में खेल गतिविधियों की दैनिक निगरानी के लिए सहायक महानिरीक्षक स्तर के अधिकारी को तैनात किया गया है। पहली बार एक पूर्ण पर्वतारोहण दल का भी गठन किया जा रहा है, जो वर्ष 2026 में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई अभियान शुरू करेगा।

बल ने अपना अब तक का सबसे बड़ा खेल भर्ती अभियान भी शुरू किया है, जिसके माध्यम से 433 होनहार खेल प्रतिभाओं की भर्ती की जानी है, जिनमें 229 महिलाएं शामिल होंगी। यह चयन प्रक्रिया 7 जुलाई 2025 को शुरू हुआ है और 29 जुलाई 2025 तक देश भर के 14 चयन केंद्रों पर जारी रहेगा। इसके माध्यम से लॉन टेनिस, बैडमिंटन, कराटे, साइकिलिंग, तीरंदाजी, तलवारबाजी, कयाकिंग, रोइंग, वुशु, पेनकैक सिलाट जैसे खेलों में 13 नई टीमें बनाई जाएंगी। इस पहल को 12,868 आवेदकों की भारी प्रतिक्रिया मिली है। इनमें 350 अंतर्राष्ट्रीय और 3968 राष्ट्रीय पदक विजेता शामिल हैं। इस अभियान ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्रों और पूर्वोत्तर राज्यों सहित देश के सभी कोनों से प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए प्रयासरत हैं। यह सीआईएसएफ के समावेशी दृष्टिकोण और जमीनी स्तर तक पहुँच पर केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

ओलंपिक पोडियम को ध्यान में रखते हुए, युवा, प्रतिभाशाली और होनहार खिलाड़ियों को %उच्च प्रदर्शन एथलीट% के रूप में पहचाना जाएगा जो पोडियम स्तर पर पहुँच सकें। इन एथलीटों को विदेशों में प्रशिक्षण शिविरों के लिए प्रायोजित किया जायेगा । इसके अलावा, विशेषज्ञ प्रशिक्षकों, फिजियोथेरेपिस्ट, आहार विशेषज्ञों और शक्ति एवं कंडीशनिंग प्रशिक्षकों सहित सहायक कर्मचारियों का एक समर्पित समूह उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उपलब्ध रहेगा। इन प्रयासों के माध्यम से, संगठन देश के सभी बलों और राज्यों में अग्रणी बनने और खेल उत्कृष्टता का अग्रदूत बनने का लक्ष्य रखता है।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

वनग्रामों में वनाधिकार पत्र वितरण एवं समस्याओं के निराकरण हेतु कलेक्टर व डीएफओ ने की चौपाल

जागरण डिंडोरी। वनग्रामों में वनाधिकार पत्र वितरण एवं समस्याओं के निराकरण हेतु कलेक्टर व डीएफओ ने की चौपाल आयोजित। जिला प्रशासन एवं वन विभाग के द्वारा वन ग्रामों में पात्र हितग्राहियों को वनाधिकार पत्र/ सुधार हेतु लगाए गए शिविर राजस्व विभाग, वन विभाग द्वारा वनग्रामों में वनाधिकार पत्र देने हेतु आज शनिवार को कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या और डीएफओ श्री प्रनीत सोनकर ने वि.ख. करंजिया के वनग्राम, खम्हार खुदरा, वनग्राम उधौर झिरिया बेहरा, वनग्राम पाण्डपुर के सामुदायिक भवन में ग्राम के लोगों की चौपाल लगाकर वनग्राम के पात्र हितग्राहियों अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों से वनाधिकार पत्र दिलाने एवं संशोधन कार्य हेतु चौपाल का आयोजन किया गया। वनग्रामों में बैगा समुदाय की वरिष्ठ महिलाओं ने चोपाल के दौरान कलेक्टर श्री मती नेहा मारव्या और डीएफओ को परंपरागत फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। जहां पर 65 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 37 हितग्राही पात्र पाये गये। ग्राम स्तरीय समिति, पटवारी, बीटगार्ड, सचिव नियमानुसार परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों को वनाधिकार पत्र देने हेतु आगामी कार्यवाही की जायेगी। वही पर गांव के लोगो ने बरसात में बिजली, पानी और पहुंच मार्ग की समस्या रखी। जिस पर संबंधित अधिकारियों को तुरंत निराकरण करने के निर्देश दिए। ग्राम पाण्डपुर से लीम्हादादर, गांगवाई, चकरार से ठाठपथरा पंहुच मार्ग निर्माण हेतु पीएमजेएसवाई को पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही साथ सीईओ जनपद करंजिया को घाट कटिंग का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार वनग्राम उधौर में कलेक्टर श्री मती मारव्या एवं वन मंडल अधिकारी श्री पुनीत सोनकर ने गांव के लोगो से चौपाल लगाकर गांव की समस्या, वन अधिकार पट्टे की जानकारी ली जहां पर वनअधिकार पत्र हेतु 85 आवेदन प्राप्त हुए जिसे कलेक्टर ने सचिव, कोटवार, बीटगार्ड को नियमानुसार कार्यवाही करते हुए पात्र हितग्राही को एक सप्ताह के अंदर पूर्ण कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

वर चाहिए

कायस्थ (श्रीवास्तव) 28 वर्ष, 5î 1î, B.Tech (chemical) BPCL में कार्यरत, 18 LPA, कन्या के लिए सुयोग्य वर चाहिए। सजातीय/सर्व सामान्य जाति स्वीकार्य- 7974504918

महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय
चित्रकूट जिला-सतना (म.प्र.) 485334
NAAC 'A++' & UGC Category-I University
प्रवेश सूचना 2025-26

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत म.प्र.जनअभियान परिषद के सहयोग से दूरवर्ती माध्यम से संचालित समाज कार्य में परास्नातक एवं स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऑनलाइन माध्यम से रू.100/- पंजीकरण शुल्क के साथ 31 अगस्त, 2025 तक आवेदन करें।

पाठ्यक्रम	शुल्क	न्यूनतम अर्हता
BSW सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत् विकास अवधि- तीन वर्ष	रु. 4500/-	किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड/ मंडल/ परिषद् या समकक्ष संस्थान से 10+2 (इण्टरमीडिएट)
MSW सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत् विकास अवधि- दो वर्ष	रु. 6500/-	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी.एस.डब्ल्यू./स्नातक

विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें-
Website-WWW.cmcldp.mpjapmis.org
Mob-07670-265622, 8269004041

कुलसचिव

"ISO 9001-2015 certified College"
शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय निपनिया रीवा (म.प्र.)
Govt. Autonomous Ayurved College & Hospital, Nipaniya Rewa (M.P.)
Tel- No. 07662-299160 Email-govtayucollegerewa@gmail.com
Website-www.gacrewa.com

क्रमांक/स्व./2025/3346 रीवा, दिनांक 19.07.2025

डी- फार्मा आयुर्वेद (दो वर्षीय), डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रवेश हेतु सूचना
(वर्ष शिक्षण सत्र- 2024-2025)

शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, निपनिया रीवा (म.प्र.) के अंतर्गत मध्यप्रदेश सह-चिकित्सीय परिषद् भोपाल म.प्र. से मान्य दो वर्षीय प्रमाण-पत्र डी-फार्मा आयुर्वेद (दो वर्षीय) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सत्र 2024-2025 प्रवेश हेतु आवेदन पत्र "प्राचार्य स्वशासी शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय निपनिया रीवा, म.प्र." के नाम से आमंत्रित किए जाते है। इच्छुक उम्मीदवार महाविद्यालय में उपस्थित होकर दिनांक 21.07.2025 से 26.07.2025 कार्यालयीन समय तक प्रवेश फार्म प्राप्त कर जमा कर सकते हैं। एवं उसके पश्चात चयनित छात्रो की काउंसलिंग दिनांक 28.07.2025 को समय प्रात: 10 बजे से महाविद्यालय में नियत की गई है।

प्रवेश योग्यता- हायर सेकेण्ड्री जीव विज्ञान / बायोलॉजी ग्रुप 10+2 उत्तीर्ण

अनारक्षित एवं ओ.बी.सी. वर्ग के लिए न्यूनतम 40 एवं आरक्षित वर्ग के लिए न्यूनत्तम 33 अंक होना अनिवार्य होगा ।

आवेदन पत्र एवं विवरणिका शुल्क अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए रू. 350/- तथा अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिये 200/- रू. में फार्म प्राप्त होंगे जिन अभर्थी का काउंसलिंग में चयन होगा उन्हे पूरी फीस रुपये 62910/- तत्काल जमा करनी होगी तभी प्रवेश दिया जाएगा एस.सी. एस.टी. एवं ओ.बी.सी. छात्रों को नियमानुसार शासन की योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। अन्य जानकारी हेतु महाविद्यालय में 8827507440 पर संपर्क करें ।

(डॉ. दीपक कुलश्रेष्ठ)
प्राचार्य
शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय,रीवा म.प्र.

पांच दिवसीय रजा स्मृति - 2025 का हुआ शुभारंभ

रजा कला वीथिका में चित्रकारी करने पहुंच रहे कला के शौकीन

जागरण, मंडला । शनिवार को विश्व प्रसिद्ध चित्रकार सैयद हैदर रज़ा की स्मृति में रज़ा फाउण्डेशन नई दिल्ली द्वारा पांच दिवसीय रज़ा स्मृति – 2025 का शुभारंभ किया गया।रज़ा कला वीथिका में पांच दिवसीय रज़ा स्मृति का शुभारम्भ नगर पालिका परिषद मंडला के अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला अधिवक्ता संघ मंडला के अध्यक्ष अधिवक्ता रामेश्वर झारिया, जिला कांग्रेस कमेटी मंडला के अध्यक्ष अधिवक्ता राकेश तिवारी, सांसद प्रतिनिधि अधिवक्ता जयदत्त झा, किंगफिशर मल्टीप्लेक्स के संचालक अधिवक्ता मनोज फागवानी, अधिमान्य पत्रकार संघ मंडला के अध्यक्ष राजेश शाहू की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित का रज़ा स्मृति – 2025 का शुभारंभ किया गया। इस दौरान वरिष्ठ चित्रकार श्री अखिलेश द्वारा रज़ा स्मृति के विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई।

इस दौरान अतिथियों द्वारा रज़ा कला वीथिका का भ्रमण कर चित्रकारी कर रहे कलाकारों के कार्यों का अवलोकन किया गया। इस दौरान अतिथियों द्वारा छाते में चित्रकारी करने वालों को छाते वितरित किए गए। मिट्टी के चाक में हो रहे कार्य का भी अतिथियों के जायजा लिया।इस दौरान नगर पालिका परिषद मंडला के अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने कहा कि रज़ा फाउण्डेशन द्वारा लगातार कला के क्षेत्र में लगातार कार्य किया जा रहा है। इससे मंडला नगर में कला को लेकर अच्छा माहौल तैयार हो रहा है। जिला अधिवक्ता संघ मंडला के अध्यक्ष अधिवक्ता रामेश्वर झारिया ने कहा कि रज़ा उत्सव के दौरान बच्चों को पेंटिंग करते देख सुखद अनुभूति होती है। बच्चों को इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपनी कला में और निखार लाना चाहिए। जिला कांग्रेस कमेटी मंडला के अध्यक्ष अधिवक्ता राकेश तिवारी ने कहा कि रज़ा फाउंडेशन के कार्यक्रमों के द्वारा मंडला में कला के क्षेत्र में उल्लेखीनय कार्य हो रहे है। रज़ा स्मृति – 2025 चित्रकला, काव्य पाठ, भारतीय शास्त्रीय संगीत व नृत्य का अनोखा समागम है। इससे कला को लेकर एक नई चेतना पैदा होगी।सांसद प्रतिनिधि अधिवक्ता जयदत्त झा ने कहा कि मुझे पिछले कई वर्षों से रज़ा फाउंडेशन के कार्य नज़दीक से देखने का मौका मिला है। इसके द्वारा पत्थरों को तराश कर मूर्ति निर्माण, टेराकोटा वर्कशॉप, स्क्रैप वर्कशॉप जैसे कार्यों के जरिये लगातार कलाकारों को प्रोत्साहित करने का सरहानीय कार्य किया जा रहा। इससे मंडला के युवा कलाकारों को काफी कुछ सीखने का मौका मिल रहा है। किंगफिशर मल्टीप्लेक्स के संचालक अधिवक्ता मनोज फागवानी ने कहा कि रज़ा फॉउण्डेशन दवरा रज़ा स्मृति व रज़ा उत्सव के साथ – साथ ग्रीष्मकालीन शिविर के जरिए चित्रकारी, शास्त्रीय नृत्य व संगीत की क्लासेस लगाई जाती है हम उम्मीद करते है कि इसी तरह के कार्यक्रम लगातार आयोजित होते रहेंगे। 19 से 23 जुलाई 2025 तक रज़ा कला वीथिका, मण्डला में मंडला व पाटनगढ़ के गोंड कलाकार रामकुमार श्याम, सुनील श्याम, फुलचन्द धुर्वे ,विजय उईके, किशन उईके, संतोष श्याम, अनुज तेकाम टामशीराम परस्ते, संजय पंचेश्वर, राधेश्याम खैरवार गोंड चित्रकारी करंगे। रज़ा समृति में नागपुर कॉलेज ऑफ़ आर्ट के कलाकार चित्रकारी कर रहे है। इसमें संजना पाडोले, साहिल गोरबड़े, हर्षल बर्डे, सुमित धोरे, तनु चौहान, श्रावणी शेरम, राहुल बोरकर, वैभव अटलकर, संपदा पांडे और खुशी मर्जीवे शामिल है। बता दे ये छात्र नागपुर के उसे कॉलेज के छात्र है जिसमे सैयद हैदर रज़ा ने कला की पढाई की थी। रज़ा स्मृति की सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत 20 जुलाई 2025 की शाम 7–15 से शुरू होगी।

जन सहयोग से राम वन पथगमन सीतामढ़ी धाम को मिलेगा भव्य स्वरूप : सांसद

सांसद एवं विधायक ने विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमि पूजन और लोकार्पण

जागरण, गोहपारू । क्षेत्र से लगे जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम गंधिया में सांसद संसदीय क्षेत्र सीधी डॉ. राजेश मिश्र एवं ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक शरद कोल ने सीतामढ़ी राम पथ गमन को भव्य स्वरूप देने हेतु लोक परिसंपति प्रबंधन के तहत 25 लाख रुपए से निर्मित होने वाले भवन निर्माण कार्य एवं 15.78 लाख रुपए की लागत से पेयजल व्यवस्था और सोलर पैनल की स्थापना हेतु भूमिपूजन किया।

राम वन पथगमन सीतामढ़ी धाम में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि राम वन पथ गमन सीतामढ़ी धाम पवित्र और अति महत्वपूर्ण स्थान है। यहां त्रेतायुग में भगवान श्री राम बनवास के दौरान विश्राम किया था, यह सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि अयोध्या, बनारस, काशी,उज्जैन आदि धामों को जन सहयोग से ही भव्य स्वरूप बनाया गया है। जिले के राम वन पथगमन सीतामढ़ी धाम को भी जन सहयोग से भव्य स्वरूप बनाने का कार्य किया जाए। सरकार विकास के साथ विरासत को भी संरक्षित करने के कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विज्ञान के इस युग में भी हमारा समाज अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है और अध्यात्म के महत्व को समझता है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शरद कोल ने कहा कि राम वन पथगमन सीतामढ़ी धाम के विकसित होने से शहडोल जिले को एक नई पहचान मिलेगी। यह धाम गांव के नागरिकों के आस्था का प्रतीक है। उहोंने कहा कि श्रीराम जी के अवशेषों को संरक्षित किया जाएगा, जो अन्य जिलों, प्रदेशों से आने वाले श्रृद्धालुओं के लिए के लिए आस्था का केन्द्र होगा। उन्होंने कहा कि हमें पुरानी संस्कृतियों और परंपराओं को नहीं भूलना चाहिए। हमें आधुनिक युग एवं प्राचीन युग दोनों का समन्वय बनाकर विकास का मॉडल अपनाना होगा । कार्यकम को पूर्व अध्यक्ष महिला वित्त विकास निगम अमिता चपरा, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत जयसिंहनगर रक्षा सिंह ने भी संबोधित किया। सांसद एवं विधायक ने ग्राम पंचायत गंधिया के आंगनवाड़ी भवन में 22 लाख रुपए की लागत से बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य एवं 19 लाख रुपए की लागत से प्राथमिक शाला मीठी में बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत प्रभा मिश्रा, अध्यक्ष जनपद पंचायत जयसिंहनगर मालती सिंह, अनु विभागीय अधिकारी राजस्व प्रगति वर्मा, सीईओ जनपद पंचायत शिवानी जैन,जनपद सदस्य मार्गेंद्र सिंह, ग्राम पंचायत सरपंच नीलकली कंवर सहित अन्य जन प्रतिनिधि, अधिकारी व ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडे ने किया।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान अंतर्गत मनेरी में ऑटो चालकों को दी गई समझाइश

जागरण, मंडला । पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक चलने वाले **'नशे से दूरी है जरूरी'** विशेष जन–जागरूकता अभियान के तहत शनिवार को चौकी मनेरी द्वारा मनेरी अंतर्गत मुख्य बाजार से निकलने वाले ऑटो चालकों को रोककर नशे से दूर रहने की समझाइश दी गई। सभी आटो चालकों को पोस्टर प्रदान किये गए। जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्राम के लोगों को इकट्ठा कर नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने एवं नशा मुक्ति का अपने घर व समाज में प्रचार प्रसार करने हेतु प्रेरित किया गया । लोगों को नशे से होने वाले स्वास्थ्य, सामाजिक परिवर्तनों एवं कानूनी दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया नशा मुक्ति केंद्र के संबंध में जानकारी साझा की, नशे से दूर रहकर व्यक्तिगत विकास व उत्थान के संबंध में समझाईश दी गई। इस दौरान प्रधान आरक्षक 156 अरविंद सिंह, सैनिक 133 योगेश पटेल उपस्थित रहे।

गल्ला व्यापारी के घर लाखों की चोरी

बमीठा । कस्बे के विद्युत पॉवर हाउस के पास गुरुवार देर रात अज्ञात चोरों ने एक गल्ला व्यापारी के घर में चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। सोने-चांदी के जेवर और नकदी चुराकर चोर फरार हो गए। छोटे लाल तिवारी निवासी बमीठा ने बताया कि रात में वे कमरे का ताला लगाकर अपनी माता को लघुशंका के लिए ले गए और उनके पास ही सो गए। चोर पड़ोस के मकान की छत से चढ़कर गोमटी के रास्ते घर में घुसे। उन्होंने सभी कमरों और मोहल्ले के अन्य मकानों की कुंडी बाहर से बंद कर दी। जेवर और 2 लाख 20 हजार रुपये नकद वाले कमरे का ताला काटकर चोरी की और पीछे के दरवाजे से फरार हो गए। घटना रात 2 से 3 बजे के बीच की है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी और अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई।

कोतवाली में बीट एवं माइक्रोबीट प्रभारियों की बैठक आयोजित, नए प्रभारियों को दिया गया प्रशिक्षण

जागरण, छतरपुर । मध्यप्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने एवं आमजन से सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्रों को बीट एवं माइक्रोबीट में विभाजित किया गया है। इसके तहत प्रत्येक बीट पर नियुक्त प्रभारी क्षेत्र की जानकारी एकत्र कर अपराध नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।इसी क्रम में आज थाना कोतवाली परिसर में थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह दांगी द्वारा बीट एवं माइक्रोबीट प्रभारियों की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक में हाल ही में स्थानांतरित होकर आए नए बीट प्रभारियों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इस दौरान बीट/माइक्रोबीट पुस्तिका में संकलित जानकारियों की समीक्षा की गई तथा क्षेत्र की पूर्व एवं वर्तमान स्थिति पर चर्चा हुई। बैठक में सभी प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने–अपने क्षेत्र में निरंतर भ्रमण करें, स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित करें। क्षेत्र में जुआ, अवैध शराब, मादक पदार्थों की गतिविधियों की जानकारी एकत्र करें,गुंडा, निगरानी, सूचीबद्ध अपराधियों पर सतत निगरानी रखें,क्षेत्र के भौगोलिक विवरण, प्रमुख जनप्रतिनिधि, कर्मचारी एवं प्रभावशाली व्यक्तियों की जानकारी संकलित करें,विवादग्रस्त क्षेत्र, अपराधिक ठिकानों, मेले–त्योहारों, डेरा डालने एवं घुमक्कड़ लोगों की गतिविधियों एवं क्षेत्र में चल रहे पुराने विवादों एवं विवाद का कारण की जानकारी नियमित रूप से बीट पुस्तिका में अद्यतन करें थाना प्रभारी द्वारा स्पष्ट किया गया कि इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य थाना स्तर पर जनसंपर्क को सशक्त बनाना एवं अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। बीट और माइक्रोबीट प्रणाली से पुलिस का क्षेत्र पर नियंत्रण और सूचना तंत्र अधिक मजबूत होगा।

मुक्तिधाम में लगे पेवर ब्लॉक उखड़े, गुणवत्ता पर उठे सवाल

हरपालपुर । नगर परिषद द्वारा छह माह पूर्व लाखों रुपये की लागत से किए गए मुक्तिधाम सौंदर्यीकरण कार्य की बारिश में पोल खुल गई। दरअसल यहां पेवर ब्लॉक उखड़ गए और चबूतरे के टीन शेड भी टूट गए, जिससे अंतिम संस्कार के लिए आने वालों को भारी परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद और ठेकेदारों पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि कार्य में मानकों का उल्लंघन किया गया और गुणवत्ता की अनदेखी की गई। गुरुवार को अंतिम संस्कार करने पहुंचे लोगों ने देखा कि बारिश के पानी से पेवर ब्लॉक धंस गए हैं और टीन शेड भी उखड़ चुके हैं, जिससे चिता जलाने में दिक्कत हो रही है। लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यह अंतिम संस्कार की जगह है, कम से कम यहां तो गुणवत्तापूर्ण कार्य होना चाहिए था। बारिश के दौरान शेड के चद्दर टूट जाने से चिता अधजली रह जाने का डर रहता है और लोगों का वहां बैठना भी मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद से जल्द मरम्मत कराने और उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

फूलवाही के ग्रामीणों ने बसनिया बांध के सर्वे को रोका

जागरण, मंडला । मंडला नर्मदा नदी पर प्रस्तावित बसनिया (ओढारी) बांध को लेकर सर्वे टीम कल ग्राम फूलवाही विकास खंड मेंहदवानी पहुंचा था।ग्राम फुलवाही में सर्वे कार्य के लिय प्रशासनिक अमला भारी दलबल के साथ पहुंचा था, जिसमें नायब तहसीलदार एवं राजस्व निरीक्षक मेंहदवानी, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अधिकारी, शहपुरा थाना प्रभारी एवं बिछिया चौंकी प्रभारी और पुलिस बल शामिल था। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच पूरा दिन नोक झोंक चलता रहा। ग्रामीणों ने कहा कि किसी भी शर्त में हम अपनी जमीन नहीं देना चाहते और ना ही सर्वे करवाना चाहते हैं। सरिता बाई कुंजाम और गिरजा बाई कुंजाम ने सर्वे करने आए अधिकारियों से कहा कि पांचवीं अनुसूची के क्षेत्रों में ग्राम सभा की अनुमति के वगैर आप गांव में आ नहीं सकते हैं। उपस्थित महिलाओं ने सर्वे करने आए अधिकारियों से कहा कि पांचवीं अनुसूची के क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण के लिए ग्राम सभा की सहमति आवश्यक है।अंत में शासन प्रशासन के लोगों को वापस लौटना पड़ा। मंडला के बसनिया बांध से प्रभावित गांवों में भी सर्वे वालों का गांव में प्रवेश वर्जित किया हुआ है।ज्ञात हो कि बसनिया (ओढारी) बांध से डिंडोरी जिले का 13 गांव और मंडला जिले का 18 गांव का विस्थापन होना है। जिससे 2735 परिवारों की 2443 हेक्टेयर निजी भूमि,2107 हेक्टेयर वन भूमि और 1793 हेक्टेयर शासकीय भूमि डूब में आएगी। विभिन्न प्रभावित ग्राम सभाओं ने बसनिया बहुउद्देशीय परीयोजना के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है। अभी तक इस बहुदेशीय परियोजना का पर्यावरणीय प्रभाव आकलन रिपोर्ट नहीं आया है और न ही पर्यावरणीय मंजूरी मिला है। विगत दिनों डिंडोरी कलेक्टर द्वारा धारा 19 का प्रकाशन कराया गया है, जिसमें यह दर्शाया गया है कि गांव के किन किसानों की कितनी जमीन का अधिग्रहण होना है। ग्रामीणों का कहना है कि जब हमलोगों ने जमीन देने की सहमति नहीं दिया है तो इस तरह की एकतरफा कार्यवाही का क्या औचित्य है?

इस सर्वे के समय ग्रामीणों की ओर से मेंहदवानी के जनपद अध्यक्ष राम प्रसाद तेकाम,कनहेरी ग्राम पंचायत के सरपंच फुलचंद पुर्राम, पुटरई के उप–सरपंच हरीचंद बरकडे़, रूढ़ि प्रथा एवं पारम्परिक ग्राम सभा के संचालक मनोहर सिंह मरकाम,समाज सेवी घनश्याम मरकाम, प्रमोद कुंजाम,देव सिंह पन्द्राम, तुलसी बाई उईके आदि उपस्थित थे।

रामजानकी कुंड में बढ़ा हादसे का खतरा

छतरपुर । शहर की हनुमान टौरिया के पीछे पठापुर रोड पर पूर्व कलेक्टर और पूर्व सीएमओ का ड्रीम प्रोजेक्ट रामजानकी कुंड इन दिनों तेज बारिश के बीच हादसों को आमंत्रण दे रहा है। अधूरा निर्माण और लावारिस हालत के कारण यह कुंड हादसे का सबब बन सकता है। दरअसल लगातार बारिश से कुंड में पानी भर गया है, जिससे गहरा गड्ढा बन गया है, जो किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहा है। विकास के नाम पर शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट राजनेतिक खींचतान और उदासीनता की भेंट चढ़ गया। दानदाताओं ने भी आर्थिक सहयोग बंद कर दिया, जिससे विकास कार्य ठप हो गए। न तो जनप्रतिनिधि इसकी सुध ले रहे हैं और न ही जिला प्रशासन की इसमें रुचि दिख रही है। बारिश ने कुंड की बदहाल स्थिति को और उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है ताकि संभावित हादसों को रोका जा सके।

नशा मुक्ति अभियान के तहत रैली, नुक्कड़ नाटक और जन जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

जागरण,, डिंडोरी । नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत डिंडौरी जिले में आज विभिन्न स्थानों पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडौरी से पारंपरिक आदिवासी वाद्य यंत्र गुदुम बाजा के साथ नशा मुक्ति रैली निकाली गई, जिसमें विद्यालय के छात्र–छात्राओं के साथ दिव्य ज्योति सोशल डेवलपमेंट सेंटर के काउंसलर श्री बच्चुनाथ चौहान, श्रीमती ऋतु सेन, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक श्री दुर्गा प्रसाद नगपुरे, थाना प्रभारी यातायात आरआई श्री सुभाष उईके, रक्षित निरीक्षक प्रभारी श्री कुंवर सिंह एवं पुलिस बल उपस्थित रहे। रैली के साथ–साथ नुक्कड़ नाटक का मंचन कर नशे के दुष्परिणामों , आर्थिक, सामाजिक और मानसिक प्रभाव, के संबंध में जागरूकता दी गई तथा आमजन से नशे के विरुद्ध सहयोग की अपील की गई।इसी क्रम में जिले के अन्य थाना क्षेत्रों में भी अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए —थाना मेहंदवानी- ग्राम गुझियारी के साप्ताहिक बाजार में 40–50 ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव की जानकारी दी गई।

थाना बजाग : ग्राम तांतर, कांदावानी और धुरकुटा में ग्रामीणों को नशा त्यागने एवं नशा मुक्त समाज बनाने की शपथ दिलाई गई।
चौकी विक्रमपुर : नागरिकों को नशे से होने वाले स्वास्थ्य और सामाजिक नुकसान के बारे में बताया गया।
थाना गाडासरई : ऑटो चालकों को नशे की हालत में वाहन न चलाने और नशे से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई। थाना समनापुर (ग्राम भालू चूहा)- स्कूली छात्रों एवं ग्रामीणों को नशा मुक्त गांव बनाए रखने के उपायों की जानकारी दी गई। थाना शहपुरा (शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रयपुरा)- छात्रों एवं शिक्षकों को नशा न करने की सलाह दी गई और जागरूकता दिलाई गई। जिलेभर में चलाए गए इन कार्यक्रमों का उद्देश्य नशे के दुष्परिणामों से लोगों को अवगत कराना और समाज में नशा मुक्त वातावरण स्थापित करने के लिए जनसहयोग को प्रोत्साहित करना है।

एनआरआई ने कहा- मुझे से जान से मारने के प्रयास किया जा रहा है

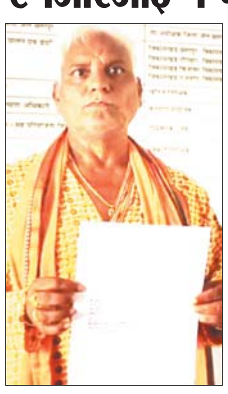

दो माह से न्याय की गुहार लगा रहा पीड़ित कार्रवाई की मांग

जागरण, छतरपुर । ओरछा रोड थाना क्षेत्र के गौरगांव में जर्मनी से आए एनआरआई ने अपने ही तीन सगे भाइयों पर पैतृक कृषि जमीन पर कब्जा करने और जान से मारने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। पीड़ित एनआरआई दो माह से न्याय के लिए भटक रहा है। एनआरआई सुरेश पुत्र स्व. बाबूलाल रिछारिया ने बताया कि गौरगांय में मेडिकल कॉलेज के पास उनकी 30 एकड़ बेशकीमती पैतृक जमीन है, जो पांच भाइयों में बंटी है। उनके भाई बृजेश रिछारिया, वीरेंद्र रिछारिया, और रावेंद्र रिछारिया ने छह माह पूर्व उनकी जमीन पर जबरन कब्जा करने और जान से मारने का प्रयास किया था, जिसे आपसी सहमति से सुलझा लिया गया था। लेकिन अब तीनों भाइयों ने फिर से गाली-गलौज और जान से मारने की कोशिश की है। सुरेश के मुताबिक उन्हें और उनके परिवार को जान का खतरा है। उन्होंने इसकी शिकायत कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और ओरछा रोड थाने में की लेकिन दो माह बीतने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। सुरेश ने मांग की कि सभी भाइयों को उनकी हिस्से की जमीन दी जाए ताकि विवाद खत्म हो।

शिक्षा सुविधा बदहाल, छात्रों की जिंदगी से खिलवाड़

जागरण, बड़ामलहरा । क्षेत्र के शासकीय प्राथमिक स्कूल बमनकोला में बदहाल शिक्षा सुविधाएं सरकार के दावों की पोल खोल रही हैं। किराए के एक छोटे से कमरे और दहलान में कक्षा 1 से 5 तक के 51 नन्हें–मुन्ने बच्चे पढ़ने को मजबूर हैं। बच्चे तंग कमरे में भरा हुआ गैस सिलेंडर, चूल्हा, अलमारी, पलंग, पेटी और अन्य सामान के बीच एक कोने में सिमटकर पढ़ाई करते हैं। स्कूल तक पहुंचने के लिए कीचड़ भरे रास्ते से गुजरना पड़ता है, जिससे बच्चों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। बमनकोला के शासकीय स्कूल का भवन जर्जर होने के कारण प्रशासन की निगरानी में गिरा दिया गया था। इसके बाद कोई नया भवन नहीं बनाया गया, और बच्चों को किराए के इस असुरक्षित कमरे में पढ़ने के लिए छोड़ दिया गया है। प्राथमिक शिक्षक, बमनकोला ने बताया कि सीमित संसाधनों में बच्चों को पढ़ाना चुनौतीपूर्ण है, और जर्जर व्यवस्था के कारण शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।

नामांतरण, बंटवारा तथा अभिलेख दुरूस्ती के प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाएं : कलेक्टर

जागरण, मंडला । जिला योजना भवन में जिले के राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राजस्व के मूल कार्यों पर विशेष ध्यान दें। नामांतरण, बंटवारा तथा अभिलेख दुरूस्ती के प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाएं। अभिलेख दुरूस्ती के लम्बित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने 3 माह से ज्यादा समय से लम्बित प्रकरणों के लिए संबंधित एसडीएम को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरबीसी 6–4 के सभी प्रकरणों में 48 घंटे के भीतर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे। जिन प्रकरणों में समय सीमा में आवश्यक कार्यवाही नहीं की गई है। संबंधित प्रकरणों में तहसीलदारों पर जुर्माना लगाएं। बैठक में बंटवारा से संबंधित प्रकरणों के विषय में कलेक्टर ने कहा कि जिले के सभी राजस्व न्यायालय में बंटवारे के प्रकरण बड़ी संख्या में लम्बित हैं, इन्हें समय सीमा में निराकृत करें। इस विषय में किसी भी राजस्व न्यायालय की प्रगति 75 प्रतिशत से नीचे नहीं होना चाहिए। उन्होंने समय सीमा से बाहर वाले प्रकरणों के लिए संबंधित राजस्व अधिकारी पर प्रकरणवार जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। नारायणगंज में सीमांकन के लम्बित 20 प्रकरणों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने कहा कि टीमें बनाकर उक्त सीमांकन कार्य 3 दिवस के भीतर कराना सुनिश्चित करें। राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि वसूली का काम निरंतर रूप से करें।बैठक में अतिक्रमण, ब्रिक्स वसूली, आरसीएमएस में दर्ज प्रकरण, पीएम किसान ई–केवाईसी, सेल्फ रजिस्ट्रेशन, पीएम किसान सस्पेक्टेड हितग्राही सत्यापन, फार्मर रजिस्ट्री, सीएम डैशबोर्ड, सीपी ग्राम, सीएम/सीएस मॉनिट, पट्टा वितरण, अवैध कब्जा, अनुकम्पा पेंशन, वन्यप्राणी अनुदान प्रकरण, रास्ता विवाद, वक्फ संपत्तियों का सत्यापन, भू–अभिलेख का डिजिटाईजेशन, स्वामित्व योजना, हिट एण्ड रन, रेवेन्यू टीएल सहित अन्य विषयों पर विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, श्री जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, एसडीएम बिछिया सुश्री सोनाली देव, एसडीएम निवास शाहिद खान, एसडीएम घुघरी श्री हुनेन्द्र घोरमारे, एसडीएम नैनपुर श्री आशुतोष ठाकुर सहित सभी तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

सार्वजनिक तालाबों का किया निरीक्षण, वेस्टवेयर सुधार के दिए निर्देश

जागरण, डिंडोरी । जिले में जल संरक्षण एवं जल प्रबंधन को लेकर चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत झिलमिला और अमरपुर में निर्मित सार्वजनिक तालाबों का निरीक्षण शुक्रवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अनिल कुमार राठौर ने किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ कार्यपालन यंत्री आरईएस श्री दीपसिंह आर्मो, जनपद पंचायत के सीईओ श्री लोकेश कुमार नारनोरे, सहायक यंत्री सुश्री प्रियंका मार्डन मरावी एवं क्षेत्रीय उपयंत्री मनरेगा भी उपस्थित रहे।निरीक्षण के दौरान सीईओ श्री राठौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में इन दिनों लगातार भारी वर्षा हो रही है, ऐसे में पुराने तथा हाल ही में निर्मित सभी तालाबों की स्थिति का भौतिक निरीक्षण उपयंत्रियों के माध्यम से कराया जाए। तालाबों में पानी के अत्यधिक भराव की स्थिति में कहीं भी रिसाव या वेस्टवेयर में कोई खराबी हो तो उसे प्राथमिकता से ठीक कराया जाए, ताकि जल संरक्षण के उद्देश्य को नुकसान न पहुंचे और आसपास के ग्रामीण इलाकों में जलभराव की समस्या भी न उत्पन्न हो।श्री राठौर ने ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक एवं सचिवों को भी सक्रिय रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तालाबों में अधिक जलभराव या किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या की सूचना तत्काल उच्च अधिकारियों को दी जाए, ताकि समय रहते जरूरी मरम्मत एवं सुधार कार्य कराया जा सके। इससे न केवल जल संग्रहण की गुणवत्ता बनी रहेगी, बल्कि गांवों में सुरक्षित जल संचयन व्यवस्था भी सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर ग्रामीणों से भी संवाद कर तालाबों के रखरखाव में जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। सीईओ ने कहा कि ग्रामीणों की सतर्कता और जागरूकता से ही जल संरचनाओं का दीर्घकालीन उपयोग संभव है।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

युद्ध कौशल की तकनीकों में बढ़त लेना आज की जरूरत

ऑपरेशन सिंदूर सही मायनों में भारतीय वायु सेना की श्रेष्ठता का एक अद्भुत प्रदर्शन था। निस्संदेह, भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का पाकिस्तान को न केवल कड़ा जवाब दिया बल्कि नये दौर के युद्ध कौशल का सफल परीक्षण भी किया। लेकिन हम सिर्फ इससे आत्मसंतुष्ट होकर नहीं बैठ सकते। भारतीय सेना के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने दुनिया के मौजूदा परिदृश्य पर बिल्कुल सही कहा है कि आज का युद्ध कल की तकनीक से लड़ा जाना चाहिए, न कि बीते जमाने की हथियार प्रणालियों से। दरअसल, हर पल बदलती युद्ध कौशल की तकनीकों में बात बढ़त लेने की है। यह एक हकीकत है कि जो भी देश ऐसा करने में विफल रहेगा, निश्चित रूप से उसकी सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। उनका कहना सही ही है कि मानवरहित हवाई वाहन यानी यूएवी आमने-सामने की लड़ाई के विपरीत गैर-संपर्क युद्ध के तेजी से विकसित होते परिदृश्य में एक बदलावकारी शक्ति के रूप में उभरे हैं। ड्रोन तकनीक के लगातार विकसित होते रहने से यह एक ऐसा घातक हथियार बन चुका है, जो दुश्मन देश के प्रमुख रक्षा प्रतिष्ठानों जैसे लक्ष्यों को तुरंत पहचानकर उन पर हमला कर सकता है।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भविष्य के किसी युद्ध में पाकिस्तान के करीबी सहयोगी उसे बेहतर यूएवी की आपूर्ति करेंगे ताकि पाकिस्तान की स्थिति को बेहतर बनाया जा सके। इस खतरे के प्रति सतर्क रहते हुए भारत के लिये जरूरी हो जाता है कि हम यूएवी और मानवरहित स्वदेशी प्रणालियों के विकास पर अपना विशेष ध्यान केंद्रित करें। तभी हम आसन्न चुनौतियों का मुकाबला बेहतर ढंग से कर पाने में सक्षम हो सकेंगे।

> **हर पल बदलती युद्ध कौशल की तकनीकों में बढ़त लेना आज के समय की जरूरत है। भारत के लिये यह सुनिश्चित करना एक चुनौती है कि उसके ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियां दुश्मन के ड्रोन तकनीक से बेहतर सिद्ध हों।**

इस दिशा में भारत पूर्वी यूरोप में ड्रोन-प्रधान संघर्ष से सबक ले सकता है। जहां यूक्रेन ने सैन्य शक्ति, तोपखाने और टैंकों के मामले में रूस की बढ़त का मुकाबला करने लिये यूएवी का भरपूर इस्तेमाल किया है।

ड्रोन उत्पादन के क्षेत्र में यूक्रेन के एक महाशक्ति के रूप में उदय ने भारत को ऐसे क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रेरित किया है। भारत के लिये यह सुनिश्चित करना एक चुनौती है कि उसके ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियां दुश्मन के ड्रोन तकनीक से बेहतर सिद्ध हों। ऐसे में परंपरागत युद्ध कौशल से आगे जाकर हमें नई चुनौतियों का मुकाबला करना है। हमें न केवल अपनी सुरक्षा को सुनिश्चित करना है बल्कि ड्रोन व यूएवी तकनीक में ऐसी महारथ हासिल करनी है कि हम इनके निर्यातक के रूप में हथियार बाजार में अपनी पहचान बना सकें। निश्चित रूप से हम इससे अपनी विशाल युवा शक्ति के बूते और नई पीढ़ी के कौशल विकास से इन लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। इससे जहां हम बड़े पैमाने पर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करा सकेंगे, वहीं दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी अर्जित कर सकेंगे। हम देख रहे हैं कि दुनिया में आज उन्हीं देशों की कूटनीति का वर्चस्व है, जिनका हथियार उद्योग व तकनीकी नवाचार में बोलबाला है।

भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेश की बात एक राजनैतिक शगूफा?

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

गिरीश्वर मिश्र

> **शिक्षा नीति में भारतीयता की दिशा में बदलाव की पहल के प्रति समाज में कई तरह की प्रतिक्रियाएं मिलती हैं। पश्चिमी शिक्षा और ज्ञान को सार्वभौमिक मान रहे लोग इसे राजनैतिक शगूफा मान रहे हैं। सवाल है कि भारतीय होने का क्या अर्थ है? जो ज्ञान-परम्परा स्वतंत्र भारत में चलती रही है वह किस अर्थ में भारतीय नहीं थी या कम भारतीय थी?**

सुनने में यह कुछ अटपटी सी बात लगती है कि भारतीय शिक्षा को अब 'भारतीय' ज्ञान-परम्परा के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए पहल की जा रही है। इसे लेकर आम आदमी के मन में कई सवाल खड़े होते हैं। भारतीय होने का क्या अर्थ है ? जो ज्ञान-परम्परा स्वतंत्र भारत में चलती रही है वह किस अर्थ में भारतीय नहीं थी या कम भारतीय थी? भारतीय ज्ञान-परम्परा का स्वरूप क्या है? वह किस रूप में दूसरी ज्ञान-परम्पराओं से अलग है? इस भारतीय ज्ञान-परम्परा की विशिष्टता क्या है जो हम इसकी ओर मुड़ें? हालांकि इन प्रश्नों का उत्तर बहुत कुछ राजनीतिक पसंद और नापसंद पर निर्भर करता है पर आज के ज्ञान-युग में सामर्थ्यशाली होने के लिए इस पर विचार करना भारत के लिए किसी भी तरह से वैकल्पिक नहीं कहा जा सकता। शिक्षा भारत में हो रही है, वह भारतीय शिक्षार्थियों के लिए है और भारतीयों द्वारा ही दी जा रही है। यह लोक-रुचि और लोक-कल्याण की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। उस पर सार्वजनिक विचार होना ही चाहिए ।

शिक्षा नीति में भारतीयता की दिशा में बदलाव की पहल के प्रति समाज में कई तरह की प्रतिक्रियाएं मिलती हैं। पश्चिमी शिक्षा और ज्ञान को सार्वभौमिक मान रहे लोग इसे राजनैतिक शगूफा मान रहे हैं, कुछ इस मोड़ के प्रति तटस्थ हैं, कुछ थोड़े संभ्रम के साथ उत्सुक हैं। कुछ हैं जो वास्तविक अर्थों में इसे गंभीरता से भी ले रहे हैं पर उनकी संख्या बहुत थोड़ी है।

जो भी हो भारतीय ज्ञान-परम्परा का नीति-निर्माण की दुनिया में प्रवेश हो चुका है। नई शिक्षा नीति को लेकर देश भर में हुई लगातार हुई चर्चाओं के कई दौर चलने के बाद विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान-परम्परा के प्रति उन्मुख हो रहे हैं और आम जनों के बीच भी इसे लेकर उत्सुकता बढी है। पर शिक्षा में भारतीयता की इस सतही उपस्थिति से आगे बढ कर गम्भीर और व्यवस्थित रूप इस उपक्रम को अभी तक नहीं मिल सका है। कई लोग इसे एक नारा मान कर चल रहे हैं जब कि कुछ के लिए यह अस्मिता और भावना का प्रश्न बन गया है।

भारत के मानस का वि-उपनिवेशीकरण (डिकोलोनाइजेशन) शिक्षा में भारतीय दृष्टि की विवेकपूर्ण संगति के सिवाय कोई और मार्ग नहीं है। भारत की शिक्षा को भारतीय दृष्टि में स्थापित करने के परिणाम भारत और विश्व दोनों के ही हित में होगा।

ज्ञान-विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विस्तार के पश्चिमी माडेल का खोखलेपन दिन-प्रतिदिन उजागर हो रहा है। अविरल चलती हिंसा, जलवायु-परिवर्तन की बढ़ती मुश्किलें, तीव्र होती गलाकाट प्रतिस्पर्धा, पर्यावरण का भीषण प्रदूषण, मनुष्यता की जगह बाज़ार का बढ़ता प्रभुत्व और अब कृत्रिम मेधा के क्रांतिकारी तकनीकी परिवर्तनों की सौग़ात ज्ञान के पश्चिमी नेताओं की सोच और मानसिकता पर प्रश्नचिह्न लगा रही है। यह सारा विकास मनुष्यता के विनाश का कारण बन रहा है। भारतीय ज्ञान-परम्परा मनुष्य की क्लेशों से मुक्ति की कामना करती है परंतु यह खेद की बात यह है कि बहुतों के मन में इस ज्ञान-परम्परा की वही बेढ़ब और अस्पष्ट छवि अभी भी बरकरार है जो कभी अंग्रेज बहादुरों ने बनाई थी और जिसे करीब दो सदियों लम्बे औपनिवेशिक दौर में भारतीयों ने बहुत हद तक आत्मसात कर लिया था। इसी के चलते आज बहुत से लोग इसे स्वर्णिम अतीत की अनावश्यक स्मृति का ऐसा आग्रह या व्यामोह मानते हैं जो वर्तमान से अछूता है । हालाँकि आज की वैश्विक परिस्थितियों की सच्चाई पश्चिमी ज्ञान को लेकर निराशा ही दिखा रही है और लगातार हो रहे युद्ध से उसके बारे में बचे-खुचे भ्रम टूट बिखर रहे हैं ।

वस्तुतः यह सोच दूषित और दुराग्रहपूर्ण है कि भारतीय ज्ञान-परम्परा के प्रयोजन, परम्परा और दृष्टि संदिग्ध है। सच्ची बात यह है कि भारतीय ज्ञान-परम्परा ज्ञान-विज्ञान भी है और जीवन-दर्शन भी। यह यूरोकेंद्रित सोच-विचार का प्रभावी विकल्प प्रस्तुत करती है और वास्तविक जीवन अनुभव, आचार, नैतिकता और व्यापक सृष्टि की अवधारणाओं से जोड़ती है। भारतीय ज्ञान-परम्परा कोई काल में दफ्न वस्तु नहीं है। वह जीवित है और विकसित भी होती रही है। हां, इसके संस्थागत रूप की निरंतर उपेक्षा होती रही और हम उससे विरक्त होते गए। इसकी परिणति अतिरिक्त विशेषज्ञता के विकास में दिख रही है।

भारतीय ज्ञान-परंपरा समेकित और अंतःक्रियात्मक है। इस प्रतिमान या पैराडाइम में परस्पर अवलंबन और पूरकता है। इस परम्परा में मनुष्य को प्रकृति के दोहन-शोषण का एकाधिकार नहीं है क्योंकि मनुष्य को पर्यावरण और ब्रह्मांड में स्थापित है न कि उसका केंद्र है। ज्ञान का सामाजिक संदर्भ में स्थित होना और नैतिक मूल्यों पर टिका होना भारतीय ज्ञान परम्परा को आधुनिक विज्ञान की दृष्टि को पूर्णता तक ले जाता है।

भारतीय ज्ञान-परम्परा के विषय में संदेह और उत्साह की कमी अज्ञानता के कारण है जो सांस्कृतिक विस्मरण के साथ बढ़ता रहा है। शिक्षा नीति-2020 के प्राविधान के बाद भी औपनिवेशिक प्रभाव में पश्चिमी ज्ञान जहां सार्वभौम माना जा रहा है भारतीय ज्ञान स्थानीय मान कर हाशिए पर ही डाला जा रहा है । उसे बेतरतीब ढंग से पश्चिमी ज्ञान के मूल विषय-विस्तार में बैठा दिया जा रहा है चाहे वह संगत हो या असंगत। इस प्रसंग में यह भी भूल जाया जाता है कि भारतीय ज्ञान परम्पराएं पुरावशेष न हो कर लोक-जीवन में कई रूपों में सजीव रूप से विद्यमान हैं। पर्यावरण-संरक्षण, नैतिक आचरण, औषधीय उपाय तथा सामाजिक-सांस्कृतिक ज्ञान की सामग्री आमजनों, जन-जातियों और गावों में इतस्ततः बिखरी पड़ी हैं। जरूरी दस्तावेजीकरण, संरक्षण और प्रशिक्षण की व्यवस्था के अभाव में ये विनष्ट हो रही हैं।

भारतीय ज्ञान-परंपरा केवल अतीत की ओर नहीं देखती । वह शरीर मन और पर्यावरण के आवश्यक संतुलन पर बल देती है। भारतीय ज्ञान-परंपरा हमारे सभ्यता के उत्कर्ष का साधन बन सकती है बशर्ते हम साहस और विवेक के साथ काम करें। यह परम्परा सब किसी की है और सबके लिए है। शास्त्र का आदर आवश्यक है परंतु संस्कार, अभ्यास, आख्यान और जीवन के अनुभव कम महत्व के नहीं हैं। पाठ्यक्रम में प्राचीन ज्ञान और आधुनिक अनुप्रयोग दोनों की ही जगह होनी चाहिए।

भारत के बौद्धिक पुनर्जागरण के लिए और पश्चिमी ज्ञान के आगे जाने के लिए इनको मुख्यधारा में प्रवेश देना होगा। शिक्षा नीति तो आरंभ है बहु क्षेत्रीय निवेश से ही यह पहल टिकाऊ हो सकेगी। भारतीय ज्ञान-परम्परा पर विचार करते हुए विशाल भारत में संस्कृत के साथ ही तमिल, बौद्ध, जनजातीय और वाचिक परम्पराओं की प्राचीन श्रृंखला पर, जो युगों से चलती चली आ रही है, ध्यान देना होगा। इसे एक बौद्धिक अवसर के रूप में देखा जना चाहिए। तभी भारतीय ज्ञान-परम्परा को समाज विज्ञान, मानविकी, और जीवन विज्ञान, तकनीकी आदि के विषयों के साथ जोड़ा जा सकेगा।

पाठ्यक्रम में बिना गंभीर सुधार लाए कोई सार्थक सामाजिक- आर्थिक परिवर्तन नहीं आ सकेगा। इसके लिए सार्वजनिक और निजी निवेश के साथ गंभीर अकादमिक पहल जरूरी है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

सवालों की अनदेखी,दोष पायलटों पर मढ़ने का प्रयास

विमान दुर्घटना जांच

मार्क डी. मार्टिन

> **जिस तरह रिपोर्ट लिखी गई है, यही संकेत है कि यह विमान दुर्घटना के लिए पायलटों को दोषी ठहराने का गुप्त प्रयास है। समझ से परे है कि जब जांच के किसी ठोस नतीजे पर पहुंचने में अभी और तीन माह से लेकर एक साल तक का समय लग सकता है तो फिर बोइंग एवं इंजन बनाने वाली कंपनी जीई को क्यों संदेह के दायरे से दूर रखा जा रहा है?**

अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त एअर इंडिया के विमान की आरंभिक जांच रिपोर्ट जवाब से कहीं अधिक सवाल उठाने वाली है। अहमदाबाद से लंदन के लिए जा रही उड़ान संख्या एआइ 171 की दुर्घटना से जुड़ी यह रिपोर्ट पहली नजर में ही पूर्वाग्रह से ग्रस्त दिखती है। रिपोर्ट के आधार पर विदेशी मीडिया द्वारा किसी न किसी तरह पूरा दोष उन पायलटों पर मढ़ने का प्रयास किया जा रहा है, जो इस हादसे में मारे गए। तथ्यात्मक रूप से रिपोर्ट यही बताती है कि टेक ऑफ यानी उड़ान भरते समय इंजन बंद हो गए थे।

आमतौर पर ऐसी स्थिति में रैट-रैम एयर टरबाइन स्वाभाविक रूप से सक्रिय हो जाता है। रैट असल में एक आपातकालीन उपकरण है, जो विमान के दोनों इंजनों के बंद होने की स्थिति में आवश्यक ऊर्जा प्रदान करता है। इसमें विमान की गति से चलने वाली हवा के उपयोग से ही ऊर्जा उत्पन्न होती है। रैट फ्यूल स्विच/वाल्व को कट ऑफ करने की स्थिति में सक्रिय नहीं होता। वैसे भी पायलट इतने मूर्ख नहीं होते कि दोनों इंजनों के फेल हो जाने की स्थिति में फ्यूल को कट ऑफ कर दें। फ्यूल कट ऑफ का तर्क तभी गले उतरता है, जब अंतिम उपाय के रूप में अपनी जान बचाने के लिए पायलट इंजनों को दोबारा चालू करने का प्रयास करते हैं।

प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में चालक दल की आपसी बातचीत को लेकर रहस्य बुनने की मंशा भी बहुत चौंकाने वाली है। ऐसी परिस्थितियों में वहां इतनी शांति कैसे हो सकती है। जिस तरह रिपोर्ट लिखी गई है उसका भाव यही संकेत करता है कि यह कुछ और नहीं, बल्कि विमान दुर्घटना के लिए पायलटों को दोषी ठहराने का गुप्त प्रयास है।

इसके अलावा यह भी समझ से परे है कि जब जांच के किसी ठोस नतीजे पर पहुंचने में अभी और तीन माह से लेकर एक साल तक का समय लग सकता है तो फिर बोइंग एवं इंजन बनाने वाली कंपनी जीई को क्यों संदेह के दायरे से दूर रखा जा रहा है? फिर इस जांच रिपोर्ट को रात करीब दो बजे जारी करने का क्या तुक, जब इस दुर्घटना से सर्वाधिक प्रभावित भारत और ब्रिटेन जैसे देशों में कामकाज करीब-करीब बंद हो जाता है।

पायलट, ऑडिटर और जांचकर्ताओं के लिए किसी उड़ान के दो सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव टेक ऑफ और लैंडिंग होते हैं। इस दौरान पूरा ध्यान विमान को करीब 2000 फीट तक मैनुअली उड़ाने पर होता है, जिसके लिए हाथ से ही सभी उपकरणों को चलाना पड़ता है। उसके बाद ही विमान आटो-पायलट की अवस्था में आ सकता है। थ्रस्ट सेटिंग भी मैनुअल होती है और इस कवायद में पूरा फोकस विमान से जुड़ी अहम नियंत्रक प्रणालियों पर होता है।

चूंकि यह रिपोर्ट एक व्यापक परिचालन वाले बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान से जुड़ी है तो पूरी दुनिया के लिए उसके गहरे निहितार्थ हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि फ्यूल वाल्व-स्विच कट ऑफ यानी निष्क्रिय कर दिए गए थे। इसके दूर-दूर तक कोई आसार नहीं दिखते कि कोई भी पायलट विशेष रूप से टेक ऑफ के दौरान और जब उसे सबसे अधिक थ्रस्ट की जरूरत होगी, तब वह फ्यूल स्विच से कोई छेड़छाड़ करेगा। इस दौरान अमूमन काकपिट के फ्रंट पैनल में लगे लैंडिंग गीयर उठाने या फ्लैप्स उठाने पर जोर रहता है। ऐसे में अगर फ्यूल वाल्व-स्विच को कट ऑफ स्थिति में ले जाने के लिए वापस मोड़ने की वजह बताई जाए तो यह गहन जांच का विषय है।

फ्यूल वाल्व/स्विच पर संकेतक होता है कि इसमें विसंगति हो सकती है। अमेरिका के संघीय विमानन प्रशासन-एफएए ने यह माना भी है। एफएए ने 2018 में वायु परिवहन के मोर्चे पर एक चेताने वाले बुलेटिन में कहा था कि कुछ ऐसे मामले में सामने आए हैं, जिनमें फ्यूल स्विच अपने आप ही कट ऑफ स्थिति में चला गया। इनमें जापान और यूरोपीय विमानन सेवाओं से जुड़े मामलों का संदर्भ भी था। मेरे विचार में अगर स्विच में कोई खराबी थी तो यही दुर्घटना का सबसे संभावित कारण हो सकता है। ऐसे में एनटीएसबी, एफएए, ईएएसए के अलावा एएआइबी जैसी एजेंसियों को यह जांचने-परखने की जरूरत है कि फ्यूल स्विच क्यों कट ऑफ अवस्था में चले गए, क्योंकि कोई पायलट ऐसी मूर्खता नहीं करेगा कि उड़ान के जिस पड़ाव पर उसे सबसे अधिक ऊर्जा की जरूरत हो तो वह उसके स्रोत को ही बंद कर दे। उचित होगा कि हम समग्र एवं व्यापक जांच रिपोर्ट के सामने आने की प्रतीक्षा करें। एआइ 171 उड़ान हादसे से जुड़ी आरंभिक रिपोर्ट पर गौर करें तो यदि फ्यूल कट ऑफ स्विच अपने आप ही हरकत में आ गए तो यह उन तमाम विमानन कंपनियों के लिए सतर्कता बढ़ाने का समय है, जो ड्रीमलाइनर 787 विमानों से परिचालन कर रही हैं। बोइंग 787 ड्रीमलाइनर व्यापक डिजिटल एवं साफ्टवेयर प्रणाली पर संचालित विमान है, जिसे निरंतर रूप से सिस्टम अपडेट एवं सिक्योरिटी पैच की भी आवश्यकता होती है। अगर फ्यूल स्विच कट ऑफ हो गए तो इसके पीछे के कारण को तलाशना होगा। स्वाभाविक तौर पर इसमें तमाम जटिलताएं आएंगी, लेकिन सभी जांच एजेंसियों को कोई कोर-कसर शेष नहीं रखनी चाहिए। इस जांच के दायरे में उन अन्य अनेक कंपनियों और नियामकों को भी जोड़ना चाहिए, जो 787 विमानों के परिचालन से जुड़े हैं।

(लेखक विमानन विशेषज्ञ एवं मार्टिन कंसल्टिंग के सीईओ हैं)

प्रसंगवश

आतंकवाद के वित्त पोषक देशों पर सख्ती जरूरी

> **पाकिस्तान दोहरे मापदंड अपना कर एक तरफ खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताता है। दूसरी ओर अपनी जमीन पर आतंकियों की फौज भी तैयार कर रहे हैं। इन तथ्यों का आकलन एससीओ की बैठकों में पाकिस्तान के रुख से किया जा सकता है।**

आतंकवाद अब पूरी दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बन गया है। इसे जड़ से खत्म करने के लिए सामूहिक प्रयास के दावे तो बहुत किए जाते हैं, लेकिन धरातल पर ऐसा कुछ होता नजर नहीं आ रहा है। इसका कारण है कुछ देशों की कथनी और करनी में अंतर, जो कई अवसरों और मंचों पर साफ नजर आता है। इस मामले में भारत की नीति और नीयत पूरी तरह स्पष्ट है कि आतंक को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, पाकिस्तान जैसे मुल्क दोहरे मापदंड अपना कर एक तरफ खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताते हैं, दूसरी ओर अपनी जमीन पर आतंकियों की फौज भी तैयार कर रहे हैं। इन तथ्यों का आकलन शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की हालिया बैठकों में आतंक के मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान के रुख से किया जा सकता है। चीन के तियानजिन में बीते मंगलवार को हुई एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दो टूक कहा कि इस समूह को आतंकवाद से निपटने के अपने स्थापना उद्देश्य पर कायम रहना चाहिए। भारत आतंकवाद के खात्मे के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस दिशा में सामूहिक प्रयासों को मजबूत करने के लिए नए विचारों और प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख अपना रहा है।

भारत कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के इन खतरनाक इरादों को बेनकाब कर चुका है

एससीओ की स्थापना के मूल उद्देश्य में आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ से निपटने के मुद्दे भी शामिल थे। हालांकि, इस संगठन में शामिल पाकिस्तान और चीन की दखल से इन मुद्दों को हाशिये पर धकेलने का प्रयास किया जाता रहा है।

इसके पीछे नापाक मंसूबे छिपे हुए हैं, जो आतंकियों का वित्त पोषण कर उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल करने से प्रेरित हैं। भारत कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के इन खतरनाक इरादों को बेनकाब कर चुका है। हालांकि पाकिस्तान हमेशा इससे इनकार करता आया है।

एससीओ सम्मेलन में भी उसने पहलगाम आतंकी हमले में अपनी भूमिका नहीं कबूली। जबकि, कंधार विमान अपहरण से लेकर मुंबई हमले, संसद पर हमला तथा उरी, पठानकोट और पहलगाम हमले में उसका हाथ होने की बात साक्ष्यों के साथ जाहिर हो चुकी है। वैश्विक आतंकवाद वित्त पोषण निगरानी संस्था एफएटीएफ की हालिया रपट में भी इस बात का उल्लेख किया गया है कि पहलगाम आतंकी हमला बिना वित्त पोषण के संभव नहीं था।

इससे पहले जून में हुए एससीओ के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का हवाला देते हुए कहा था कि कुछ देश अपनी नीतियों में सीमापार आतंकवाद को एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं और आतंकियों को पनाह दे रहे हैं।

इससे पाकिस्तान और चीन के मंसूबों का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। अगर ये देश वास्तव में आतंकवाद को खत्म करने की इच्छा रखते हैं, तो संयुक्त घोषणा-पत्र में पहलगाम हमले की निंदा करने से गुरेज क्यों किया गया?

दोराय नहीं कि ऐसे दोहरे मापदंड को खत्म करना बेहद जरूरी है और एससीओ जैसे मंच को ऐसी ताकतों की खुलेआम आलोचना करनी चाहिए। अब जरूरी है कि आतंकवाद के वित्त पोषकों और प्रायोजकों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए ईमानदारी से प्रयास किए जाएं।

।।गीता।।

श्लोक

कस्माच्च ते न नमेरन्महात्मन्‌
गरीयसे ब्रह्मणोऽप्यादिकर्त्रे।
अनन्त देवेश जगन्निवास त्वमक्षरं सदसत्तत्परं यत्‌॥

भावार्थ

हे महात्मन! ब्रह्मा के भी आदिकर्ता और सबसे बड़े आपके लिए वे कैसे नमस्कार न करें क्योंकि हे अनन्त! हे देवेश! हे जगन्निवास! जो उनसे परे अक्षर अर्थात सच्चिदानन्दन ब्रह्म है, वह आप ही हैं।

जीवन दर्शन

अनुभवों को कृतज्ञता व संभावनाओं की नजर से देखें

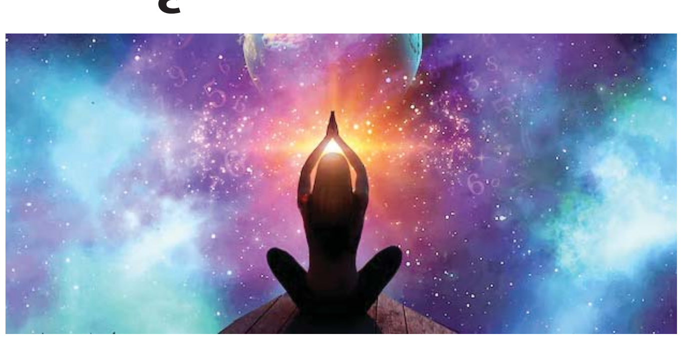

यदि जीवन को समस्याओं और अभावों की भाषा में देखेंगे, तो मन उनमें ही उलझ जाएगा। अगर हम अपने अनुभवों को आश्चर्य, कृतज्ञता और संभावनाओं की नजर से देखें, तो जीवन एक नई रोशनी में चमक उठेगा। जीवन का अर्थ क्या है? जीवन का अर्थ उन घटनाओं या तथ्यों में नहीं है, जो हमारे साथ घटित होते हैं, बल्कि उस दृष्टिकोण में है, जिससे हम उन घटनाओं को देखते हैं और उनका अर्थ निकालते हैं। जीवन कोई पहेली नहीं है, जिसे सुलझाया जाना है, बल्कि यह एक यात्रा है, जिसे पूरी तरह से अपनाना है, यह एक अनुभव है, जिसे जीना है। जीवन का अर्थ उसमें छिपा है, जो पल हम अपने लिए बनाते हैं। इस दुनिया में, यह सूरज, यह हवा, यह पल, इनका होना ही अपने आप में एक चमत्कार है। अर्थ उस क्षण में है, जब हम दुनिया को केवल एक ढांचे के रूप में नहीं, बल्कि एक जीवंत रहस्य के रूप में देखते हैं। एक व्यक्ति, जो अपने जीवन को एक चुनौती के रूप में देखता है, वह जीवन के संदर्भ को एक संघर्ष के रूप में व्याख्यायित कर सकता है। इसका मतलब है कि हमारे जीवन की गुणवत्ता इस बात पर निर्भर करती है कि हम अपने अनुभवों को कैसे समझते हैं और उनसे क्या अर्थ निकालते हैं। जीवन का अर्थ खोजना कोई बाहरी यात्रा नहीं है। अगर हम अपने जीवन को केवल समस्याओं और अभावों की भाषा में देखेंगे, तो हमारा मन भी उसी में उलझ जाएगा। हम अपने अनुभवों को आश्चर्य, कृतज्ञता और संभावनाओं की नजर से देखते हैं, तो हमारा जीवन एक नई रोशनी में चमक उठेगा। अपनी भाषा सावधानी से चुनें, क्योंकि यह आपके जीवन का अर्थ बनाती है। जीवन का समाधान उस जीवन में है, जो सही ढंग से जिया जाता है। इसका मतलब है कि अर्थ कोई सिद्धांत या जवाब नहीं, बल्कि वह तरीका है, जिसमें हम अपने हर दिन को जीते हैं। जब हम दूसरों के प्रति दया दिखाते हैं, जब हम अपने दुखों को साहस के साथ गले लगाते हैं, जब हम छोटी-छोटी खुशियों में आनंद ढूंढते हैं, तब हम जीवन का अर्थ जी रहे होते हैं।

-लुडविग विट्गेन्स्टाइन

संक्षिप्त खबरें

एनएसयूआई में फेरबदल अंकित और साहिल प्रभारी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश एनएसयूआई (एनएसयूआई) संगठन में बड़ा फेरबदल हुआ है। कांग्रेस की

स्टूडेंट विंग एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने राजस्थान के महावीर गुर्जर और रितु बराला की जगह दिल्ली के अंकित डेढ़ा और हरियाणा के साहिल शर्मा को नए प्रभारी के रूप में नियुक्त किया है। ये दोनों ही फिलहाल एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए एनएसयूआई मध्यप्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने शुक्रवार को बताया कि प्रदेश के निवर्तमान प्रभारी रहे महावीर गुर्जर एवं रितु बराला के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में संगठन ने कई आंदोलन किए। परमार ने कहा कि अब राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा अंकित डेढ़ा और साहिल शर्मा को मध्यप्रदेश एनएसयूआई का नया प्रभारी बनाए जाने के बाद संगठन अधिक मजबूती के साथ छात्र-छात्राओं की आवाज बनेगा और एनएसयूआई के साथ-साथ कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगा।

वन परिक्षेत्र सरदारपुर में छह मोर मृत पाए गए

विसं भोपाल। धार जिले के वन परिक्षेत्र सरदारपुर की सब रेंज बदनावर बीट राजौद अंतर्गत ग्राम आनंदखेड़ी के राजस्व क्षेत्र में कोटेश्वर नदी के किनारे 6 मोर मृत पाये गये। वन मण्डलाधिकारी धार अशोक कुमार सोलंकी ने बताया कि मोर की मृत्यु की सूचना प्राप्त होने पर परिक्षेत्र अधिकारी सरदारपुर द्वारा मौका पर जाकर जाँच की गयी। जाँच में मौके पर पंचनामा तैयार कर वैधानिक कार्रवाई कर वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया। शासकीय पशु चिकित्सा अधिकारी धार द्वारा मृत पक्षी मोर के शवों का परीक्षण किया गया। परीक्षण रिपोर्ट आने पर वस्तु-स्थिति प्राप्त होगी। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष नियमानुसार दाह-संस्कार की कार्यवाही की गयी।

पंचनामा बनाकर प्रकरण दर्ज किया

22 आदिवासी क्षेत्रों में भील प्रदेश की मांग बनी खतरे की घंटी

भारत आदिवासी पार्टी ने मध्यप्रदेश की सीमा से लगे 40 जिलों को मिलाकर नया भील प्रदेश बनाने की उठाई मांग, भाजपा-कांग्रेस के लिए बन सकती है चुनौती

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश की राजनीति में भील प्रदेश का नया मुद्दा सत्ता पर बैठी भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के लिए सिर दर्द बन सकता है। मध्यप्रदेश की सीमा से लगे 40 जिलों को मिलाकर नया भील प्रदेश बनाने की मांग ने जोर पकड़ा है। इसमें सूबे के 10 जिले भी शामिल हैं। यह सभी जिले आदिवासी बाहुल्य हैं, जहां लोगों की संस्कृति, भाषा, बोली और परंपरा के आधार पर नया प्रदेश बनाने की मांग मुखर होने लगी है। गौरतलब है कि राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के 40 से ज्यादा जिलों को मिलाकर एक नए राज्य की मांग की जा रही है। इसके लिए दक्षिण राजस्थान में भारत आदिवासी पार्टी (बाप) की अगुवाई में इसके लिए पहल की जा रही है। इसी दल से मध्यप्रदेश के सैलाना से विधायक कमलेश डोडियार भी हैं, जो इस मांग को लेकर मध्यप्रदेश के एक दर्जन से ज्यादा आदिवासी बाहुल्य जिलों में संपर्क बना रहे हैं। पिछले दिनों सैलाना में इस मांग को लेकर आदिवासियों द्वारा प्रदर्शन भी किया गया। बताया गया है कि इस नए राज्य की मांग में जिन 40 जिलों को जोड़ने की बात कही जा रही है, उनमें मध्यप्रदेश के नीमच, रतलाम, मंदसौर, झाबुआ, बुरहानपुर, धार, खंडवा, खरगोन, बड़वानी और अलीराजपुर जिले बताए जा रहे हैं। इसके लिए बाप द्वारा एक नक्शा भी जारी किया गया है, जिसमें प्रदेश के संबंधित जिले भी मांग वाले भील प्रदेश के हिस्से में दिखाए जा रहे हैं। जानकारों की मानें तो इंदौर जिले के महू, उज्जैन जिले के बड़नगर के आदिवासी लोग भी भील प्रदेश में शामिल होने की बात कह रहे हैं।

नक्शे में भील प्रदेश से जुड़े सीमावर्ती जिले।

निकलेगी भील प्रदेश संदेश यात्रा

जानकारों की मानें तो इसके लिए रणनीति के तहत मुहिम शुरू की गई है। संबंधित राज्यों में चयनित जिलों में बाप द्वारा भील प्रदेश संदेश यात्रा निकाली जाएगी। मध्यप्रदेश में भी सभी 10 जिलों में यह यात्रा निकलेगी,जिसमें आदिवासियों को यह बताने की कोशिश की जाएगी कि आखिर उनके लिए भील प्रदेश क्यों जरूरी है।

सोशल मीडिया में जारी हुआ नक्शा

नए राज्य की मुहिम राजस्थान से निर्वाचित सांसद राजकुमार रोत चला रहे है। जिनके द्वारा पिछले दिनों सोशल मीडिया पर नक्शा साझा किया है। रोत का कहना है कि समाज सुधारक गोविंद गुरु की अगुआई में भील प्रदेश की मांग करते हुए मानगढ़ में 1500 से अधिक आदिवासियों ने शहादत दी थी। 17 जुलाई को हुई उस घटना की याद में हर साल मानगढ़ में बड़ी संख्या में भील समुदाय के लोग जुटते हैं।

क्यों हो रही है मांग

जानकारों का कहना है कि भील भारत की एक प्रमुख जनजाति है जो मुख्य रूप से पश्चिमी और मध्य भारत में पाई जाती है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में इनकी अच्छी आबादी है। लेकिन जिन 40 जिलों की बात हो रही है, वह भौगोलिक दृष्टि से एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

प्रदेश में है एसटी की 47 सीट

मध्यप्रदेश में जनजाति वर्ग के लिए 47 विधानसभा क्षेत्र आरक्षित हैं। इनमें से शहडोल, डिंडौरी, मंडला सहित अन्य आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में पहले से ही गोंडवाना प्रदेश बनाने की मांग की जा रही है, जबकि राज्य के 9 जिले में आने वाली 22 विधानसभा सीटों को भील स्टेट में शामिल करने के लिए बाप की मुहिम चला रही है।

अगले 10 साल का टारगेट: डोडियार

प्रदेश में भारत आदिवासी पार्टी के इकलौते विधायक कमलेश डोडियार का कहना है कि हम फिलहाल अपने आदिवासी वर्ग के बीच चेतना ला रहे हैं कि आखिर भील प्रदेश क्यों जरूरी है। इस विषय को उनके द्वारा पहले भी मध्यप्रदेश विधानसभा के सदन में उठाया गया। इस मानसून सत्र में भी उनके द्वारा फिर से इस विषय को सदन में रखा जाएगा। डोडियार ने कहा कि हम अपनी मुहिम को पूरा करने के लिए 10 साल का टारगेट लेकर काम कर रहे हैं और इसके लिए लगातार काम करते आ रहे हैं।

प्रदेश की ब्यूरोक्रैसी में सुचिता लाने की जरूरत : उमा भारती

उमा ने दिए चुनाव लड़ने के संकेत

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने चुनावी राजनीति में सक्रिय होने के संकेत दिए हैं। शुक्रवार को उमा भारती ने कहा कि उनकी उम्र अभी 65 साल के आसपास ही है। ऐसे में वो अगले 10 से 15 साल राजनीति में और सक्रिय रहेगी। अगर मन हुआ तो अगला चुनाव लड़ूंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ब्यूरोक्रैसी में सुचिता लाने की बहुत जरूरत है।

अपने निवास पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए उमा भारती ने कहा कि एक समय था जब मध्यप्रदेश में चुनाव मिलकर होता था, अब सिंगल पार्टी चुनाव लड़ रही है। उस समय जितने भी बड़े-बड़े आंदोलन हुए उसमें मैं मौजूद थी, जब मेरी सरकार बनी तब मैंने ही बड़े काम कराए. चाहें केन बेतवा लिंक परियोजना हो या उस समय की अन्य बड़ी योजनाएं मैंने ही उन्हें शुरू किया। उन्होंने कहा कि कोई भी उन्हें भाजपा से अलग नहीं कर सकता। जब मुझे जिम्मेदारी मिली थी तब कार्यकर्ता भाजपा को छोड़कर जा रहे थे। स्वर्गीय अशोक सिंघल के कहने पर मैनें भाजपा की सदस्यता ली। उनके बारे में गलत प्रचार किया गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुझसे खफा रहते हैं। जबकि हकीकत यह है कि मैंने गंगा के लिए अपने आपको अलग किया है। वर्ष 1990 से मुझे प्रताड़ित करना शुरू किया गया। दिग्विजय सिंह सरकार के समय मेरे भाइयों पर हत्या तक का मुकदमा दर्ज किए गए। जब मैंने जनशक्ति पार्टी बनाई थी,उस समय मेरे ऊपर एफआईआर दर्ज कराई गई। व्यापम घोटाले में भी मुझे प्रताड़ित किया गया। उमा भारती ने कहा कि गंगा से जुड़े यदि कोई भी प्रोजेक्ट या काम सरकार देगी तो मैं उसे करूंगी। अभी मुझे 15 से 20 साल तक और राजनीति करनी है। हो सकता है आगे चुनाव भी लड़ूं.। पूर्व सीएम ने मौजूदा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तारीफ करते हुए कहा कि उनके द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उनके जैसा(मोदी) ही बेहतर काम किया जा रहा है। उन्हें बड़ी जिम्मेदारी मिली है. वह अब सही तरीके से शराबबंदी करें और गो पालन के लिए काम करें। गाय के नाम पर व्यवसाय नहीं सेवा होनी चाहिए। गौपालन का बढ़ावा पूरे देश में हो, इस पर मेरा फोकस है।

रिश्वत लेते इंजीनियर व ग्राम रोजगार सहायक गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की जबलपुर यूनिट ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) के सब इंजीनियर नीरज डेहरिया और ग्राम रोजगार सहायक आशीष शर्मा को 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ईओडब्ल्यू की टीम ने शुक्रवार को यह कार्रवाई छिंदवाड़ा जिले के चौरई में की। जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत चौरई के अधीन आने वाले ग्राम खिरखिरी निवासी लालजी सोलंकी ने 15 जुलाई को ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें बताया गया था कि उनकी भाभी आरती वर्मा इस ग्राम पंचायत की सरपंच हैं। यहां चल रहे नाली और सड़क निर्माण के निरीक्षण और पूर्णता प्रमाण पत्र (कंप्लीशन सर्टिफिकेट) जारी करने के लिए सब इंजीनियर नीरज डेहरिया 50 हजार रुपए और ग्राम रोजगार सहायक आशीष शर्मा 15 हजार रुपए की घूस मांग रहे थे। निरीक्षण और कंप्लीशन सर्टिफिकेट न होने के कारण इनका भुगतान अटका हुआ था।

छह धार्मिक नगरों में श्रद्धालुओं को मिलेगा पांच रुपए में भोजन

नगरीय निकायों ने की कम दर पर भोजन की व्यवस्था

विसं, भोपाल। दीनदयाल रसोई योजना में नगरीय निकायों द्वारा अब तक करीब 4 करोड़ 60 लाख भोजन थाली का वितरण मात्र 5 रूपये प्रति थाली की दर पर जरूरतमंदों को किया गया है। यह योजना 51 जिला मुख्यालयों के 191 रसोई केन्द्रों के माध्यम से संचालित है। इनमें 166 स्थाई और 25 चलित रसोई केन्द्र कार्यरत हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में व्यवसाय और श्रम कार्यो के सिलसिले में ग्रामीण क्षेत्रों से जरूरतमंद परिवारों का निरंतर आगमन होता है। ऐसे में नगरीय निकायों द्वारा इनके ठहरने और किफायती दर पर भोजन व्यवस्था के प्रयास किए जा रहे है। विभाग ने बताया कि वर्तमान में 166 स्थाई रसोई केन्द्र में से 16 नगर निगमों में 58 रसोई केन्द्र और 99 नगर पालिका परिषद में 99 रसोई केन्द्र और 9 नगर परिषदों में 9 रसोई केन्द्र संचालित हो रहे हैं। इसके साथ ही 25 चलित रसोई केन्द्र में से 16 नगर निगमों में 23 और 2 नगर पालिका परिषद में 2 चलित रसोई केन्द्र संचालित हो रहे हैं। नगरीय निकायों द्वारा चलित रसोई केन्द्र की व्यवस्था इस उद्देश्य से की गई है कि जिन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में श्रमिक कार्य कर रहे हैं उन्हें कार्य स्थल पर ही किफायती दर पर भोजन उपलब्ध कराया जाये। प्रदेश में चलित रसोई केन्द्र के वाहनों और उपकरणों की एकरूपता के लिये नगरीय प्रशासन संचालनालय ने सुसज्जित वाहन उपलब्ध कराने की योजना तैयार की है। इसी के साथ दीनदयाल रसोई योजना के लिये नगरीय निकायों को अनुदान राशि भी उपलब्ध कराई जा रही है। योजना के विस्तार के लिये 68 नवीन रसोई घरों के संचालन का प्रस्ताव स्वीकृति के लिये राज्य शासन को भेजा गया है। इसी क्रम ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 6 धार्मिक नगरों मैहर, चित्रकूट, ओंकारेश्वर, महेश्वर, ओरछा और अमरकंटक में भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये दीनदयाल रसोई योजना का विस्तार किया है।

भाजपा के कार्यकर्ता की तरह काम कर रहे आईएएस-आईपीएस : जीतू

अफसरों की संपत्ति का ब्यौरा जुटा रहे कांग्रेस कार्यकर्ता

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि प्रदेश के आईएएस-आईपीएस अफसर भाजपा के कार्यकर्ता की तरह काम कर रहे हैं। हम इन अधिकारियों की वैध और अवैध संपत्तियों की जानकारी जुटा रहे हैं। पीसीसी में पत्रकारों से चर्चा करते हुए पटवारी ने संविधान की किताब दिखाते हुए कहा कि संविधान की शपथ लेने वाले आईएएस-आईपीएस अफसरों अपने दायित्वों का सही ढंग से पालन नहीं कर रहे हैं। किस आईएएस-आईपीएस की कितनी संपत्ति कहां-कहां है, इसका ब्यौरा हमारे कार्यकर्ताओं द्वारा जुटाई जा रही है। विधानसभा सत्र के पहले कांग्रेस का दो दिनी प्रशिक्षण मांडू में हो रहा है, जिसमें एमपी सरकार के 52 घपलों पर चर्चा होगी और इसे विधानसभा में जोर-शोर से उठाने के बारे में जानकारी दी जाएगी। जीतू ने कहा कि वर्ष 2013 से आज तक कितने बच्चों को रोजगार दिया है। इसका मामला विधानसभा में उठाया जाएगा। कांग्रेस रोजगार और करप्शन को लेकर श्वेत पत्र लाएगी। सरकार से श्वेत पत्र मांग रहे हैं पर सरकार तो दे ही नहीं रही है। पटवारी ने कहा कि सरकार से यह मांग है कि इन्वेस्टर समिट का श्वेत पत्र जारी करे।

बच्चों को समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिलती

पटवारी ने कहा कि बीजेपी के चार बार के मंडल अध्यक्ष, पार्षदों की आर्थिक स्थिति का पता लगा लो। बड़े नेताओं की संपत्ति का ब्योरा लेने की व्यवस्था बन जाए तो 80 फीसदी लोग जेल चले जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस सरकार में बच्चों को समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिलती है। आदिवासियों की एक लाख हेक्टेयर जमीन गैर आदिवासियों को बेची गई। पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में स्मार्ट मीटरों के कारण बिजली बिलों में असामान्य वृद्धि और उपभोक्ताओं पर जबरन मीटर लगाने की शिकायतों पर गहरा रोष व्यक्त किया है। उन्होंने इसे आम जनता के लिए आर्थिक अन्याय करार देते हुए मध्य प्रदेश सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

बारिश से नागरिक नहीं हों परेशान: कृष्णा गौर

विसं भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने अधिकारियों से कहा है कि बारिश के मौसम के दौरान नागरिकों को किसी भी स्तर पर समस्या का सामना नहीं करना पड़े। इसके लिए आवश्यक उपाय फौरी तौर पर किए जाने चाहिए। श्रीमति गौर शुक्रवार को मंत्रालय में अपने विधानसभा क्षेत्र को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक कर रही थी। उन्होंने कहा कि साकेत नगर के रहवासियों द्वारा पाले गए दर्जनों कुत्तों के कारण क्षेत्र में फैली गंदगी और विवाद की स्थिति गंभीर है। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ तत्काल दंडात्मक कार्रवाई की जाए। रहवासी क्षेत्रों में इस प्रकार की गतिविधियां आमजन के लिए परेशानी का कारण बनती हैं और समय रहते इन पर रोक आवश्यक है। राजधानी के अन्य इलाकों से भी कुत्तों के काटने से जुड़ी दुर्घटनाओं और असुविधा की शिकायतें मिल रही थीं, जिन्हें गंभीरता से लेते हुए ये निर्देश जारी किए हैं।

23 जुलाई को समीक्षा बैठक

विसं भोपाल। सड़क दुर्घटना पीड़ितों का नकदी रहित उपचार स्कीम, 2025 एवं राह-वीर योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक 23 जुलाई को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित की जायेगी। बैठक में परिवहन, पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा दोनों योजनाओं के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया जायेगा

नीट काउंसलिंग 21 से, कॉलेज और सीटें बढ़ने की उम्मीद कम

मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए चिकित्सा शिक्षा संचालनालय मप्र ने टाइम टेबिल किया जारी, 17 सरकारी और 13 निजी कॉलेजों में मिलेगा प्रवेश

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए चिकित्सा शिक्षा संचालनालय मप्र ने टाइम टेबिल जारी कर दिया है। नीट यूजी स्टेट लेवल काउंसलिंग का पहला चरण 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। जो 16 अगस्त तक चलेगा। इसमें शुरू का एक सप्ताह सिर्फ रजिस्ट्रेशन के लिए रखा गया है। संचालनालय से मिली जानकारी के अनुसार इस बार किसी नए कॉलेज के आने की उम्मीद कम है। अभी तक संचालनालय स्तर पर किसी प्रकार की कोई सूचना नहीं है कि मप्र में कोई नया मेडिकल कॉलेज काउंसलिंग में शामिल हो रहा है। इसलिए कॉलेज और सीट बढ़ने की उम्मीद कम है। पिछली बार की तरह इस बार भी नीट यूजी काउंसलिंग में 17 सरकारी और 13 निजी मेडिकल कॉलेज रहेंगे।

छह अगस्त को होगा सीट अलॉटमेंट

चिकित्सा शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक 21 जुलाई से रजिस्ट्रेशन शुरू होंगे जो 29 जुलाई तक चलेंगे। इसके बाद 28 जुलाई को सीटों की संख्या पब्लिश की जाएगी। 29 जुलाई को दावे और आपत्ति बुलाए जाएंगे। 30 जुलाई को आपत्तियों का निराकरण किया जाएगा। 30 जुलाई को ही रजिस्टर्ड अभ्यर्थियों की स्टेट मैरिट लिस्ट जारी की जाएगी। 31 जुलाई से चार अगस्त तक छात्र च्वाइस फिलिंग और सीट लॉकिंग कर सकेंगे। छह अगस्त को सीटों का अलॉटमेंट किया जाएगा। चयनित छात्रों को 7 से 11 अगस्त तक आवंटित कॉलेजों में प्रवेश लेना होगा।

प्रदेश में कुल सीटें 4875, ऑल इंडिया कोटे से भरी जाएंगी 15 प्रतिशत

चिकित्सा शिक्षा संचालनालय के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में उपलब्ध कुल एमबीबीएस सीटों में से 15 प्रतिशत सीटों पर ऑल इंडिया कोटा के तहत प्रवेश दिए जाएंगे। यह नियम है, हर साल ऐसा होता है। इसके लिए ऑल इंडिया नीट यूजी काउंसलिंग 21 जुलाई से शुरू हो रही है। मप्र में एमबीबीएस की कुल सीटों की संख्या 4875 है। इसमें 2425 सीटें सरकारी मेडिकल कॉलेजों में हैं और 2450 सीटें निजी मेडिकल कॉलेजों में हैं।

5 फीसदी आरक्षण का ऐसे मिलेगा लाभ

शासन के आदेश के मुताबिक पात्र छात्रों को जिला शिक्षा अधिकारी, जिला संयोजक या सहायक आयुक्त की ओर से जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। इसमें बताया जाएगा कि छात्र या छात्रा निर्धारित अर्हता को पूरा करता है और इस योजना के तहत आरक्षण का अधिकार रखता है।

सरकारी कॉलेज में सीटों की संख्या

1 जीएमसी भोपाल	250
2 गजराराजा, ग्वालियर	200
3 एमजीएम इंदौर	250
4 एनएससीबी, जबलपुर	250
5 एसएस रीवा	150
6 बुंदेलखंड, सागर	125
7 मेडिकल कॉलेज रतलाम	180
8 एबीएमसी, विदिशा	180
9 मेडिकल कॉलेज दतिया	120
10 मेडिकल कॉलेज खंडवा	120
11 मेडिकल कॉलेज छिंदवाड़ा	100
12 मेडिकल कॉलेज शहडोल	100
13 मेडिकल कॉलेज शिवपुरी	100
14 मेडिकल कॉलेज सतना	150
15 मेडिकल कॉलेज मंदसौर	50
16 मेडिकल कॉलेज सिवनी	50
17 मेडिकल कॉलेज नीमच	50
कुल सीटों की संख्या	**2425**

निजी मेडिकल कॉलेज में सीट

1 पीपुल्स भोपाल	250
2 एलएन भोपाल	250
3 चिरायु भोपाल	250
4 अरबिंदो इंदौर	250
5 इंडैक्स इंदौर	250
6 आर्डीगार्डी उज्जैन	150
7 आरकेडीएफ भोपाल	150
8 अमलतास, देवास	250
9 एलएनसीटी इंदौर	150
10 सुख सागर मेडिकल कॉलेज जबलपुर	150
11 महावीर मेडिकल कॉलेज	150
12 रामकृष्ण मेडिकल कॉलेज भोपाल	150
13 सत्य सांई मेडिकल कॉलेज सीहोर	50
कुल सीटों की संख्या- 2450	

पहल | इलाज के साथ तनाव मुक्त रखने का प्रयास, कई विभागों के चिकित्सक करेंगे मॉनीटरिंग

कैंसर से उबर चुके बच्चों का मनोबल बढ़ाएगा एम्स का एक्ट रूम

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)भोपाल में कैंसर से ठीक हुए बच्चों के लिए विशेष रूम बनाया गया है। इसका नाम है एक्ट क्लिनिक। इस रूम में ऐसा वातावरण तैयार किया गया है, जो बच्चों के विकास में अहम भूमिका निभाएगा। संस्थान की नई रिपोर्ट के अनुसार अब बचपन में कैंसर का समय पर और समुचित इलाज मिलने से करीब 80 प्रतिशत बच्चे ठीक हो रहे हैं। इसके लिए जरूरी है कि संपूर्ण इलाज के साथ उन्हें तनाव मुक्त रखा जाए। इसके लिए एम्स में एसीटी (आफ्टर कम्प्लीशन ऑफ थैरेपी) क्लिनिक और एक आधुनिक प्ले रूम की शुरुआत की गई है। एम्स भोपाल के निदेशक डॉ. अजय सिंह ने कहा कि कैंसर से जंग जीत चुके बच्चों के संपूर्ण स्वास्थ्य और पुनर्वास को केंद्र में रखते हुए एक्ट क्लिनिक की शुरुआत की गई है। इस पहल का उद्देश्य न केवल उपचार के बाद के स्वास्थ्य प्रभावों से बच्चों को राहत देना है, बल्कि उन्हें एक सामान्य और खुशहाल जीवन की ओर अग्रसर करना भी है।

समस्याओं का निराकरण करेगा क्लिनिक

बच्चों में इलाज के बाद भी उन्हें विकास, हार्मोन, हृदय, मस्तिष्क और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन सभी पहलुओं की समग्र देखभाल के लिए क्लिनिक की शुरुआत की गई है। इस क्लिनिक में पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजिस्ट, एंडोक्रोनोलॉजिस्ट, कार्डियोलॉजिस्ट, न्यूरो-डेवलपमेंट विशेषज्ञ, साइको-ऑन्कोलॉजिस्ट, पोषण विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपिस्ट, सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षक शामिल रहेंगे। पूरे कार्यक्रम का समन्वय एनाटमी विभाग द्वारा किया जाएगा, जिससे इंटिग्रेटेड ट्रीटमेंट पर जोर दिया जा सके।

खेलकूद की भी रहेगी सुविधा

कैंसर पीड़ित बच्चों को इलाज के दौरान तनाव मुक्त रखने के लिए नए प्ले रूम बनाए गए हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि यह कैन-किड्स-कीड्स कैन संस्था के सहयोग से तैयार किए गए है। यह प्ले रूम कैंसर और गंभीर बीमारियों से ग्रसित बच्चों के लिए मनोरंजन और मानसिक राहत का केंद्र बनेगा। इससे उनके उपचार के कठिन समय को थोड़ा सरल और खुशहाल बनाया जा सकेगा। एम्स के डॉक्टरों के मुताबिक, इलाज में अब बदलाव आ रहा है। अब तक बीमारी के इलाज में फोकस सिर्फ शारीरिक उपचार तक सीमित होता था। लेकिन, बीते सालों में कई रिसर्च ने यह साफ किया है कि शरीर के साथ मन को स्वस्थ रखना भी आवश्यक है। इसलिए, अब एम्स में इलाज सिर्फ दवा तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह आशा, ताकत और खुशियों को लौटाने की प्रक्रिया है। क्लिनिक उसी दृष्टिकोण का विस्तार है, जिससे हम यह सुनिश्चित कर सकें कि बच्चे न सिर्फ बीमारी से उबरें, बल्कि जीवन को संपूर्णता से जी सकें।

एम्स भोपाल की चिकित्सक ने बताई इम्युनोथैरेपी की विशेषताएं

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। एम्स भोपाल के मेडिकल ऑन्कोलॉजी और हीमैटोलॉजी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. आकांक्षा चौधरी को इंदौर में आयोजित चौथे एमपीसीकॉन वार्षिक मध्यप्रदेश कैंसर कॉन्क्लेव में विशेषज्ञ फैकल्टी के रूप में आमंत्रित किया गया। सम्मेलन इंदौर ऑन्कोलॉजिस्ट एसोसिएशन एवं कैंसर रिसर्च एंड स्टैटिस्टिक फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, जिसमें देश-विदेश से प्रतिष्ठित कैंसर विशेषज्ञ, शोधकर्ता एवं चिकित्सक शामिल हुए। सम्मेलन के दौरान कैंसर प्रबंधन के नवीनतम आयामों जैसे कि नई दवाएं, इम्यूनोथैरेपी और टारगेटेड थैरेपी पर चर्चा हुई। उन्होंने मेटास्टेटिक (स्टेज 4) लंग कैंसर में इम्यूनोथैरेपी की भूमिका पर आयोजित पैनल चर्चा में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। यह एक ऐसा कैंसर है जो चिकित्सकीय दृष्टिकोण से आमतौर पर देखने को मिलता है। उन्होंने इम्यूनोथैरेपी के उपयोग और इसके लगातार विकसित होते क्षेत्र पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर डॉ. अजय सिंह ने कहा कि इस प्रकार के उच्च स्तरीय अकादमिक एवं नैदानिक मंचों पर हमारे संकाय सदस्यों की सक्रिय भागीदारी संस्थान की उत्कृष्टता एवं कैंसर उपचार में नवीन शोध के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उनके द्वारा इम्यूनोथैरेपी पर दिए गए विचार मेटास्टेटिक लंग कैंसर जैसे जटिल मामलों के उपचार में नई संभावनाओं को रेखांकित करते हैं।

प्रतिबंध के बाद भी पहुंचे अमरगढ़ वॉटरफॉल, एक बस और पांच बाइक सवारों पर चालानी कार्रवाई

सीहोर प्रशासन द्वारा जोखिम पूर्ण स्थानों पर पर्यटकों के भ्रमण पर लगाया गया है प्रतिबंध

जागरण संवाददाता, भोपाल। प्रतिबंध के बाद भी सीहोर जिले के जोखिमवाले स्थानों पर पर्यटक भ्रमण करने के लिए पहुंच रहे हैं। शनिवार को भोपाल से सीहोर के लिए निकली एक यात्री बस को अमरगढ़ वॉटर फॉल पहुंचने से पहले ही जब्त कर चालानी कार्रवाई की गई। इस दौरान पांच बाइक सवारों से भी जुर्माना वसूला गया। यह भी वाहन यात्रियों को लेकर सीहोर स्थित अमरगढ़ वॉटर फॉल जा रहे थे। बता दें कि गुरुवार को ही सीहोर कलेक्टर बालागुरु के द्वारा जोखिम वाले स्थानों पर बारिश के दौरान होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए यहां पर पर्यटकों के भ्रमण पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। सीहोर जिला प्रशासन के अनुसार विभिन्न स्थानों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए राजस्व, पुलिस, वन और ग्रामीण विकास सहित अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। अधिकारियों द्वारा इन क्षेत्रों का लगातार भ्रमण किया जा रहा है और सैलानियों को ऐसे स्थानों पर जाने से रोका जा रहा है। ताकि बीते वर्ष की तरह यहां पर होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

इन पर्यटन स्थलों पर लगाया गया है प्रतिबंध

सीहोर जिला प्रशासन द्वारा अमरगढ़ वाटरफॉल, दिंगबर वाटरफॉल, कालियादेव वाटरफॉल, बुधनी मिडघाट फॉरेस्ट एरिया, कोलार डैम, झोलियापुर बैराज जैसे स्थानों पर पर्यटकों के भ्रमण पर रोक लगाई गई है। दरअसल इन स्थानों पर अचानक बारिश के दौरान जलप्रवाह तेज हो जाता है, जिससे कई बार सैलानी पानी में बह जाते हैं या फिसलन भरी चट्टानों से गिरकर घायल हो जाते हैं। कई बार लोग गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं या उनकी जान भी चली जाती है।

भोपाल से बड़ी संख्या में पर्यटक बारिश के मौसम में सीहोर जिले के बुधनी में स्थित पर्यटन स्थलों तक पहुंचते हैं, जिसके चलते लोगों के यहां आने पर रोक लगाई गई है।

■ **दिनेश सिंह तोमर**, एसडीएम बुधनी

दो दिन पहले आइसलैंड में ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ, जिससे चमकीले पीले और नारंगी रंग के लावा की धाराएं निकल रही हैं। आइसलैंड में राजधानी रेक्जाविक के रेक्जानेस प्रायद्वीप पर ज्वालामुखी प्रणालियों के 2021 में फिर से सक्रिय होने के बाद से लगभग 12 विस्फोट हुए हैं। मौसम विज्ञान कार्यालय के अनुसार, पृथ्वी की पपड़ी को तोड़कर निकले मैग्मा के कारण एक बड़ी दरार बन गई, जिसकी लंबाई अनुमानतः 0.7 से 1 किमी (0.4 से 0.6 मील) के बीच है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस क्षेत्र में विस्फोट दशकों या सदियों तक जारी रह सकते हैं। इनसेट में: ज्वालामुखी का मुहाने से बहता लावा।

पं. बंगाल के दुर्गापुर में पीएम बोले घुसपैठियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

बिहार की जनसभा में कहा- पुणे की तरह पटना और मुंबई जैसा होगा मोतिहारी

दुर्गापुर, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में आयोजित एक रैली को संबोधित किया है। इस दौरान पीएम मोदी ने घुसपैठियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीएम मोदी ने रैली के दौरान कहा है कि टीएमसी ने घुसपैठियों के पक्ष में मुहिम शुरू कर दी है और टीएमसी की साजिश पूरे देश में उजागर हो गई है।

उन्होंने आगे कहा तृणमूल की सरकार घुसपैठियों के समर्थन में खुलकर आ गई है लेकिन जो भी इस देश का नागरिक नहीं है, उसके खिलाफ एक्शन जरूर लिया जाएगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में करीब 5,400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी है। इनमें तेल और गैस, बिजली, रेल और सड़क से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। दुर्गापुर रैली में उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने राज्य की ममता सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीएम मोदी ने कहा है कि टीएमसी के गुंडा राज की वजह से पश्चिम बंगाल में निवेश नहीं आ पा रहा है और राज्य का विकास नहीं हो रहा है।

आज युवा बंगाल से पलायन को मजबूर

विकास परियोजनाओं पर बात करते हुए पीएम ने कहा कि बीजेपी ने पश्चिम बंगाल के लिए बड़े सपने देखे हैं। उन्होंने कहा, बीजेपी एक विकसित पश्चिम बंगाल बनाना चाहती है। बीजेपी एक समृद्ध पश्चिम बंगाल का निर्माण करना चाहती है। ये सारी परियोजनाएं इन सपनों को पूरा करने का ही एक प्रयास है। पीएम मोदी ने आगे ममता सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक समय था जब पश्चिम बंगाल उद्योग का केंद्र था, लेकिन आज यहां के युवा पलायन के लिए मजबूर हैं। उन्होंने आगे कहा, यहां की टीएमसी सरकार बंगाल के विकास के आगे दीवार बनकर खड़ी है, जिस दिन ये दीवार गिर जाएगी, उसी दिन से बंगाल विकास की नई तेजी पकड़ लेगा। टीएमसी की सरकार जाएगी तभी असली परिवर्तन आएगा।

टीएमसी की साजिशें उजागर

रैली में पीएम मोदी ने घुसपैठियों को चेतावनी दी है। पीएम ने कहा, आज देश के सामने टीएमसी की साजिशें उजागर हो गई है कि उसने घुसपैठियों के पक्ष में नई मुहिम शुरू कर दी है। देश के संवैधानिक संस्थाओं को भी चुनौती दे रहे हैं। टीएमसी अब उनके समर्थन में खुलकर उतर आई है। पीएम ने आगे कहा, लेकिन मैं दुर्गापुर की रैली से खुलकर यह कह दूं, कि जो भारत का नागरिक नहीं है, जो घुसपैठ कर के आया है, उसके साथ भारत के संविधान के तहत न्यायसंगत कार्रवाई होकर रहेगी। ममता सरकार पर साधा निशाना प्रधानमंत्री ने रैली की शुरुआत मां दुर्गा और मां काली के जयकारों के साथ की।

नॉर्वे की जितनी आबादी बिहार में उतने घर दिए

गरीबों के लिए 4 करोड़ से ज्यादा घर बनाए इनमें से करीब 7 लाख घर अकेले बिहार में गरीबों के लिए बनाए गए हैं। जो दुनिया में कुछ देशों की जितनी आबादी है, बिहार में उतने गरीबों को हमने पक्के घर दिए हैं।

दुनिया में पूर्वी देशों का बढ़ रहा दबदबा

इससे पहले नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मोतिहारी में जनसभा की। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- दुनिया में जैसे पूर्वी देशों का दबदबा बढ़ रहा है वैसे ही भारत में ये दौर हमारे पूर्वी राज्यों का है। हमारा संकल्प है। आने वाले समय में जैसे पश्चिमी भारत में मुंबई है, वैसे ही पूर्व में मोतिहारी का नाम होगा। जैसे अवसर गुरुग्राम में हैं वैसे ही अवसर गयाजी में बने। पुणे की तरह पटना होगा। अपने 33 मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। साथ ही टीएमसी-कांग्रेस पर निशाना साधा। पीएम बोले- अब बिहार में विकास करने वाली सरकार है। जब केंद्र में कांग्रेस और टीएमसी की सरकार थी तो यूपीए के 10 साल में बिहार को करीब 2 लाख करोड़ के आसपास मिले थे। यानी नीतीश जी की सरकार से ये लोग बदला ले रहे थे। बिहार से बदला ले रहे थे। 2014 में केंद्र में मुझे सेवा करने का मौका मिला। मैंने बिहार से बदला लेने वाली पुरानी राजनीति भी खत्म कर दी। मोतिहारी ने पीएम मोदी ने घोषणा की कि आने वाले समय में पहली प्राइवेट नौकरी पर केंद्र सरकार 15 हजार रुपए देने जा रही है। एक अगस्त से ये योजना लागू होगी।

कनाड़ा में पंजाब मूल के 2 युवकों को 3-3 साल की सजा, डिपोर्ट भी होंगे

नई दिल्ली, जेएनएन। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सरे शहर में पंजाब मूल के दो युवकों को गंभीर अपराध में अदालत ने दोषी ठहराते हुए 3-3 साल की जेल की सजा सुनाई है। अदालत ने उन्हें एक व्यक्ति को जानबूझकर टक्कर मारने, 1.3 किलोमीटर तक घसीटने और फिर शव को सड़क पर फेंककर जाने के मामले में दोषी पाया है। कोर्ट ने सजा के साथ-साथ दोनों पर 3 साल तक गाड़ी चलाने पर भी प्रतिबंध लगाया है।

सजा पूरी होने के बाद दोनों को भारत डिपोर्ट कर दिया जाएगा। घटना 27 जनवरी 2024 को देर रात की है, जब 22 वर्षीय गगनप्रीत सिंह और जगदीप सिंह अपने तीसरे दोस्त के साथ रेड फोर्ड मस्टैंग कार में घूम रहे थे। वे पास की एक पिज्जा शॉप से निकले थे। उस वक्त कार गगनप्रीत चला रहा था और कार मालिक जगदीप अगली सीट पर बैठा था। इसी दौरान दो गवाहों ने पुलिस को सूचना दी कि यूनिवर्सिटी ड्राइव पर एक व्यक्ति सड़क पर पड़ा है। 1.41 बजे के आसपास जब गवाहों ने 911 पर कॉल की, उसी समय गगनप्रीत ने उस व्यक्ति को टक्कर मार दी।

1.3 किमी तक घसीटा शव

टक्कर लगने के बाद दोनों आरोपी थोड़ी देर के लिए गाड़ी रोकते हैं और उतरकर गाड़ी के नीचे देखते हैं। उसी वक्त वहां गवाहों की कार और उनके दोस्तों की एक और गाड़ी आ जाती है। एक गवाह 911 कॉल के दौरान गगनप्रीत से कहता है-तुम्हारी कार के नीचे एक आदमी है, लेकिन इसके बावजूद गगनप्रीत गाड़ी स्टार्ट करता है और वहां से तेजी से निकल जाता है। व्यक्ति अब भी कार के नीचे फंसा हुआ था। जांच के दौरान पता चला कि दोनों आरोपी कार को 1.3 किमी तक शव के साथ घसीट ले गए।

शव को हटाने की कोशिश

वीडियो में गगनप्रीत ने कुछ दूरी पर जाकर बार-बार गाड़ी आगे-पीछे करके व्यक्ति के शव को हटाने की कोशिश की, लेकिन जब शव नहीं निकला। गगनप्रीत और जगदीप ने मिलकर शव को जबरन कार से नीचे उतारा। वीडियो में दिखा जगदीप कार रिवर्स कर रहा है और गगनप्रीत शव को खींच रहा है। बाद में वे शव को सड़क किनारे छोड़कर वहां से फरार हो गए।

यूएस के टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित करते ही चीन के बदले सुर

चीन ने सदाबहार दोस्त पाक को दिया झटका, पहलगाम हमले की निंदा की

नई दिल्ली, जेएनएन। पहलगाम आतंकी हमला करने वाले टीआरएफ को अमेरिका द्वारा विदेशी आतंकी संगठन घोषित करने पर चीन ने अपने सदाबहार दोस्त पाकिस्तान को झटका दिया है। चीन ने शुक्रवार को क्षेत्रीय देशों से क्षेत्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए आतंकवाद-रोधी सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, चीन सभी प्रकार के आतंकवाद का दृढ़ता से विरोध करता है और 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है। उन्होंने कहा, चीन क्षेत्रीय देशों से आतंकवाद-रोधी सहयोग बढ़ाने और क्षेत्रीय सुरक्षा एवं स्थिरता को संयुक्त रूप से बनाए रखने का आह्वान करता है। चीन का यह बयान उसके दोस्त पाकिस्तान के नजरिए से झटका माना जा रहा है, क्योंकि पहलगाम हमले के बाद यूएनएससी में टीआरएफ और लश्कर जैसे शब्दों को चीन की आपत्ति के बाद हटा दिया गया था। ऐसे में

पाकिस्तान को उम्मीद रही होगी कि इस बार भी चीन टीआरएफ के सवाल पर या तो पल्ला झाड़ लेगा या फिर पहलगाम हमले में किसी पाकिस्तानी आतंकी संगठन की संलिप्तता से इनकार कर देगा, लेकिन उसने आतंकवाद के खिलाफ बयान देकर पाकिस्तान के मन-मुताबिक बात नहीं की। वहीं, बार-बार पहलगाम हमले की निंदा करना भी पाकिस्तान को रास नहीं आया होगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पहले एक बयान में कहा था कि विदेश विभाग टीआरएफ को एक विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) घोषित कर रहा है।

हमारे खिलाफ माहौल बना रहा भारत : पाक

पहलगाम आतंकी हमले को अंजाम देने वाले लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन टीआरएफ को अमेरिका में आतंकी संगठन घोषित किए जाने से पाकिस्तान भड़क गया है। पाकि ने भारत पर उसके खिलाफ माहौल बनाने का आरोप लगाया है। उसने कहा है कि लश्कर और टीआरएफ के बीच कोई भी संबंध नहीं है। हालांकि, दिखावे के लिए पाकिस्तान ने साथ में यह भी कह दिया कि वह आतंकी संगठनों के प्रति शून्य सहिष्णुता रखता है। पाकिस्तान ने भारत पर आरोप लगाया कि वह ऐसी सूची का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान विरोधी माहौल बनाने के लिए कर रहा है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि लश्कर-ए-तैयबा एक निष्क्रिय समूह है, जिस पर पाकिस्तान में प्रतिबंध लगा दिया गया है।

आरएसएस और माकपा लोगों के बारे में नहीं सोचते: राहुल

कोट्टायम, जेएनएन। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और माकपा लोगों के बारे में नहीं सोचते हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई जनता के बारे में नहीं सोचता और उनसे नहीं जुड़ पाता तो वह नेता नहीं बन सकता। शुक्रवार को राहुल गांधी केरल के कोट्टायम में राज्य के पूर्व सीएम ओमान चांडी की दूसरी पुण्यतिथि के कार्यक्रम में शामिल हुए। राहुल गांधी ने कहा कि मेरी संघ और माकपा से वैचारिक लड़ाई है, लेकिन मेरी सबसे बड़ी शिकायत ये है कि ये लोगों के बारे में नहीं सोचते। उनके मन में जनता के लिए कोई भावना नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि मेरी यही सबसे बड़ी शिकायत है कि अगर आप राजनीति में हैं तो लोग क्या सोचते हैं, उसे महसूस करें। उनकी बात सुनें और उन तक पहुंचने

की कोशिश करें। लेकिन भारतीय राजनीति की त्रासदी है कि आज बहुत कम लोग हैं, जो असल में दूसरों की भावनाओं का ख्याल रखते हैं। हरियाणा के शिकोहपुर में एक जमीन सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया है। इसे लेकर ही राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा है। एक्स पर साझा एक पोस्ट में उन्होंने कहा, मेरे बहनोई को पिछले 10 साल से यह सरकार परेशान कर रही है।

नए लाइसेंसधारियों के लिए मानक संवाद का हुआ आयोजन

भोपाल। भारतीय मानक ब्यूरो भोपाल शाखा कार्यालय ने नए लाइसेंसधारियों के लिए एक मानक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए लाइसेंसधारकों को बीआईएस प्रमाणन से संबंधित विभिन्न पहलुओं और उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मोहम्मद रिजवान, वैज्ञानिक-ई/निदेशक एवं प्रमुख, बीपीबीओ ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बीआईएस पोर्टल और वेबसाइट, बीआईएस केयर मोबाइल एप्लिकेशन, लाइसेंस प्रदान करने, लाइसेंस के नवीनीकरण और लाइसेंस के दायरे में परिवर्तन के संबंध में बीआईएस दिशा निर्देशों, और बीआईएस अधिनियम पर विस्तृत चर्चा की। मानक ऑनलाइन और बीआईएस ई-पोर्टल की विशेषताओं पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में राहुल कुमार, वैज्ञानिक-सी/उप निदेशक और हरि ओम मीना, वैज्ञानिक-सी/उप निदेशक, बीपीबीओ ने संकाय सदस्यों के रूप में अपनी विशेषज्ञता साझा की। प्रतिभागियों को परिपत्र के अनुसार स्वागत किट प्रदान की गई। बीपीबीओ ने उन अखिल भारतीय प्रथम लाइसेंसधारियों को भी सम्मानित किया, जिन्होंने गुणवत्तापूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में पहल की है। सम्मानित होने वाले उद्यम इस प्रकार हैं: मेसर्स इम्प्रेशन फर्नीचर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को आईएस17633:2022 के अनुसार टेबल और डेस्क के लिए। मेसर्स एंड्यूराफैब प्राइवेट लिमिटेड को आईएस 16202:2014 के अनुसार कृषि वस्त्र - बागवानी अनुप्रयोग के लिए बुने हुए ग्राउंड कवर के लिए। मेसर्स जाजू सर्जिकल प्राइवेट लिमिटेड को आईएस 16948:2018 के अनुसार चिकित्सा वस्त्र पारगम्य गैर-बुना सर्जिकल चिपकने वाला टेप के लिए। सभी प्रतिभागियों ने अपनी शंकाओं का समाधान किया और इस तरह के उपयोगी कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बीआईएस के प्रति आभार व्यक्त किया।

संसद: 'ऑपरेशन सिंदूर' पर जवाब देने बनी रणनीति

नई दिल्ली, जेएनएन। मॉनसून सत्र से पहले केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर शुक्रवार को भाजपा के शीर्ष नेताओं की अहम बैठक आयोजित हुई। इस रणनीतिक बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, किरेन रिजिजू समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। चर्चा का मुख्य केंद्र आगामी सत्र के दौरान सरकार की नीति और संभावित विधायी कार्यों की योजना रही। बैठक में संसद में पेश किए जाने वाले प्रस्तावों और विधेयकों को लेकर संभावित रणनीति पर विचार किया गया। आगामी सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मॉनसून सत्र में केंद्र सरकार कुल आठ नए विधेयकों को पेश करने की तैयारी में है। इनमें भू-विरासत स्थलों और भू-अवशेषों के संरक्षण व सुरक्षा से जुड़ा एक अहम विधेयक भी शामिल है।

अक्षय ने कराया 700 स्टंटमैन्स का इंश्योरेंस

फिल्मों में किए जाने वाले स्टंट्स बड़े पर्दे पर जितने आसान और शानदार लगते हैं, वो असल में उतने ही खतरनाक होते हैं। हाल ही में डायरेक्टर पा रंजीत की तमिल फिल्म के सेट पर एक स्टंटमैन राजू की दर्दनाक मौत हुई जिससे हर तरफ बवाल मच गया। देशभर में मौजूद स्टंटमैन की सुरक्षा पर सवाल खड़े हुए। अब बॉलीवुड के एक्शन हीरो अक्षय कुमार ने इस मुद्दे को लेकर एक बड़ा कदम उठाया है। अक्षय कुमार आमतौर पर अपने स्टंट्स को खुद ही परफॉर्म करते हैं। बहुत कम ऐसा देखा गया कि उन्होंने अपने स्टंट के लिए किसी बॉडी डबल का इस्तेमाल किया है। एक्टर ने तमिल स्टंटमैन राजू की मौत के बाद देशभर के स्टंटमैन्स के लिए इंश्योरेंस कराने का फैसला लिया है। इसकी जानकारी खुद जाने माने एक्शन डायरेक्टर विक्रम सिंह दहिया ने खास बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि अक्षय ने हमेशा स्टंटमैन्स की सेफ्टी और इंश्योरेंस पर ध्यान दिया है जिससे उन्हें काफी मदद मिली है। विक्रम सिंह का अक्षय कुमार के बारे में कहना है, अक्षय कुमार सर का धन्यवाद करना चाहूंगा जिन्होंने करीब 650-700 स्टंटमैन और एक्शन क्रू मेंबर्स का इंश्योरेंस कराया है। इसमें उनके हेल्थ और एक्सीडेंट दोनों इंश्योरेंस शामिल हैं। अगर एक स्टंटमैन सेट पर या उसके बाहर घायल हो जाता है, तो वो 5-5.5 लाख रुपये तक का कैशलेस ट्रीटमेंट का फायदा उठा सकता है। अगर किसी स्टंटमैन की अचानक मौत हो जाती है, तो उनके परिवार को 20-25 लाख रुपये का भुगतान मिलेगा। ये इंश्योरेंस पहले मौजूद नहीं था।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकी मसूद अजहर ने बहावलपुर छोड़ा

नई दिल्ली, जेएनएन। ताजा खुफिया जानकारी के अनुसार भारत का मोस्ट वांटेड आतंकवादी और जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान इलाके में देखा गया है। यह जगह उसके गढ़ बहावलपुर से 1,000 किलोमीटर से भी ज्यादा दूर है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 6-7 मई की रात को भारत ने पाकिस्तान और पीओके के जिन 9 आतंकी ठिकानों को तबाह किया था, उसमें बहावलपुर में जैश का हेडक्वार्टर भी शामिल था। इस हमले में अजहर के कम से कम 10 करीबी रिश्तेदार भी ढेर हुए थे।

पीओके के टूरिस्ट स्पॉट में छिपा मसूद अजहर!

एक रिपोर्ट के मुताबिक खुफिया जानकारी है कि मसूद अजहर को हाल ही में गिलगित-बाल्टिस्तान के स्कार्दू में सदपारा रोड इलाके के आसपास देखा गया। इस इलाके में कम से कम दो मस्जिदें, मदरसे और कई प्राइवेट और सरकारी गेस्ट हाउस हैं। यह जगह पर्यटकों के लिए मशहूर है। यहां खूबसूरत झीलें और प्राकृतिक पार्क हैं। माना जा रहा है कि संयुक्त राष्ट्र की ओर से प्रतिबंधित एक आतंकी संगठन के सरगना को छिपाए रखने के लिए यह एक लो-प्रोफाइल सेटिंग है।

अनुसंधान | माइटोकॉन्ड्रिल और जानलेवा बीमारियों से बच्चों को बचाने ब्रिटेन में विकसित की प्रक्रिया

3 डीएनए से पैदा बच्चों को आनुवंशिक बीमारी से निजात

लंदन, जेएनएन। ब्रिटेन में आठ ऐसे बच्चों का जन्म हुआ है, जिनमें तीन लोगों के शरीर में मौजूद तत्वों का इस्तेमाल किया गया है। ऐसा इसलिए किया गया ताकि गंभीर और अक्सर होने वाली जानलेवा बीमारियों को रोका जा सके। इस प्रक्रिया को ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने विकसित किया है। इसमें मां और पिता के एग और स्पर्म को एक डोनर महिला के एग के साथ मिलाया जाता है। यह तकनीक ब्रिटेन में पिछले एक दशक से क़ानूनी है, लेकिन अब पहली बार इसका सबूत मिला है कि इससे पैदा हुए बच्चे लाइलाज माइटोकॉन्ड्रियल बीमारी से मुक्त हैं। ये बीमारी आमतौर पर मां से बच्चे में जाती हैं और इस स्थिति में शरीर की ऊर्जा ख़त्म हो जाती है। इस बीमारी के कारण कुछ बच्चों की जन्म के कुछ ही दिनों के भीतर मृत्यु हो सकती है, या उनके शरीर के कुछ अंग काम करना बंद कर सकते हैं।

माइटोकॉन्ड्रिल बीमारी क्या है?

माइटोकॉन्ड्रिया को कोशिका का ऊर्जा घर या पावरहाउस कहा जाता है। माइटोकॉन्ड्रिया हमारे शरीर की कोशिकाओं के अंदर पाए जाने वाले बहुत छोटे-छोटे अंग हैं। माइटोकॉन्ड्रिया ऑक्सीजन का इस्तेमाल करके खाने को उस ऊर्जा में बदलते हैं जिसे हमारा शरीर ईंधन की तरह इस्तेमाल करता है। अगर माइटोकॉन्ड्रिया ठीक से काम न करें तो शरीर में इतनी ऊर्जा नहीं बन पाती कि दिल की धड़कन चलती रहे। कई माता-पिता को बच्चों को खोने का दर्द सहना पड़ा है।

क्या है यह तकनीक?

इस तकनीक में मां और डोनर महिला के एग्स को लैब में पिता के स्पर्म के साथ फर्टिलाइज किया जाता है। भ्रूण तब तक विकसित होते हैं जब तक कि स्पर्म और एग से बना डीएनए, एक जोड़ी अंग नहीं बना लेता। इस प्रक्रिया को प्रो न्यूक्लिआई कहा जाता है। इनमें इंसानी शरीर के बनने की जानकारी होती है, जैसे बालों का रंग और कद। दोनों भ्रूणों से प्रो न्यूक्लिआई निकाल दिए जाते हैं और माता-पिता के डीएनए को स्वस्थ माइटोकॉन्ड्रिया से भरे भ्रूण के अंदर डाल दिया जाता है।

यह तकनीक अगली पीढ़ियों के लिए

इस सफलता से किट्टो परिवार को आशा की किरण मिली है। कैट की सबसे छोटी बेटी 14 साल की पॉपी इस बीमारी से पीड़ित है। वहीं उनकी बड़ी बेटी 16 साल की लिली भी इस बीमारी से पीड़ित है। यह बीमारी उनसे होने वाले बच्चों को भीहो सकती है। दशकों के शोध के बावजूद अभी भी माइटोकॉन्ड्रियल बीमारी का कोई इलाज नहीं है, लेकिन इसे फैलने से रोकने का मौका लिली को आशा देता है। लिली ने कहा, यह आने वाली पीढ़ियों के लिए है।

तेंदुए ने चार दिन में तीन को बनाया शिकार

जागरण, इंदौर। महू और मानपुर क्षेत्र के जंगलों में बीते चार दिनों से तेंदुए की दहशत है। हरियाली तेजी से फैल गई है, जिसके चलते आसपास के किसान अपने मवेशियों को चरने के लिए जंगल में भेज रहे हैं। इसी हरियाली की लालच में अब मवेशियों की जान खतरे में पड़ गई है। वन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार बीते चार दिनों में तेंदुए ने तीन मवेशियों को अपना शिकार बनाया है। इनमें दो गाय और एक बछड़ा शामिल हैं।

टाटा समूह ने विमान दुर्घटना पीड़ितों के लिए बनाया 500 करोड़ का ट्रस्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के लिए टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स ने शुक्रवार को 500 करोड़ के कल्याणकारी ट्रस्ट के गठन की घोषणा की। एआई-171 मेमोरियल एंड वेलफेयर ट्रस्ट मुंबई में रजिस्टर्ड किया गया है। टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स ने परोपकारी कार्यों के लिए ट्रस्ट को 250-250 करोड़ देने की प्रतिबद्धता जताई है, जिसमें दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को 1 करोड़ की अनुग्रह राशि भी शामिल है। यह घोषणा अहमदाबाद में एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 दुर्घटना में 260 लोगों के मारे जाने के एक महीने से भी ज्यादा समय बाद की गई है। ट्रस्ट की गतिविधियों में गंभीर घायलों का इलाज तथा दुर्घटना में क्षतिग्रस्त

हुए बीजे मेडिकल कॉलेज छात्रावास के पुनर्निर्माण में सहायता शामिल होगी। इससे पहले जांच ब्यूरो ने गुरुवार को एयर इंडिया विमान दुर्घटना जांच पर अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों को चुनिंदा और असत्यापित बताते हुए खारिज कर दिया था। इसने जनता और मीडिया दोनों से समय से पहले की खबरें फैलाने से बचने का आग्रह किया और कहा कि जांच जारी रहने के कारण ऐसी गतिविधियां गैर-जिम्मेदाराना हैं।

कुशवाहा समाज ने रैली निकालकर किया कलेक्ट्रेट का घेराव, पुलिस अफसरों पर पक्षपात करने का आरोप

पुलिस अधीक्षक और थाना प्रभारी को हटाने की उठाई मांग : अजय वर्मा

टीकमगढ। शनिवार को कुशवाहा समाज ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने शहर में रैली निकालकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। कुशवाहा समाज के साथ ओबीसी महासभा और भीम आर्मी के लोग भी शामिल रहे। प्रदर्शन का कारण दिगौड़ा थाना क्षेत्र का एक मामला है। जहां सैराई निवासी गजेंद्र सिंह ठाकुर ने सोशल मीडिया पर कुशवाहा समाज के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी। शिकायत के बावजूद पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की। कुशवाहा समाज के अध्यक्ष हरप्रसाद कुशवाहा ने बताया कि जब समाज के लोग इस मामले में दिगौड़ा थाने पहुंचे तो पुलिस ने उनके 10 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उन्होंने पुलिस पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाया। दरअसल दो दिन पहले कुशवाहा समाज के 10 युवकों ने दिगौड़ा तालाब के पास एक वीडियो बनाया था। इस वीडियो में पुलिस के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां की गई थीं। पुलिस ने इस मामले में रूपेंद्र, अम्बिका, गनपत, अजय, छोटू, पुष्पेंद्र, कोमल, गजेंद्र, अमित और राजकुमार कुशवाहा को गिरफ्तार किया था और 151 की कार्रवाई कर जेल भेज दिया था। प्रदर्शनकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने एसपी मनोहर सिंह मण्डलोई और थाना प्रभारी मनीष सोनी को हटाने की मांग की गई है। प्रदर्शन को देखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। जहां तत्काल कार्रवाई की मांग को लेकर हजारों की संख्या में युवाओं ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर झांसी रोड पर चक्काजाम कर दिया। जहां करीब एक घण्टे तक चक्काजाम के चलते आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा। इस दौरान लोगों का पुलिस पर गुस्सा नजर आया और युवाओं ने जमकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। मामले में तत्परता दिखाते हुऐ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश सिंह कुशवाह और एसडीओपी राहुल कटरे ने लोगों को समझाईश दी और मामले की तत्काल जतारा एसडीओपी अभिषेक गौतम को जांच सौंपकर तत्काल जांच कराने के बाद कार्रवाई की बात कही है।

समय रहते पुलिस नहीं करती कार्रवाई

इस मामले में पुलिस ने कही न कहीं हीलाहबाली का काम किया है, जब एक पक्ष गजेन्द्र सिंह ठाकुर द्वारा कुशवाहा समाज के लिए गाली-गलौज कर वीडियों वायरल किया था, और तत्काल बाद ही कुशवाहा समाज के लोगो ने थाने पहुंचकर कार्रवाई के लिए ज्ञापन भी सौपा था। तब पुलिस ने करीब एक सप्ताह से ज्यादा का समय गंवाते हुए आरोपी को गिरफ्तार नही किया। जिसके बाद मामला बिगडा और दूसरे पक्ष कुशवाहा समाज के युवाओं ने भी दिगौडा तालाब के पास पहुंचकर ठाकुर समाज के लिए गाली-गलौज कर अभद्र भाषा का प्रयोग किया और मामला लगातार गर्माता गया, जिसका कारण है कि आज जिले में इतने बडे आंन्दोलन ने रूप लिया और लगातार कलेक्ट्रेट कार्यालय पर स्थिति बिगडती गई।

पुलिस की निष्क्रियता के कारण बढ रहे मामले

जिले में लगातार अपराध का ग्राफ बढता जा रहा है, जिसमें कही न कहीं पुलिस की निष्क्रियता नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर पुलिस की नजर कहीं दिखाई नही दे रही है। पुलिस के खुफिया तंत्र निरंकुश नजर आ रहे है। जिस कारण लगातार जिले में सामाजिक सौहार्द बिगडता नजर आ रहा है।

पुलिस का इंटेलीजेंस पड़ा कमजोर

जिले में कुशवाहा समाज के द्वारा एक विशाल विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया है। जिसमें हजारों की संख्या में युवा एकत्रित हुए और कलेक्ट्रेट कार्यालय पर काफी देर तक चक्काजाम कर उत्पात मचाते रहे, लेकिन इस दौरान वहां पुलिस बल नजर नही आया। जैसे ही करीब आधा घण्टे तक यह उत्पात और चक्काजाम चलता रहा तब कही पुलिस बल वहां पहुंचा और स्थिति को देखता रहा। जिससे कही न कहीं पुलिस की कमजोरी प्रतीत होती है और जिले के पुलिस के मुखिया की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगता नजर आया है। इस दौरान पुलिस के कुछ अधिकारियों ने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को सही जानकारी नही देने पर और स्थिति बिगडने पर फटकार भी लगाई है।

आए दिन वायरल हो रहे मारपीट के वीडियों

पुलिस इन दिनों अभियान चलाकर लोगों को नशे से दूर रहने और अन्य विषयों पर जागरूक करने के लिए अभियान चला रही है। लेकिन वही दूसरी और जिलें भर से अलग-अलग जगहों से मारपीट के वीडियों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे है। जिससें भी लगातार लोगों में पुलिस का भय खत्म सा होता नजर आ रहा है।

छत्रसाल महाविद्यालय में उमंग उच्च शिक्षा एवं वेलनेस कार्यक्रम का सफल आयोजन

छात्रों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर केंद्रित रहा कार्यक्रम

पन्ना। राष्टीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत उमंग उच्च शिक्षा एवं वेलनेस कार्यक्रम का आयोजन छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पन्ना में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम का प्रारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ एस डी चतुर्वेदी द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण द्वारा करके किया गया। प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक सशक्तिकरण अत्यंत आवश्यक है। उमंग कार्यक्रम जैसे प्रयास विद्यार्थियों को अपने स्वास्थ्य, आत्मबल और भविष्य निर्माण की दिशा में सजग और सक्षम बनाते हैं। महाविद्यालय सदैव ऐसे आयोजनों का स्वागत करता है जो विद्यार्थियों के जीवन मूल्यों और व्यवहारिक ज्ञान को समृद्ध करते हैं। कार्यक्रम में प्रोग्राम समन्वयक श्री यादवेंद्र सिंह यादव ने विद्यार्थियों को उमंग कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह पहल किशोरों और युवाओं के संपूर्ण विकास को ध्यान में रखते हुए प्रारंभ की गई है। उन्होंने कहा कि आज की शिक्षा में मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना समय की आवश्यकता है। उमंग हेल्थ काउंसलर सुश्री शिवा दुबे ने विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, पोषण, यौन स्वास्थ्य, आत्म-सुरक्षा एवं स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवा अवस्था में सही स्वास्थ्य ज्ञान एवं परामर्श से विद्यार्थियों को कई शारीरिक और मानसिक चुनौतियों से बचाया जा सकता है। मन कक्ष द से काउंसलर श्रीमती ज्योति मिश्रा ने मानसिक स्वास्थ्य एवं परामर्श की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बदलते परिवेश में विद्यार्थियों को कई बार मानसिक दबावों का सामना करना पड़ता है, जिससे निपटने के लिए परामर्श अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने भावों को व्यक्त करने और संवाद कायम रखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी श्री धर्मेंद्र यादव ने वर्तमान समय में शारीरिक स्वास्थ्य एवं मानसिक स्वास्थ्य की आवश्यकता के बारे में व्याख्यान दिया तथा कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था और समन्वयन कार्य संचालन सुनिश्चित किया। मंच संचालन का कार्य डॉ. सचिन गोयल ने प्रभावशाली ढंग से किया, वहीं आभार प्रदर्शन डॉ. राम मोहन तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के डॉ मनोरमा गुप्ता,डॉ आर एम दत्ता, डॉ बी एन जायसवाल, डॉ सतीश त्रिपाठी, डॉ गुलाबधर, डॉ . निशांत खरे, डॉ. पियूषा शर्मा, डॉ अरविंद मंडेलिया, डॉ अरविंद निषाद, डॉ रचना गुप्ता, डॉ पुष्पराज चौरसिया, डॉ बरदानी प्रजापति एवं 100से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे। विद्यार्थी एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। सभी ने इस कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी, शिक्षाप्रद और विद्यार्थियों के जीवन में बदलाव लाने वाला बताया।

वितरण केंद्र शाहनगर में कार्यशाला का आयोजन

पन्ना ।शाहनगर वितरण केंद्र मे पी . के. गेडाम अधीक्षण अभियंता पन्ना एवं एस .के. गेडाम कार्यपालन अभियंता पवई के निर्देशन मे म. प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत् वितरण कंपनी जबलपुर द्वारा लांच ऐप से सम्बंधित कार्यशाला वितरण केंद्र प्रभारी ए.के. प्रजापति कनिष्ठ अभियंता द्वारा आयोजित की गई जिसमे ऐप के सभी पहलुओं पर चर्चा की गई जिसके तहत- 1, ऐप की विशेषता बताई गई साथ ही सभी उपस्थित उपभोक्ता एवं प्रतिष्ठित जनों के मोबाइल में ऐप इनस्टॉल कराया गया. 2.सभी उपस्थित जानो को शिकायत प्रक्रिया के विषय में पूर्ण जानकारी दी गई. 3. सभी उपस्थित जानो को विद्युत अनियमितताओं की सूचना देने उपरांत पहचान की गोपनीयता बनाये रखने के सम्बंन्ध में बताया गया. 4. सभी सहभागितों को विद्धुत अनियमितताओं के आधार पर कंपनी द्वारा निर्धारित प्रोत्साहन राशि(रु 10/- से रु 50000/-तक) प्राप्ति के सम्बंन्ध में जानकारी दी गई।

सर्पदंश से जनसामान्य के बचाव के लिए आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एडवाइजरी जारी

पन्ना ।आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सर्पदंश के मामलों को गंभीरता से लेते हुए इसे स्थानीय आपदा घोषित किया है। बारिश के मौसम में बढ़ने वाली इन घटनाओं की रोकथाम के लिए एक बहुआयामी रणनीति तैयार की है, जिसमें जनजागरूकता, आपातकालीन सेवाओं का सुदृढ़ीकरण और निवारण संबंधी उपाय शामिल किए गए हैं। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत और शहरी वार्ड स्तर पर स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सोशल मीडिया, रेडियो, होर्डिंग्स और प्रिंट मीडिया के जरिए सर्पदंश से बचाव और प्राथमिक उपचार की जानकारी प्रसारित की जाएगी। स्कूलों और कॉलेजों में विशेष सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों को इस खतरे और उससे बचाव के उपायों के बारे में शिक्षित किया जाएगा। प्रत्येक जिले में प्रशिक्षित सर्प मित्र और स्नेक कैचर्स की तैनाती की जाएगी, जिनके हेल्पलाइन नंबर जनता को उपलब्ध कराए जाएंगे। सभी सरकारी अस्पतालों में एंटी वेनम (विषनाशक दवा) का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जाएगा। पीड़ितों को निकटतम चिकित्सा केन्द्र तक पहुँचाने की व्यवस्था को और सुचारू बनाया जाएगा, ताकि आपात स्थिति में त्वरित सहायता मिल सके। जनजागरूकता गतिविधि में ग्रामीणों को खेतों और जंगलों में काम करते समय मोटे जूते और दस्ताने पहनने की सलाह दी जाएगी। घरों के आसपास सफाई रखने, झाड़ियों को काटने और कूड़े के उचित निपटान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पशुपालकों को पशुशालाओं के आसपास बाड़ लगाने और पर्याप्त रोशनी का प्रबंध करने की सलाह दी गई है। पर्यटन स्थलों पर सर्प अधिकता क्षेत्रों को चिन्हित करने और चेतावनी बोर्ड लगाने का भी प्रावधान किया गया है। जिले की जनता से अपील की गई है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़ फूंक या देसी उपचार की बजाय तुरंत निकटतम अस्पताल पहुँचें, क्योंकि पहला एक घंटा गोल्डन आवर यानि जीवन रक्षक होता है। साथ ही, सांपों को मारने या परेशान करने के बजाय उन्हें दूर भगाने के उपाय करने पर जोर दें।

गेहूं का अधिकतम स्टॉक 3 हजार मीट्रिक टन निर्धारित

पन्ना । भारत सरकार द्वारा व्यापारियों के लिए 31 मार्च, 2026 तक के लिये गेहूँ के स्टॉक की सीमा निर्धारित कर दी गयी है। व्यापारी व थोक विक्रेता 3 हजार मीट्रिक टन तक और रिटेलर 10 मीट्रिक टन तक गेहूं का भण्डारण कर सकते हैं। इसी तरह चेन रिटेलर के प्रत्येक आउटलेट के लिये 10 मीट्रिक टन की सीमा इस आधार पर निर्धारित की गई है कि सभी आउटलेट पर अधिकतम मात्रा आउटलेटों की कुल संख्या के 10 गुना मीट्रिक टन से अधिक भण्डारित नहीं होना चाहिये। प्रोसेसर के लिये स्टॉक की मात्रा उसकी मासिक स्थापित क्षमता के 70 प्रतिशत मात्रा को वर्ष 2025-26 के शेष महीनों से गुणा करने पर आने वाली मात्रा से अधिक नहीं होना चाहिये। सरकार ने गेहूं की जमाखोरी रोकने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए स्टॉक सीमा को 31 मार्च 2026 तक बढ़ा दिया है। व्यापारी, थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता और प्रोसेसर अब तय सीमा में गेहूं का भंडारण कर सकते हैं। उल्लंघन करने वालों पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। यह कदम खाद्य सुरक्षा और बाजार में गेहूं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

बगैर विज्ञप्ति और फर्जी आदेश के नौकरी करने की शिकायत

टीकमगढ़। शासकीय छत्रसाल महाविद्यालय छतरपुर में लैब टेक्नीशियन के पद पर फर्जी तरीके से नौकरी करने का आरोप लगाते हुये पीड़ित ने कलेक्टर से शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता पुष्पेंद्र पिता हल्केलाल दीक्षित निवासी छिदारी जिला टीकमगढ़ ने शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि जयप्रकाश दीक्षित पिता केशवदास दीक्षित निवासी छिदारी जिला टीकमगढ़ के द्वारा फर्जी तरीके से नियुक्ति प्रदान की है, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि बगैर विज्ञप्ति जारी हुए इन्होंने विभाग के अधिकारियों से सांठगांठ कर बगैर नियुक्ति आदेश के जॉइनिंग ली है इनके रिश्तेदार विभाग में बड़े बाबू के पद पर पदस्थ थे जिन्होंने मिली भगत करके इन्हें फर्जी तरीके से जॉइनिंग करवाई है। साथ ही इनके द्वारा नियुक्ति के लिए कोई आवेदन भी नही किया गया था, जिसके बाबजूद भी यह सालो से अधिकारियों को गुमराह कर फर्जी तरीके से शासन की राशि का दुरुपयोग कर रहे है, पीड़ित ने इसकी शिकायत मंत्री उच्च शिक्षा विभाग और प्राचार्य शासकीय छत्रसाल महाविधालय छतरपुर को भेजकर कार्यवाही की मांग की है।

जिले में 721 मिमी दर्ज की गई औसत वर्षा

पन्ना ।जिले में इस वर्ष एक जून से 19 जुलाई की अवधि में 721 मिमी अर्थात् 28.4 इंच औसत वर्षा दर्ज की गई है। अब तक वर्षामापी केन्द्र पन्ना में 756.9 मिमी, देवेन्द्रनगर में 645.8 मिमी, गुनौर में 798.5 मिमी, अमानगंज में 894.2 मिमी, पवई में 660 मिमी, सिमरिया में 497.4 मिमी, शाहनगर में 653.4 मिमी, रैपुरा में 720.3 मिमी और अजयगढ़ में 862.8 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है।

टीकमगढ़ के महेंद्र सागर तालाब में वॉटर स्पोर्ट्स की शुरूआत, लेकिन रेट देखकर लोगों की टूटी अपेक्षाएं

युवाओं ने कहा भोपाल शहर से भी महंगे है रेट : राजेश यादव

टीकमगढ। शहर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए महेंद्र सागर तालाब में वोट क्लब की शुरुआत की गई है। शनिवार को कलेक्टर विवेक श्रोतिय, एसपी मनोहर मंडलोई और नगर पालिका सीएमओ ओमपाल सिंह भदोरिया ने पूजा-अर्चना के साथ वोट क्लब का उद्घाटन किया। इस परियोजना का ठेका झांसी की मर्निकर्णिका वाटर स्पोर्ट्स एंड टूरिस्ट कंपनी को दिया गया है। तालाब में स्लो बोट राइड, स्पीड बोट राइड, जेट्स्को राइड, बनाना राइड और सोफ ा राइड जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यात्रियों के लिए 12 सीटर और 8 सीटर बोट की व्यवस्था की गई है। साथ ही वॉटर बाइक का भी आनंद लिया जा सकेगा। कलेक्टर विवेक श्रोतिय ने कहा कि अगर प्रोजेक्ट सफ ल रहा तो जिले के अन्य तालाबों में भी इस तरह की गतिविधि शुरू की जाएगी। ताकि जिले के पर्यटन को बढ़ावा मिले। लेकिन इस दौरान जिले के लोगों ने जब वोट क्लब के रेट देखे तो उन्हें करारा झटका लगा और कई लोगों के तो वोट क्लव का आंनद लेने की अपेक्षाऐं ही धरी की धरी रह गई। जिले के नगर वासियों सहित युवाओं ने कहा कि टीकमगढ जिलें में वोट क्लब की शुरूआत की गई यह जिले के लिए बडी उपलब्धि है, लेकिन इतने महंगे रेट तय करना कही न कहीं टीकमगढ के लोगों के साथ धोखा है। यदि जल्द ही शुल्क दरों में संशोधन नहीं किया गया तो यह परियोजना अपने उद्देश्य से भटक सकती है। जिस पर नगर पालिका प्रशासन को ध्यान अपेक्षित कर रेट कम करने का प्रयाय करना चाहिऐं जिससे शहर के सभी लोग इस वोट क्लब का आनंद ले सके। नगर पालिका सीएमओ ने बताया कि यह सेवा अभी 3 महीने के पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई है। बोट क्लब के आसपास खाने-पीने की दुकानें भी खोली जाएंगी। पिछले सप्ताह कलेक्टर ने जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक में जिले के पर्यटन स्थलों के विकास की योजना बनाई थी। वही पूर्व विधायक राकेश गिरी ने कहा कि प्रशासन की इस फ ाइल से निश्चित तौर पर जिले में पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फ ार, भाजपा जिलाध्यक्ष सरोज राजपूत, पूर्व विधायक राकेश गिरी, केके श्रीवास्तव, पूर्व बैंक अध्यक्ष विवेक चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष उमिता सिंह, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष पूनम जायसवाल, रविंद्र श्रीवास्तव, अभिषेक खरे, नीतू द्विवेदी, रविकिरण त्रिपाठी, आरके पस्तोर, अनुपम दीक्षित, संध्या सोनी सहित शहर के लोग मौजूद रहे।

बढ़ी उम्मीदें पर टूटी अपेक्षाएं

शहरवासियों को उम्मीद थी कि अब उन्हें जल क्रीड़ा और बोटिंग का आनंद अपने ही शहर में उचित दरों पर मिलेगा। लेकिन जैसे ही कंपनी द्वारा बोटिंग शुल्क सूची जारी की गई। लोगों में नाराजगी का माहौल बन गया। लोगों ने शोसल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करना शुरू कर दिया है। जिसमें महंगे दामों को लेकर शहर के लोगों में तरह-तरह की चर्चाऐं हो रही है।

चार्ज लिस्ट ने बढ़ाई परेशानी

स्टीम बोट राइड 80 रूपऐं प्रति व्यक्ति प्रति राउंड, स्पीड बोट राइड 180 रूपऐं प्रति व्यक्ति प्रति राउंड, डबल राइड 400 रूपऐं प्रति व्यक्ति प्रति राउंड, ग्रुप राइड कम से कम 6 व्यक्ति जरूरी 600 रूपऐं प्रति व्यक्ति प्रति राउंड, बनाना राइड 400 रूपऐं प्रति व्यक्ति, सोफि या राइड 500 रूपऐं प्रति व्यक्ति तय किये गये है। इतने अधिक शुल्कों के कारण यह सेवा आम नागरिकों विशेषकर मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों की पहुँच से बाहर होती जा रही है। जिससे इन लोगों को बोट क्लब का आनंद लेने का करारा झटका लगा है।

शहर की जनता ने जताया विरोध

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह सुविधा आम जनता के लिए नहीं बल्कि सिर्फ आर्थिक रूप से संपन्न लोगों के लिए बन गई है। ताल दरवाजा निवासी अमित रावत, विनय प्रताप सिंह, सीपी यादव, अजय सिंह गौर, नीरज रैकवार ने कहा की हमने सोचा था कि परिवार के साथ सस्ते में बोटिंग का आनंद लेंगे, लेकिन रेट देखकर हमें वापस लौटना पड़ा। ये तो पर्यटक स्थल के भी ज्यादा रेट हैं। कुछ युवाओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर नाराजगी जताई और नगर पालिका से इन शुल्कों को कम करने की मांग की है।

जिले के नाविकों में असंतोष

जिले के नाविकों में इस वोट क्लब की शुरूआत से खुशी दिखाई दी, लेकिन दूसरी तरफ उनके चेहरों पर उदासी भी छाई रही। उन्होंने कहा कि इसके साथ-साथ प्रशासन को जिले के नाविकों को भी आमंत्रित कर उन्हें कम दरों पर अपनी नाव तालाब में वोट क्लब के रूप में डालने की अनुमति देनी चाहिऐं। जिससे जिले के नाविकों को भी रोजगार मिल सकें और लोग सस्तें दामों में इस वोट क्लब का आनंद ले सके।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत वाहनों पर लगाए गए जागरुकता पंपलेट, दिया गया नशा मुक्ति का संदेश

नशामुक्ति संदेश से प्रेरित संकल्प बैज एवं संकल्प व्रेसलेट पुलिसकर्मियों द्वारा धारण कर किया गया जनजागरण

पन्ना । मयप्रदेश पुलिस द्वारा पूरे राज्य में संचालित नशे से दूरी है जरूरी विशेष अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन में पन्ना जिले में यह अभियान बृहद स्तर पर चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 19 जुलाई को जिले के विभिन्न यात्री वाहनों, बसो, ऑटो रिक्शा आदि पर जागरूकता पंपलेट लगाए गए। इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए उन्हें नशा छोड़ने और इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, व्यस्त बाजारों एवं यातायात चौराहों पर आमजन से सीधा संवाद किया तथा उन्हें नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक हानियों की जानकारी दी। साथ ही यह संदेश भी दिया गया कि- हमारा है यही संदेश नशामुक्त हो मध्यप्रदेश अभियान को और अधिक जनसंवेदी एवं प्रेरक रूप देने हेतु पुलिस कर्मियों द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए 'संकल्प चिन्ह बैज' को अपनी वर्दी के बाईं ओर (चेस्ट पर) और %नशा मुक्ति संकल्प व्रेसलेट% को हाथों में धारण किया गया। यह प्रतीक केवल सजावटी नहीं, बल्कि एक दृढ़ नशामुक्ति संकल्प का परिचायक हैं। इन चिन्हों एवं व्रेसलेट्स को अभियान से जुड़े नागरिकों, विशेषकर युवाओं को भी वितरित किया गया। लोगों को यह बताया गया कि यह केवल एक बैज और बैंड नहीं, बल्कि एक सामाजिक संकल्प है कि- 'मैं नशे से दूर रहूंगा और समाज को भी प्रेरित करूंगा।'

पुलिस अधिकारीगण एवं कर्मचारियों ने संकल्प चिन्ह बैज एवं नशा मुक्ति संकल्प व्रेसलेट धारण कर अपने-अपने कर्तव्यों के निर्वहन हेतु निकलते समय जनमानस को प्रेरित करने वाला दृश्य प्रस्तुत किया। वर्दी पर लगा यह बैज और हाथों में बंधा संकल्प व्रेसलेट केवल प्रतीक नहीं, बल्कि पूरे समाज को नशे के विरुद्ध एकजुट होने का संदेश था। इन चिन्हों को धारण करते हुए पुलिस बल कर्तव्य पथ पर न केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आगे बढ़ा, बल्कि हर नागरिक को यह प्रेरणा भी दी कि- नशे से नहीं, संस्कारों से बनता है समृद्ध समाज यह विशेष जनजागरूकता अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक जिले में चलाया जा रहा है, जिसमें अनेक गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं, जैसे- बाइक रैली, पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, स्कूल एवं कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम, सामुदायिक संवाद सत्र मध्यप्रदेश पुलिस नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु दृढ़ संकल्पित है। पन्ना जिले में यह अभियान नागरिकों की सक्रिय सहभागिता और जनचेतना के बल पर निरंतर गति प्राप्त कर रहा है।

ग्राम मझँगाय का रास्ता बन्द ग्रामीण परेशान

पन्ना । जनपद पंचायत अजयगढ़ के अंतर्गत ग्राम पंचायत मझगॉय जो पहाड़ी के किनारे वसा है एक तरफ से पहाड़ी एवं नालो से घिरा है। मोतीसागर तलाब की पार वह जाने से गांव के लोगो का अना जाना बन्द हो गया है। पार की एक दीवार का उपरी हिस्सा वचा है उससे लोग जान खतरे में डालकर निकल रहे है किसी भी समय बड़ा खतरा हो सकता है। ग्रामीणो की मांग है की इस काम को पंचायत जल्द कराये ताकि लोगो के लिये आने जाने का रास्ता बन सके ।गांव के अन्दर कोई वाहन नही जा पा रहे है। रात्रि में कोई बड़ी समस्या आ जाये तो बराकगरेका एवं मझगॉय की पहाड़ी से गुजरते हुए 5 से 7 किलोमीटर की रास्ता तय कर अजयगढ जाना पड़ता है। इसी दौरान 5 जुलाई की रात्रि रात्रि 12 बजे रूबी पत्नी अजय रजक निवासी पालन पुरवा की डिलेबरी हुई पंचायत मित्र धनराज एवं रूबी का पति मझगाय पहाड़ी से चढ़कर बारा कगरे में जाकर एमबूलेस बुलाकर अजयगढ सामुदायिक स्वास्थ्य में ले गये ।ग्रामीणो ने जल्द उक्त समस्या समाधान करने की मांग की है।

रोपित किये गए पौधों को सरंक्षित करने की ली शपथ

लायंस क्लब सिंगरौली प्राइड एवं लायंस कैंपस क्लब सिंगरौली मंगलम द्वारा किया गया वृहद स्तर पर फलदार पौधों का पौधरोपण

जागरण, सिंगरौली

पर्यावरण सरंक्षण व समृद्ध भारत के निर्माण हेतु देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वाहन पर व लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321ई के वर्तमान मण्डलाध्यक्ष लायन डॉ. अर्पण धर दुबे के निर्देशन मे आज सिंगरौली के मोरवा रेलवे स्टेशन के समीप सिंगरौली विधानसभा के विधायक रामनिवास शाह भाजपा जिलाध्यक्ष सुंदर लाल शाह व रेलवे प्रबंधक अम्बिकेश सिंह एवं अन्य रेलवे अधिकारियो की उपस्थिति मे शिव मंदिर के प्रांगण मे लायंस क्लब सिंगरौली प्राइड एवं लायंस कैंपस क्लब सिंगरौली मंगलम के सदस्यों द्वारा वृहद पौधरोपण का कार्यक्रम संपन्न किया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ मे अतिथियों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। लायंस क्लब सिंगरौली प्राइड के अध्यक्ष लायन नागेंद्र सिंह ने अपने स्वागत भाषण के माध्यम से आये हुए अतिथियों का अभिवादन कर सभी को पौधरोपण हेतु प्रेरित किया तत्पश्चात भाजपा जिलाध्यक्ष सुन्दर लाल शाह ने अपने उद्बोधन के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी का सन्देश प्रेषित किया व इस अभियान के उद्देश्य पर प्रकाश डाला इसी क्रम मे विधायक रामनिवास शाह ने अपने उद्बोधन के माध्यम से बताया कि एक पेड़ माँ के नाम एक प्रयास है जो हमारी मातृभूमि और प्रकृति के प्रति हमारे सम्मान और समर्पण को दर्शाता है इस अभियान का उद्देश्य माँ के नाम पर एक पेड़ लगाना और एक स्थायी स्मृति बनाना है जो न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा बल्कि एक हरेभरे और अधिक समृद्ध भविष्य के निर्माण में भी योगदान देगा। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण मे 51 फलदार छायादार व औषधिय पौधे रोपित किये गए इस अवसर पर लायंस इंटरनेशनल से डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट सेक्रेटरी प्रशासन . लायन संजीव कोहली जोन चेयर परसन लायन . लायन गोपालजी श्रीवास्तव के साथ अन्य सदस्यों मे सिंगरौली प्राइड के उपाध्यक्ष लायन नारायण साहू सचिव लायन शिव शंकर सिंह सेंगर निदेशक लायन अजय जायसवाल स.कोषाध्यक्ष लायन राजेंद्र जायसवाल लायन अवध किशोर गुप्ता लायन विक्रम सिंह एवं सिंगरौली मंगलम क्लब के अध्यक्ष लायन संजीव कुमार सचिव लायन राम जी शुक्ला कोषाध्यक्ष लायन अरविन्द बैस एवं श्रीसाई शैल मंगलम महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक अनिल केशरी मो. जावेद. अरविन्द पाण्डेय व छात्र उपस्थित रहे। सभी उपस्थित लोगो ने स्वयं द्वारा रोपित किये गए पौधों को सरंक्षित करने की भी शपथ ली एवं नियमित रूप मे पौधों के देखभाल का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के सण् प्राध्यापक व मंगलम क्लब के सचिव रामजी शुक्ला ने किया व अंत मे जोन चेयर परसन लायन गोपालजी श्रीवास्तव ने आये हुए अतिथियों का आभार ज्ञापन किया व भविष्य मे लायंस क्लब एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान मे नियमित रूप मे सामाजिक कार्यक्रम किये जाने का आश्वासन भी दिया।

जिले में न सड़क, न रेलवे स्टेशन, न तो यात्रियों के लिए सुविधा युक्त प्लेटफार्म : प्रवीण सिंह चौहान

राजधानी से जोड़ने वाली प्रतिदिन कोई वैकल्पिक ट्रेन नहीं तब भी जनप्रतिनिधियों के कार्यकाल बेमिसाल

जागरण, बैढ़न। सिंगरौली जिले की जनता का यह दुर्भाग्य है कि सर्वाधिक रेवेन्यू जेनरेट करने वाला सिंगरौली जिला बदहाली व अव्यवस्थाओं की मार झेल रहा है सिंगरौली जिले से प्रतिदिन रेलवे विभाग को करोड़ों का मुनाफा होता है प्रतिदिन यहां से 20 से 25 माल वाहक ट्रेन गुजरती है जिनका भाड़ा रेलवे विभाग को बड़े पैमाने पर मिलता है लेकिन दुर्भाग्य कहे सिंगरौली की जनता की सिंगरौली में एक भी सुसज्जित व्यवस्थित रेलवे स्टेशन यहां के लोगों के लिए नहीं है सिंगरौली जिले का वर्तमान में मुख्य स्टेशन बरगवां स्टेशन है जो जबलपुर मंडल में आता है जिले के सर्वाधिक यात्री इसी स्टेशन पर चढ़ते और उतरते हैं उक्त स्टेशन की स्थिति यह है कि स्टेशन गड्ढे और कीचड़ से सना हुआ है प्लेटफार्म का निर्माण अभी तक नहीं हो पाया है बुजुर्ग यात्रियों को तो इस स्टेशन पर चढ़ना और उतरना बेहद खतरनाक है कई बार लोग उतरते समय दुर्घटना के शिकार भी हो जाते हैं जब ट्रेन का आगमन होता है तो लोगों के बीच में अपनी बोगी पर चढ़ने को लेकर के अफरा तफरी का माहौल रहता है क्योंकि यहां पर कोच इंडिकेटर भी नहीं लगा है और तो छोड़िए ना तो ढंग की शौचालय की व्यवस्था है और ना ही पीने की पानी की व्यवस्था कहने को यह स्टेशन अमृत भारत स्टेशन कि श्रेणी में आता है जिसका शिलान्यास फरवरी 24 में नरेंद्र मोदी के द्वारा वर्चुअल किया गया था सिंगरौली जिला सर्वाधिक राजस्व देने में प्रथम स्थान पर रहा है चाहे वह मध्य प्रदेश सरकार के खजाने में हो या फिर रेलवे विभाग के खजाने मे सर्वाधिक रेवेन्यू जेनरेट करने वाला जिला के जिले वासियों से यह सरकार का सौतेला व्यवहार आखिर क्यों क्या जनप्रतिनिधियों को सिंगरौली जिले की बादहाल व्यवस्था नजर नहीं आती क्या सिंगरौली जिले के जनप्रतिनिधि उक्त स्टेशन से यात्रा नहीं करते क्या जिले की अव्यवस्थाएं इन जनप्रतिनिधियों को नजर नहीं आती इन अव्यवस्थाओं के बावजूद भी यह जनप्रतिनिधि अपने कार्यकाल को बेमिसाल बनाने में लगे हैं किसी का 2 साल बेमिसाल तो किसी का 11 साल बेमिसाल अब यह समझ में नहीं आता विकास के नाम पर उनके कार्यकाल बेमिसाल हैं या फिर जिले में मची लूट खसोट के नाम पर इनके साल बेमिसाल है ना तो स्टेशन है ना ट्रेन है ना रोड है ना जिले में बाईपास है ना सड़के हैं आखिर कब इन अव्यवस्थाओं से सिंगरौली की जनता को निजात मिलेगा।

12 दिन बाद गोरा के पुष्पेंद्र साहू की मिली लाश

जागरण, सराई। थाना अंतर्गत ग्राम गोरा के पुष्पेंद्र साहू उम्र लगभग 23 वर्ष जो 5 जुलाई को अपने एक घर से दूसरे पाही में रात में सोने के लिए गया था। जो बीते 12 दिन से लापता था। परिजनों द्वारा सर ई थाने में आकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई तत्पश्चात सरई पुलिस द्वारा पुष्पेंद्र साहू को ढूंढने के लिए काफी प्रयास किया गया परंतु सफलता हाथ नहीं लगी थी। आज दिन शनिवार को घर से लगभग 5 किलोमीटर दूर जंगल में खरहरी नाला में पुष्पेंद्र साहू का लाश पाया गया है। ग्रामीण खुखड़ी पूटु उठाने के लिए जंगल गए थे। जिसकी दूर दूर तक दुर्गंध जा रही थी ग्रामीणों को जब दुर्गंध मिली तो उन्होंने दुर्गंध देने वाले स्थान पर पहुंचा तो देखा की किसी व्यक्ति का सड़ा हुआ लाश कंकाल पड़ा हुआ है। जानकारी के मुताबिक लाश को नाले के रेत में पाट दिया गया था लेकिन जानवरों द्वारा उसे खोदकर क्षत बिक्षत कर दिया गया था। क्षेत्र में पुष्पेंद्र के लापता होने की खबर आग की तरह फैल गई थी जिससे ग्रामीणों को पुष्पेंद्र साहू के लाश होने की संभावना पैदा हुई और उन्होंने पुष्पेंद्र के परिजनों को लाश की सूचना दिया। परिजनों ने सरई पुलिस को लाश के होने की सूचना दी। परिजनों ने पुष्पेंद्र के कपड़ों को देखकर पुष्पेंद्र के ही होने की शिनाख्त की है। लाश को देखते ही परिजनों में मातम छा गया पुलिस लाश तक पहुंच कर पंचनामा तैयार किया और शव को पीएम के लिए भेजने की तैयारी पूरी की। तब परिजनों एवं ग्रामीणों द्वारा जिला स्तर के अधिकारियों की घटना स्थल पर पहुंचने की मांग की जा रही थी परंतु सरई पुलिस के समझाइश के बाद परिजनों ने शव को पीएम के लिए भेजने की स्वीकृति प्रदान की। पुष्पेंद्र साहू की पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही उसके मृत्यु का करण का खुलासा किया जा सकता है वही परिजनों का आरोप है कि पुष्पेंद्र की हत्या की गई है।

राजस्व अधिकारी अतिवृष्टि बाढ़ से प्रभावित परिवारों का सर्वे कर समय पर कराये राहत राशि का वितरण : शुक्ला

कलेक्टर ने व्हीसी के माध्यम से की बाढ़ आपदा प्रबंधन की समीक्षा

जागरण, बैढ़न। जिले में हो रही भारी बारिश को दृष्टिगत रखते हुये कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला ने व्हीसी के माध्यम से राजस्व अधिकारियो के साथ बाढ़ आपदा प्रबंधन की समीक्षा। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले ऐसे परिवार जिन्हे अतिवृष्टि बाढ़ के कारण जान माल की क्षति हुई ऐसे परिवारो का सर्वे कर उन्हे निर्धारित समय सीमा के अंदर राहत राशि का वितरण कराये। कलेक्टर श्री शुक्ला ने राजस्व अधिकारियो को निर्देश दिए कि जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रो की लगातार मानीटरिंग करते रहे। अपना सूचना तंत्र मजबूत रखे ताकि बाढ़ आपदा के समय हर पल की जानकारी लगातार मिलती रहे। उन्होने उपखण्ड अधिकारी चितरंगी को सोन नदी के आस पास वाले गावो की लगतार निगरानी रखने के साथ अपादा के दौरान नगारिको को सुरंक्षित स्थानो पर ले जाने के लिए सभी तैयारिया रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बाढ़ आकाशीय बिजली सर्प दंश सहित अन्य आकस्मिक दुर्घटनाओ से पिड़ित व्यक्तियो के परिजनो को शासन के नियामनुसार तत्काल राहत राशि का वितरण कराये। निचले क्षेत्रो वाले बस्तियो गावो की जानकारी हर समय मिल सके इस हेतु ग्राम पंचायत सचिव रोजगार सहायक सहित गाव में रहने वाले कम से कम चार लोगो का मोबाईल नम्बर अपने पास रखे। कलेक्टर ने कहा कि बाढ़ के समय जो पुल पुलिया जलमग्न हो जाती है उन्हे चिन्हित कर उनके दोनो किनारो में बोर्ड लगाकर संदेश लिखवाये कि जलमग्न होने पर पुल या पुलिया से आवागमन बिलकुल न करे साथ ही जानकारी प्राप्त होते पुल पुलियो के दोनो ओर बैरिकेंटिग भी कराये। कलेक्टर ने समस्त राजस्व अधिकारियो को निर्देश दिए कि अपने अपने क्षेत्रो के विद्यालय भवनो सहित शासकीय भवनो का सर्वे कराये कि वे जर्जर हालत मे तो नही यदि भवन जर्जर हालत में मरम्मत कराने योग्य नही है तत्काल उनको डिसमेंटल करने की कार्यवही करे। साथ ही ऐसे स्थल जहा पर जल भराव की समस्या बनी रहती है ऐसे स्थलो को चिन्हित कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियो को निर्देश दिए कि बाढ़ आपदा के दौरान अपने क्षेत्रो में होने वाली जानमाल के क्षति की जानकारी से प्रत्येक दिवस शांय के समय दिया जाना सुनिश्चित करे। बैठक के दौरान संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय एसडीएम सिंगरौली सृजन बर्मा डिप्टी कलेक्टर देवेन्द्र द्विवेदी तहसीलदार सविता यादव जान्हवी शुक्ला सहित अन्य राजस्व अधिकारी व्हीसी के माध्यम से बैठक में शामिल रहे।

साइकिल और मोटरसाइकिल के भिड़ंत साइकिल सवार व्यक्ति की हुई मौत

जागरण, सरई। थाना क्षेत्र सरई के गोड़बहरा में बीते शुक्रवार को शाम लगभग 5ः00 बजे एक साइकिल सवार आदिवासी एवं मोटरसाइकिल की भिड़ंत हो गई है जिसमें साइकिल सवार सुखलाल सिंह उम्र लगभग 60 वर्ष निवासी तेंदुआ टोला ग्राम पंचायत गन्नई की घटना स्थल पर काफी गंभीर हालत में थे जिन्हें नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरई लाया गया सुखलाल की गंभीर स्थिति को देखते हुए सरई अस्पताल से ट्रामा सेंटर बैढ़न के लिए रेफर कर दिया गया जहां उसकी मृत्यु हो गई उसके उपरांत शव को लेकर परिजनों ने घटना स्थल पहुंचे । परिजनों व ग्रामीणों में काफी आक्रोश देखा गया परिजनों का आरोप है कि सुखलाल सिंह और रामप्रसाद कुशवाहा के बीच जमीनी विवाद चल रही थी इसके निराकरण के लिए सुखलाल सिंह शुक्रवार को तहसील कार्यालय सरई गए हुए थे जो घर वापस आ रहे थे तो जैसे ही गोड़बहरा चौराहा पर पहुंचे तो बाइक चालक कलेश्वर सिंह ने साइकिल सवार सुखलाल सिंह को ठोकर मार दिया जिससे सुखलाल सिंह की हालत काफी गंभीर हो गई। परिजनों का आरोप है कि राम प्रसाद कुशवाहा की ओर से गन्न ई जनपद सदस्य रामधनी यादव के पिता दशरथ यादव सुखलाल एवं उसके घर वालों को तरह-तरह की धमकियां देते हुए विवादित जमीन को छोड़ने के लिए कह रहे थे उनका आरोप है कि दशरथ यादव एवं राम प्रसाद कुशवाहा के सह से बाइक चालक कलेश्वर सिंह जानबूझकर साइकिल सवार सुखलाल सिंह के ऊपर गाड़ी चढ़ा दिया है। वही सुखलाल सिंह के शव को घटनास्थल पर लेकर परिजनों व ग्रामीणों द्वारा आज शनिवार को चक्का जाम की गई जहां सर ई तहसीलदार एवं टी आई के समझाइश के बाद परिजनों ने शव को रोड से हटाया और आवागमन बहाल हुई।

ई. समंस प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने जिला न्यायालय परिसर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता हेतु ई.समंस प्रणाली पर विस्तृत प्रशिक्षण आयोजित

जागरण, बैढ़न। जिला एवं सत्र न्यायालय बैढ़न में आयोजित मॉनीटरिंग सेल की बैठक में जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा न्यायालयों में कार्यरत समस्त कोर्ट मोहर्रिरों को ई.समंस प्रणाली के संबंध में प्रशिक्षित किए जाने का निर्णय लिया गया था ताकि समंस एवं वारंट की कार्यवाही को पूर्णतः ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से संपादित किया जा सके। उक्त निर्णय के अनुपालन में आज जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मनोरम तिवारी सचिव जिला विधिक प्राधिकरण सिंगरौली की अध्यक्षता में राजेश कुमार मिश्रा जूनियर सिस्टम एनालिस्ट द्वारा सॉफ्टवेयर के माध्यम से ई.समंस जारी करने की प्रक्रिया तथा प्रणाली के माध्यम से पुलिस विभाग द्वारा समंस/वारंट की तामीली स्थिति की जाँच एवं तकनीकी समस्याओं के निराकरण की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण सत्र में वसीम अकरम कोर्ट मैनेजरसतेंद्र सिंह जिला नाजिरय शिवाकांत मिश्रा आई.टी. असिस्टेंट बैढ़न संदीप वर्मा पुलिस अधीक्षक कार्यालय रामगोपाल तिवारी पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं समस्त इकाई न्यायालयों में कार्यरत कोर्ट मोहर्रिर पुलिस अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण का उद्देश्य न्यायालयों द्वारा जारी ई.समंस/वारंट की शत.प्रतिशत तामीली सुनिश्चित करना एवं न्यायिक कार्यवाही को पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाना है।

विधान सभा मानसून सत्र को दृष्टिगत रखते हुये कलेक्टर ने अवकाश पर लगाया प्रतिबंध

बैढ़न। म.प्र.विधान सभा मानसून सत्र 28 जुलाई से 8 अगस्त तक संचालित होने के कारण विधानसभा प्रश्नों के उत्तर समय.सीमा में भेजने के दृष्टिगत कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला ने समस्त विभाग कार्यालय प्रमुखों तथा अधिकारी कर्मचारियों को निर्देश दिए है कि अवकाश के दिनों में भी कार्यालय खुले रहेंगे। साथ यदि किसी अधिकारी कर्मचारी को अवकाश में जाना अति आवश्यक हो तो अधोहस्ताक्षरी से अवकाश स्वीकृति पूर्व अनुमति प्राप्त कर मुख्यालय से बाहर जा सकेंगे।

अवकाश के दिन भी खुले रहेगा नगर निगम कार्यालय विधानसभा सत्र के चलते जारी हुआ आदेश

बैढ़न। विधानसभा सत्र के चलते किसी विधायक द्वारा लगाए गए सवालों के जवाब तत्काल प्रभाव से दिए जा सके इसको लेकर विभाग ने अपने सभी दफ्तर अवकाश के दिन भी खोलने के आदेश जारी किए हैं इसी क्रम में शनिवार अवकाश के दिन भी नगर निगम कार्यालय खुला रहा। ननि आयुक्त द्वारा बताया गया कि विधानसभा की कार्यवाही में कोई विघ्न न आए इसके चलते सरकारी दफ्तर खोले गए है। इसके साथ ही आमजन के कार्य भी सुचारू रूप से शनिवार रविवार अवकाश के दिन भी करे जाएंगे।

जिले को टॉप 5 में शामिल कराने तत्परता से करें शिकायतों का निराकरण : शुक्ला

कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा निराकरण के दिए निर्देश

जागरण, बैढ़न। कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा की। कलेक्टर ने बैठक में सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियें को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाईन में प्राप्त शिकायतों को संबंधित अधिकारी गंभीरता से लें तथा शिकायतों के निराकरण करने की कार्यवाही करें।कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश कि अधिकारी स्वयं शिकायत को अटेन्ड करें एवं शिकायतों के निराकरण हेतु शिकायतकर्ता से स्वयं बात करें तथा निराकरण करना सुनिश्चित करें। उन्होने निर्देश दिए कि 100 दिवस से अधिक अवधि की लंबित शिकायतो का एक सप्ताह में निराकरण विभागीय अधिकारी पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में कोई भी शिकायत का निम्न गुणवत्ता से निराकरण न हो। शिकायतों का उच्च गुणवत्ता से निराकरण करें तथा पोर्टल में जानकारी अपलोड करें। बैठक में कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग खाद्य विभाग कृषि विभाग ऊर्जा विभाग जल संसाधन विभाग पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग वित्त विभाग सहकारिता विभाग सहित अन्य विभाग अंतर्गत लंबित सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा की तथा निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर कहा कि विभागीय अधिकारी यह लक्ष्य बनाकार चले कि प्रदेश स्तर जारी होने वाली आगामी रैकिंग में जिला टॉप 5 में आपना स्थान बनाये इस लिए जारूरी है कि अधिकारी स्वयं रूचि लेकर शिकायतो का निराकरण कराये। बैठक के दौरान संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय एसडीएम सिंगरौली सृजन बर्मा नगर निगम आयुक्त डी.के शर्मा डिप्टी कलेक्टर देवेन्द द्विवेदी तहसीलदार सविता यादव अभिषेक यादव जान्हीव शुक्ला लोक सेवा प्रबंध रमेश पटेल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

किसी भी बालक का दुर्व्यपार न हो

विश्व मानव दुर्व्यपार विरोध दिवस में वरंगवा स्टेशन में जागरुकता कार्यक्रम किया गया आयोजित

जागरण, बैढ़न। विश्व मानव दुर्व्यपार विरोध दिवस 1 से 30 जुलाई तक समस्त रेलवे स्टेशनों में आयोजित किया जा रहा है यह कार्यक्रम संस्था कनपुरा कुटुंबकम संस्थान द्वारा जेस्ट राइट टू चिल्ड्रन के सहयोग से विश्व मानव दुर्व्यपार विरोध दिवस 15 से 30 जुलाई तक सिंगरौली जिले के बरगवां सिंगरौली एवं सरई रेलवे स्टेशन में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा प्रारंभ में वरंगवा रेलवे स्टेशन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया इस कार्यक्रम के तहत लोगों को जागरूक किया गया कि जिले से किसी भी बालक का दुर्व्यपार न होने पाए इस कार्यक्रम में जीआरपी् द्वारा पूर्ण सहयोग किया गया लोगों को यह बताया गया कि यदि ऐसा कोई भी बच्चा जिसका दुर्व्यवहार किया जा रहा हो जानकारी मिले तो कृपया टोल फ्री नंबर 100,1098 या 18001027222 पर सूचित करें कार्यक्रम में वंदना विश्वकर्मा अजीत सिंह शवा बानो सपना सिंह एवं जीआरपी पुलिस से मुकेश कुमार उपस्थित रहे।

In The Court Of I Civil Judge Sr. Division District Court, Singrauli

Presiding Officer:-शिव चरण पटेल
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372
भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
सक्सेशन प्रकटन क्रमांक
(एमजेसी एसयूसी/0000066/2023)
प्रभावती केवट .... आवेदक
Vs
ददनी........................... अनावेदक
Process Id-/2025
पेशी दिनांक 21/07/2025
प्रेषिती.
1.हर खास आम पता जिला सिंगरौली म.प्र.
2. आम जनता
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रभावती केवट पता ने मृतक छकौड़ी केवट निवासी ग्राम बैढ़न हाल मुकाम चिकाही (गोरबी)की राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 21 जुलाई 2025 को नियत है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 21 जुलाई 2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। यह आज तारीख 16 जून 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा

प्रथम व्यवहार न्यायाधीश
सिंगरौली मुख्या. बैढ़न म.प्र.

कृपया ध्यान दे-
1.यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

मैदान से हटकर

शादी के बाद पहली बार पत्नी के साथ नजर आए नीरज चौपड़ा

हरियाणा के ओलिंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने शादी के बाद पहली बार पत्नी हिमानी मोर के साथ तस्वीरें शेयर कीं। वह तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन का फाइनल मुकाबला देखने पहुंचे थे। करीब 5 दिन पहले यह मुकाबला हुआ था। नीरज ने पहले अपनी अकेले की ही तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी, लेकिन बीती रात उन्होंने पत्नी हिमानी की भी फोटो शेयर की।

इन फोटो के साथ उन्होंने लिखा- दुनिया के दो सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेनिस खिलाड़ियों को एक-दूसरे से भिड़ते हुए देखने का मौका मिला। मुझे बुलाने के लिए विंबलडन का धन्यवाद। 16 घंटे में 3 लाख लोगों ने उनकी फोटो को लाइक किया जबकि 554 लोगों ने कमेंट किया। 1133 लोगों ने फोटो को शेयर किया है। नीरज ने 16 जनवरी को गुपचुप सोनीपत की टेनिस प्लेयर हिमानी मोर से शादी की थी। यह शादी हिमाचल प्रदेश के सोलन में एक रिजॉर्ट में हुई। नीरज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 5 फोटो शेयर की हैं, जिसमें से तीन में वे खुद व पत्नी संग नजर आ रहे हैं। 2 फोटो विंबलडन कोर्ट के हैं। नीरज चोपड़ा और हिमानी मोर लंबे समय से एक-दूसरे को जानते थे। जब शादी का फैसला लिया तो दोनों परिवारों ने दो महीने सोचकर सहमति दी। नीरज चाहते थे कि शादी देश में ही हो, लेकिन एजेंसी ने कहा कि अगर शादी को पूरी तरह सीक्रेट रखना है तो विदेश में करनी होगी। देश में शादी का खर्च एजेंसी ने करीब 2 करोड़ रुपए रोजाना बताया। आखिरकार परिवार ने खुद ही हिमाचल प्रदेश के सोलन में सूर्य विलास लग्जरी रिसॉर्ट में शादी का प्लान बनाया और पूरी गोपनीयता रखी।
ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत होने वाली है। नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम एक दूसरे के खिलाफ सिलेसिया डायमंड लीग 2025 में खेलेंगे। ये मुकाबला 16 अगस्त को पोलैंड में खेला जाएगा। दोहा डायमंड लीग 2025 में नीरज चोपड़ा ने 90.23 मीटर का थ्रो किया था। ऐसा पहली बार हुआ है, जब नीरज ने 90 मीटर या उससे अधिक का थ्रो किया है। (जेएनएन)

खेल एक नजर

पाक खिलाड़ियों ने फिर कराई इंटरनेशनल बेइज्जती, एक ही छोर पर पहुंच गए दोनों बल्लेबाज

नई दिल्ली, जेएनएन। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 में पाकिस्तान चैंपियन मे दमदार शुरुआत की है। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में मोहम्मद हफीज के नेतृत्व वाली पाकिस्तान चैंपियन ने इंग्लैंड चैंपियन को 5 रन से हराया। इस मैच के दौरान एक बार फिर पाकिस्तान टीम की किरकिरी हो गई है। पाकिस्तान की पारी के दौरान बल्लेबाज उमर आमीन के रन आउट ने सबका ध्यान खींचा। 19 जुलाई को एजबेस्टन में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेड्स 2025 के पहले मुकाबले में इंग्लैंड चैंपियन के खिलाफ मोहम्मद हफीज के साथ हुई गलतफहमी के चलते उमर रन आउट हुए। पाकिस्तान की पारी के 8वें ओवर में दिमित्री मस्कारेन्हास के खिलाफ मोहम्मद हफीज ने विकेट के पीछे शॉट मारकर एक रन चुराना चाहा। लेकिन गेंद सीधे फील्डर के हाथों में जाता देख उन्होंने अपना मन बदल लिया। इस बीच नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े उमर अमीन उनके काफी करीब पहुंच गए थे। हफीज के मना करने पर वह वापस लौटे लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। उमर 9 गेंद में 6 रन ही बना सके।

फिडे महिला विश्व कप भारत की कम से कम एक खिलाड़ी का सेमीफाइनल में पहुंचना तय

बातुमी (जॉर्जिया)। भारत की कम से कम एक खिलाड़ी का यहां फिडे महिला शतरंज विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचना तय है जिसमें ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी अपना पहला खिताब जीतने की प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगी। वह क्वार्टर फाइनल में चीन की युक्सिन सोंग से भिड़ेंगी। भारत की चार खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। इनमें प्रतियोगिता में भाग ले रही सबसे अधिक रेटिंग वाली खिलाड़ी और विश्व स्तर पर कई टूर्नामेंट की विजेता हम्पी के अलावा दिव्या देशमुख, डी हरिका और आर वैशाली शामिल हैं। यह पहला अवसर है जब किसी एक देश की चार खिलाड़ी प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। क्वार्टर फाइनल में हरिका का सामना दिव्या देशमुख से होगा, जिससे कम से कम एक भारतीय का सेमीफाइनल में जगह बनाना तय हो गया है। आर वैशाली के सामने सबसे कठिन चुनौती है क्योंकि उनका सामना क्वार्टर फाइनल में पूर्व महिला विश्व चैंपियन चीन की तान झोंगयी से होगा। इस तरह से भारत की कुल तीन खिलाड़ियों के पास सेमीफाइनल में जगह बनाने का मौका होगा। यह प्रतियोगिता अगले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफायर भी है। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में चीन की टिंगजी लेई का मुकाबला जॉर्जिया की नाना दजाग्निडेज़ से होगा।

कमाई के मामले में क्रिकेटर्स से कम नहीं हैं भारतीय कमेंटेटर

सालभर में कमा लेते हैं करोड़ों से ज्यादा

भारत में क्रिकेट एक धर्म की तरह है। हर क्रिकेटर का सपना होता है कि वह एक दिन अपने देश के लिए क्रिकेट खेले और इसमें से ही कुछ महान क्रिकेटर्स आगे चलकर एक कुशल कमेंटेटर भी बनते हैं। एक क्रिकेट कमेंटेटर बनने के लिए क्रिकेट के नियमों, तकनीक और इतिहास की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। मैच की एनालिसिस करने और दर्शकों को रिकॉर्ड्स समझाने की क्षमता होनी चाहिए। भारत के टॉप कमेंटेटर्स में हर्षा भोगले, संजय मांजरेकर, सुनील गावस्कर, रवि शास्त्री और आकाश चोपड़ा जैसे दिग्गजों में नाम शामिल हैं।

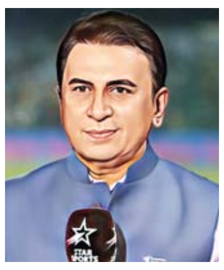

जूनियर लेवल पर कितना पैसा

भारत में एक जूनियर क्रिकेट कमेंटेटर प्रति दिन लगभग 35,000 रुपये कमा सकता है। जबकि एक अनुभवी टॉप क्लास कमेंटेटर को इससे कहीं अधिक वेतन मिलता है, जो कि 6 से 10 लाख रुपये प्रति दिन तक हो सकता है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फैन फॉलोइंग वाले कमेंटेटर बड़े-बड़े ब्रांड के साथ भी जुड़े होते हैं और एड के जरिए कमाई करते हैं। स्पोर्ट्स चैनल्स को कमेंटेटर की जरूरत होती है। यहां अच्छा करने वाले आगे चल कर बीसीसीआई पैनल में शामिल हो जाते हैं।

एक मैच का लेते हैं 6 से 10 लाख

एक क्रिकेट कमेंटेटर को हर मैच के हिसाब से पैसे मिलते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में एक सीनियर कमेंटेटर 6 लाख से लेकर 10 लाख रुपये तक की कमाई कर सकता है। अनुमान लगाएं तो अगर एक क्रिकेट कमेंटेटर सालभर में 100 मैचों में भी कमेंट्री करता है तो वह कुल 10 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर सकता है। मौजूदा समय में अगर हम एक क्रिकेटर की बीसीसीआई से मिलने वाली सालाना सैलरी की बात करें तो एक ए+ ग्रेड क्रिकेटर को सालाना 7 करोड़ रुपये की सैलरी मिलती है। इस तरह एक कमेंटेटर भी क्रिकेटर पर भारी पड़ता हुआ नजर आता है।

अनुभव के साथ बढ़ती है इनकम

कमेंट्री फील्ड में सैलरी कॉन्ट्रैक्ट के ऊपर भी निर्भर करती है। मीडिया रिपोर्ट की माने शुरुआत में एक मैच के हिसाब से 2-3 लाख रुपये की इनकम होती है। आगे जब कुछ एक्सपीरियंस बढ़ता है, तो यह 4-6 लाख के बीच पहुंच जाती है। वहीं, एक स्तर पर पहुंचने पर कमेंटेटर को 8-10 लाख का कांट्रेक्ट भी मिलने लगता है। भारतीय क्रिकेट कमेंटेटर्स दुनिया भर में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले स्पोर्ट्स कमेंटेटरों में से एक हैं। भारतीय क्रिकेट कमेंटेटर्स टीम इंडिया के मैचों के अलावा, आईपीएल और विदेशी दौरे पर भी सीरीज के दौरान कमेंट्री करते हैं।

एजबेस्टन जीतकर चौंकाने वाली शुभमन गिल ब्रिगेड में है इतिहास पलटने का दम

मैनचेस्टर में 89 सालों से कोई टेस्ट मैच नहीं जीत सकी है भारतीय टीम

नई दिल्ली, जेएनएन। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का चौथा मैच 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में आयोजित होगा। मेजबान इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे है। इंग्लैंड ने पिछले मुकाबले में भारत को 22 रनों से करीबी हार थमाई थी। इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में पांच विकेट से मैच जीता जबकि भारत ने एजबेस्टन में 336 रनों से विजयी परचम फहराया। यह भारत की एजबेस्टन में 58 सालों में पहली टेस्ट जीत थी। शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम अब मैनचेस्टर में वापसी करने की फिराक में होगी।

35 सालों से किसी भारतीय क्रिकेटर ने नहीं जड़ा है शतक

इंग्लैंड दौरे पर मौजूद ज्यादातर भारतीय खिलाड़ियों ने ओल्ड ट्रैफर्ड में कभी टेस्ट मैच नहीं खेला है। इस मैदान पर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर के नाम हैं। पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज गावस्कर ने यहां पांच पारियों में 242 रन बनाए। 21वीं सदी में डेब्यू करने वाला कोई भी भारतीय बल्लेबाज इस मैदान पर टेस्ट में 200 रनों का आंकड़ा नहीं छू पाया है। पिछले 35 सालों से किसी भारतीय ने मैनचेस्टर में टेस्ट शतक नहीं जड़ा है। हालांकि, शुभमन ब्रिगेड में मैनचेस्टर में इतिहास पलटने का दम है, जिसने एजबेस्टन में जीत का सूखा समाप्त कर अंग्रेजों को चौंकाया।

पंत की जगह विकेटकीपिंग कर सकते हैं ध्रुव जुरेल

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबले में भारतीय टीम के प्लेइंग इलेवन में बदलाव करेगी या नहीं इसको लेकर संशय बरकरार है। टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी अंगुली में चोट लगी थी, जिसके कारण सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा है कि पंत बतौर बल्लेबाज अगले मैच में खेल सकते हैं। ऐसे में उनकी जगह विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ध्रुव जुरेल को मिल सकती है। अभ्यास सत्र के दौरान बेकेनहम के केंट काउंटी क्रिकेट ग्राउंड से गेंद नेट्स के बाहर आ रही थी। इस दौरान जुरेल सफेद टी-शर्ट में बेहद सहज अंदाज में आक्रामक शॉट्स खेल रहे थे। ध्रुव ने काफी कम समय में भारत के लिए मैच जिताऊ पारियां खेली हैं। इंग्लैंड के खिलाफ रांची टेस्ट में धीमी और कम उछाल वाली पिच पर भी उन्होंने बेहतरीन 90 रन की पारी खेली थी, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच से भी नवाजा गया था।

मोहम्मद शमी से आगे निकल सकते हैं बुमराह

आस्ट्रेलिया के डेनिस लिली भी रह जाएंगे पीछे

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान सिर्फ तीन मैच में खेलते हुए नजर आएंगे। उन्होंने पहला और तीसरा मैच खेला है और अब चौथे-पांचवें मैच में से एक मैच खेलने वाले हैं। वर्कलोड मैनेज करने के लिए टीम मैनेजमेंट ने ये फैसला किया है। दो टेस्ट मैचों में 12 विकेट लेकर, बुमराह मौजूदा सीरीज में भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनसे आगे मोहम्मद सिराज हैं, जिन्होंने अपने तीन मैचों में 13 विकेट लिए हैं। जसप्रीत बुमराह के पास इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में डेनिस लिली और मोहम्मद शमी को पीछे छोड़ना का मौका है।
दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में लिली को पीछे छोड़ने के लिए सिर्फ 4 विकेट की जरूरत है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेनिस लिली ने 133 इंटरनेशनल मैचों में 458 विकेट लिए हैं। उन्होंने टेस्ट में 355 और वनडे में 103 विकेट चटकाए हैं। जसप्रीत बुमराह ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 455 विकेट चटकाए हैं। बुमराह ने वनडे में 149, टेस्ट में 217 और टी20 में 89 विकेट झटके हैं। बुमराह पिछले कुछ समय से पीठ की चोट से परेशान हैं, जिसके कारण वह ज्यादा मैच नहीं खेल पा रहे हैं। मोहम्मद शमी के नाम 197 मैचों में 462 विकेट हैं। श्रीलंका के दिग्गज मुथैया मुरलीधरन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। श्रीलंका के इस दिग्गज ने 1347 विकेट लिया है। उन्होंने टेस्ट मैचों में 800 विकेट लिए हैं। जसप्रीत बुमराह के चौथे मैच में खेलने की संभावनाओं पर भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा, नहीं, हम यह फैसला मैनचेस्टर में ही लेंगे। हम जानते हैं कि अंतिम दो टेस्ट में से हम उसे एक के लिए चुन सकते हैं। मुझे लगता है कि अब मैनचेस्टर में श्रृंखला दांव पर है इसलिए उसे खिलाने पर विचार किया जाएगा। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट मैच 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर में

एशिया कप पर छाए संकट के बादल

बीसीसीआई करेगा मीटिंग का बहिष्कार!

नई दिल्ली, जेएनएन। एशिया कप के आयोजन को लेकर 24 जुलाई को बांग्लादेश के ढाका में एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक होनी है, हालांकि अब इस मीटिंग पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। दरअसल, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) समेत एसीसी के कई अन्य सदस्य बोर्डों ने राजनीतिक और कूटनीतिक चिंताओं के चलते बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया है। बीसीसीआई ने एसीसी और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी दोनों को आधिकारिक तौर पर सूचित कर दिया है कि अगर यह बैठक ढाका में होती है, तो वह इसमें भाग नहीं लेगा। यह फैसला भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूदा तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के चलते लिया गया है। बढ़ते विरोध के बावजूद, एसीसी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी बैठक ढाका में आयोजित करने पर अड़े हुए हैं। भारत के अलावा, श्रीलंका, ओमान और अफगानिस्तान के क्रिकेट बोर्ड भी कथित तौर पर इस बहिष्कार में शामिल हो गए हैं और उन्होंने आयोजन स्थल को लेकर इसी तरह की आपत्ति जताई है। एएनआई के सूत्र ने कहा, एशिया कप तभी हो सकता है जब बैठक का स्थान ढाका से बदला जाए। एसीसी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी बैठक के लिए भारत पर अनावश्यक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हमने उनसे स्थान बदलने का अनुरोध किया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अगर मोहसिन नकवी ढाका में बैठक करते हैं, तो बीसीसीआई किसी भी प्रस्ताव का बहिष्कार करेगा। एसीसी के संविधान के अनुसार, ढाका में होने वाली बैठक में प्रमुख सदस्य बोर्डों की भागीदारी के बिना लिए गए किसी भी निर्णय को अमान्य माना जा सकता है। इससे संभावित गतिरोध की चिंताएं बढ़ गई हैं।

घरेलू क्रिकेट सीजन से मोहम्मद शमी की वापसी के खुल सकते हैं दरवाजे

नई दिल्ली, जेएनएन। तेज गेंदबाज मोहम्मद को आगामी घरेलू सीजन के लिए बंगाल के 50 संभावित खिलाड़ियों की विस्तारित सूची में शामिल किया गया है। 28 अगस्त से शुरु होने वाली दलीप ट्रॉफी वे पूर्व जोन की ओर से खेल सकते हैं। यह शमी की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी का मंच बन सकता है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने भारत के लिए 64 टेस्ट, 108 वनडे और 25 टी-20 मैच खेले हैं। एक लंबे अंतराल के बाद टखने की सर्जरी से उबरकर उन्होंने भारत के लिए आखिरी बार 2025 की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराया था और शमी ने पांच मैचों में नौ विकेट लिए थे, जो भारत के लिए वरुण चक्रवर्ती के साथ संयुक्त रूप से सर्वाधिक थे।

क्रिकेट के मैदान पर फिर आमने-सामने होंगे युवराज और आफरीदी

नयी दिल्ली। भारतीय टीम फिलहाल इंग्लैंड दौरे पर है, जहां वो तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी 2025 के तहत मेजबान टीम के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में व्यस्त है. उधर भारत की महिला टीम भी इंग्लैंड दौरे पर हैं और इंग्लिश वूमेन टीम के खिलाफ वो व्हाइट बॉल सीरीज खेल रही है। यही नहीं भारत की अंडर-19 टीम भी इंग्लैंड में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही है। इस सबके बीच इंग्लिश धरती पर ही चल रहे वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) 2025 टूर्नामेंट शुरू हो रहा है। इस टी20 टूर्नामेंट में युवराज सिंह, शाहिद आफरीदी, एबी डिविलियर्स, कीरोन पोलार्ड, ब्रेट ली, मोहम्मद हफीज और इयोन मोर्गन जैसे दिग्गज खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इंडिया चैम्पियंस ने इस टूर्नामेंट का शुरुआती सीजन जीता था, तब उसने पाकिस्तान चैम्पियंस को फाइनल में 5 विकेट से मात दी थी। इस टूर्नामेंट में 6 टीमें इंडिया चैम्पियंस, पाकिस्तान चैम्पियंस, इंग्लैंड चैम्पियंस, ऑस्ट्रेलिया चैम्पियंस, साउथ अफ्रीका चैम्पियंस और वेस्टइंडीज चैम्पियंस भाग ले रही हैं। टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा, जिसमें सभी टीम एक-दूसरे से एक बार मुकाबला करेंगी। फिर नॉकआउट मुकाबले खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट के मुकाबला द ओवल, एजबेस्टन, हेडिंग्ले, ग्रेस रोड और नॉर्थम्प्टन में आयोजित होंगे।

20 जुलाई को भिड़ेंगे भारत-पाक

भारत और पाकिस्तान की टीमें 20 जुलाई को एजबेस्टन में भारतीय समयानुसार रात 9 बजे से भिड़ेंगी। इस मुकाबले में इंडिया चैम्पियंस की कप्तानी युवराज सिंह करेंगे। वहीं पाकिस्तान चैम्पियंस की कमान शाहिद आफरीदी संभालेंगे। भारत-पाकिस्तान समेत सभी मुकाबलों का टीवी पर सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के स्टार स्पोर्ट्स चैनल पर होगा।

भारत एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में

सोलो (इंडोनेशिया), जेएनएन। भारत ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां ग्रुप डी के मुकाबले में यूएई पर 110-83 से जीत दर्ज करके बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने इससे पहले ग्रुप के अपने शुरुआती मुकाबले में शुक्रवार को श्रीलंका को हराया था। ग्रुप की एक अन्य टीम हांगकांग ने भी अपने दोनों मुकाबले जीते हैं और उसने भी भारत के साथ क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली है। ग्रुप डी के शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला करने के लिए अब भारत और हांगकांग के बीच रविवार को मुकाबला होगा। यह टूर्नामेंट रिले स्कोरिंग प्रारूप के तहत खेला जा रहा है, जहां टीमें 10 मैचों में 110 अंक हासिल करने कोशिश करती हैं। भारत ने यूएई के खिलाफ शुरू से ही दबदबा बना दिया था। पहले मैच में लड़कियों के एकल में रुजुला रामू ने मायशा खान को 11-5 से हराया। इसके बाद मिश्रित युगल में सी लालरामसांगा और तारिणी सूरी ने बढ़त को 22-11 तक पहुंचा दिया।

मैनचेस्टर टेस्ट में जो रूट 120 रन बनाकर टेस्ट रनों के मामले में पहुंचेगे दूसरे नंबर पर

लंदन, जेएनएन। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रचने के करीब हैं। जो रूट अगर भारत के खिलाफ मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट मैच में 120 रन और बना लेते हैं तो वह इतिहास रच देंगे। इस मामले में वह महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और रिकी पोंटिंग को एक साथ पीछे छोड़ देंगे। वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और रिकी पोंटिंग को पछाड़ते हुए दूसरे नंबर पर आ जाएंगे। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम टॉप पर आता है। सचिन तेंदुलकर ने अपने टेस्ट करियर में 15,921 रन बनाए हैं। सचिन तेंदुलकर के नाम टेस्ट में 51 शतक जड़ने का रिकॉर्ड दर्ज है। क्रिकेट के सभी प्रारूपों को मिलाकर सचिन तेंदुलकर के नाम 100 अंतरराष्ट्रीय शतक हैं। सचिन तेंदुलकर के बाद इस लिस्ट में रिकी पोटिंग (13378), जैक कैलिस (13289), राहुल द्रविड़ (13288) और जो रूट (13259) का नाम आता है। इंग्लैंड के स्टार टेस्ट बल्लेबाज जो रूट मौजूदा समय में रनों और शतकों की आग उगल रहे हैं। जो रूट अभी तक 156 टेस्ट मैचों की 285 पारियों में 50.80 की बेहतरीन औसत से 13,259 रन बना चुके हैं।

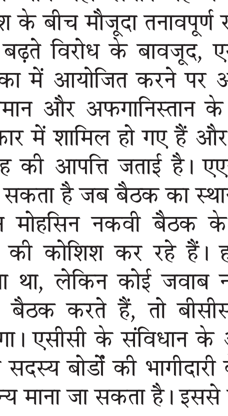

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन

सचिन तेंदुलकर (भारत)	15,921 रन
रिकी पोटिंग (ऑस्ट्रेलिया)	13,378 रन
जैक कैलिस (दक्षिण अफ्रीका)	13,289 रन
राहुल द्रविड़ (भारत)	13,288 रन
जो रूट (इंग्लैंड)	13,259 रन

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक

सचिन तेंदुलकर (भारत)	51 शतक
जैक कैलिस (दक्षिण अफ्रीका)	45 शतक
रिकी पोटिंग (ऑस्ट्रेलिया)	41 शतक
कुमार संगाकारा (श्रीलंका)	38 शतक
जो रूट (इंग्लैंड)	37 शतक
स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया)	36 शतक
राहुल द्रविड़ (भारत)	36 शतक

यॉर्कशर के लिए नहीं खेल पाएंगे गायकवाड़

लंदन, जेएनएन। भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ निजी कारणों से यॉर्कशर की तरफ से काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पाएंगे। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने यॉर्कशर के साथ पांच मैचों में खेलने के लिए समझौते पर सहमति व्यक्त की थी, जिसकी शुरुआत 22 जुलाई को स्कारबोरो में मौजूदा चैंपियन सरे के खिलाफ मैच से होनी थी। लेकिन यॉर्कशर ने एक बयान में पुष्टि की कि गायकवाड़ उपलब्ध नहीं होंगे। यॉर्कशर के मुख्य कोच एंथनी मैकग्रा ने कहा, दुर्भाग्यवश गायकवाड़ निजी कारणों से अब काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पाएंगे। यह निराशाजनक है। मैं आपको इसके कारणों के बारे में कुछ नहीं बता सकता, लेकिन हमें उम्मीद है कि सब कुछ ठीक होगा।

आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल अपने कॉलम में लिखा

मैनचेस्टर में गिल का असली टेस्ट भारत का भविष्य भी करेंगे तय

नई दिल्ली, जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल का मानना है कि शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है और युवा कप्तान के रूप में अपनी क्षमता की झलक दिखाई है, लेकिन उनकी असली परीक्षा अब शुरू होगी जबकि भारत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-2 से पीछे चल रहा है। भारत इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट मैच 22 रन से हार गया और सीरीज में 1-2 से पिछड़ गया। दोनों टीमें 23 जुलाई से मैनचेस्टर में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में आमने-सामने होंगी। चैपल ने अपने कॉलम में लिखा, भारतीय टीम अब इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम दो टेस्ट मैच की तैयारी कर रही है। ऐसे में अब सभी की नजरें उनके 25 वर्षीय कप्तान शुभमन गिल पर टिकी हैं। एक प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी के रूप में उन्होंने बल्लेबाजी में कमाल का प्रदर्शन किया है और नेतृत्व क्षमता की झलक भी दिखाई है, लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी। यह वह मौका है जो टेस्ट कप्तान के रूप में उनकी दिशा तय करेगा। चैपल चाहते हैं कि गिल अपने प्रदर्शन से टीम के लिए मानदंड स्थापित करें। उन्होंने कहा, गिल को यह दिखाना होगा कि वह भारत को किस तरह की टीम बनना चाहते हैं। कप्तान न केवल अपनी बातों से बल्कि अपने प्रदर्शन और स्पष्ट मानदंडों से टीम के अंदर माहौल तय करता है। चैपल ने कहा, इसका मतलब है टीम को मैदान पर अनुशासित बनाए रखना। भारत एक बार फिर खराब फील्डिंग वाली टीम बनने का जोखिम नहीं उठा सकता। सर्वश्रेष्ठ टीमें मैदान में शानदार होती हैं। वे आसानी से रन नहीं देते। वे मौके नहीं गंवाते। चैपल चाहते हैं कि गिल उस टीम के चयन में दृढ़ रहें जो उन्हें लगता है कि उनके लिए मैच जीत सकती है।

11 प्रकरण दर्ज, जब्त की गई 74 लीटर अवैध शराब

सतना। अवैध शराब बेचने वाले 11 लोगो के विरूद्ध कार्यवाही कर कोठी पुलिस ने 74 लीटर अवैध शराब जप्त की है यह कार्यवाही एसपी आशुतोष गुप्ता के निर्देश ,एएसपी प्रेमलाल कुर्वे , एसडीओपी नागौद रघु केसरी, के मार्गदर्शन में कोठी टीआई द्वारा की गई है। जप्त की गई शराब की कीमत 35 हजार 420 रूपये बताई गई है।

सतना जिले में अब तक 565.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

सतना। सतना जिले में इस वर्ष 1 जून से 19 जुलाई तक 565.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 711.7 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 478.2 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 648.8 मि.मी, बिरसिंहपुर में 467.1 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 515.5 मि.मी., नागौद में 704 मि.मी., जसो (नागौद) में 252.5 मि.मी. एवं उचेहरा में 738.5 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है।

नकली अधिकारी बनकर जनता को गुमराह करने वाले आरोपी गिरफ्तार

ताला पुलिस ने कार्यवाही कर दबोचा

जागरण, सतना

नकली सरकारी अधिकारी बनकर जनता को गुमराह करने वाले बदमाशो को ताला पुलिस ने गिरफ्तार किया है यह कार्यवाही एसपी मैहर सुधीर अग्रवाल के निर्देश एएसपी डॉ चंचल नागर एवं एसडीओपी अमरपाटन ख्याति मिश्रा के मार्गदर्शन में मुकुंदपुर चौकी प्रभारी नागेश्वर मिश्रा द्वारा की गई है।

ये है मामला

फरियादी बिनितेश शुक्ला पिता बीरेन्द्र कुमार शुक्ला उम्र 34 वर्ष निण् ग्राम मुकुन्दपुर थाना ताला जिला मैहर द्वारा पुलिस चौकी मुकुन्दपुर मे सूचना दी गयी कि 17 जुलाई की दोपहर से मो इमरान निवासी मुकुन्दपुर का एवं उसके साथ 5-6 लोग एकं सफेद रंग की अर्टिगा कार जिसका नंबर एमपी 04 ईसी 1744 जिसमे कार में लाल रंग की पट्टी में भारत बीच में अशोक स्तम्भ फ्रि सरकार लिखा है तथा उसके पीछे एक अन्य सफेद रंग की अर्टिगा कार एमपी 17 जेड एम 9315 मे बैठे हैं । दोनो कार मे से भारत सरकार लिखी गाड़ी मे बैठे दो व्यक्ति करीब 23-24 साल के हैं और स्वयं को शासन की तरफसे आना बता रहे हैं जो संदिग्ध लग रहे हैं साथ में दो गार्ड लिए है ये सभी सरकार के अधिकारी कर्मचारी नही लग रहे है इमरान सरकारी कर्मचारी नही है भारत सरकार अशोक स्तम्भ का प्रयोग छल कपट करने के आशय से प्रयोग कर रहे है सूचना पर चौकी प्रभारी मुकुन्दपुर उप निरी नागेश्वर प्रसाद मिश्रा द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर धारा 319(2) 204 भा.न्या.सं का अपराध पंजीबद्ध कर मुकुन्दपुर कस्बा मे वाहन चोकिंग की गयी एवं उपरोक्त वाहनों को चेक कर पूछताछ की गयी जो संदिग्धों मे कोई भी शासकीय कर्मचारी नहीं होना पाये गये एवं भारत सरकार का शासकीय राज चिन्ह लगाकर एवं स्वयं को शासकीय अधिकारी बताकर धोखाधड़ी करते पाये गये जिस पर कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा उक्त वाहनों को जप्त किया गया एवं मो इमरान एवं उसके साथियों को गिरफ्तार किया गया।

ये आरोपी गिरफ्तार

मो.इमरान खान उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम मुकुन्दपुर थाना ताला जिला मैहर , मो फईम अंसारी पिता असीम उम्र 23 वर्ष निवासी राजीवगांधी नगर भजनपुरा थाना भजनपुरा उत्तर पूर्व दिल्ली, मो असलम पिता मो साबिर उम्र 25 वर्ष निवासी राजीवगांधी नगर भजनपुरा थाना भजनपुरा उत्तर पूर्व दिल्ली , शुभम तिवारी पिता सच्चितानंद तिवारी उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम सोनवर्षा थाना गढ़ जिला रीवा का नाम शामिल है। पुलिस ने दो नग सफेद रंग की अर्टिगा कार क्र एमपी 04 ईसी 1744 एवं एमपी 17 जेडएम 9315 को जप्त किया है।

मां शारदा देवी मंदिर में ब्लास्ट की झूठी अफवाह फैलाने वाला भेजा गया जेल

जागरण, सतना। मॉ शारदा देवी मंदिर में ब्लास्ट की झूठी अफवाह फैलाने वाले आरोपी को पुलिस ने सीधी जिले से गिरफ्तार कर मैहर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेजा गया है। बताया जाता है कि एआई साफ्टवेयर का उपयोग कर यह वीडियो बनाकर झूठी अफवाह फैलाई गई थी। मैहर एसपी सुधीर अग्रवाल के निर्देश, एएसपी डॉ चंचल नागर एवं सीएसपी महेन्द्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में मैहर कोतवाली टीआईअनिमेश द्विवेदी ने 12 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखो के पीछे डाल दिया है।

ये है विवरण

पुलिस ने बताया कि 18 जुलाई को विभिन्न व्हास्ट्सप ग्रुपो एवं सोशल मीडिया में मां शारदा देवीजी मंदिर मैहर में प्रवेश द्वार पर आतंकवादी हमला होने एवं कुछ श्रद्धालुओं के हताहत होने की वीडियो वायरल होने पर करीबन 40 लाख से अधिक सोशल मीडिया यूजर्स द्वारा वीडियो देखा गया तथा उक्त कथित भ्रामक वीडियो के संबंध में लोगों में काफी आक्रोश देखा गया जिस पर कार्यालय अधीक्षक मां शारदा देवी मंदिर मैहर द्वारा थाना मैहर मे अज्ञात व्यक्ति के द्वारा अपने फेसबुक अकाउंट से उक्त झूठी ब्लास्ट होने की वीडियो वायरल किये जाने व लोगो की धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाये जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई जिस पर थाना कोतवाली मैहर मे अपराध धारा 192, 299, 351(1) बीएनएस का पंजीबद्ध कर आरोपी द्वारा वीडियों वायरल हेतु उपयोग किये गये फेसबुक अकाउंट के संबंध में जांच की गई । आरोपी दीपांशु गुप्ता निवासी सीधी का पाये जाने पर उसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक मैहर द्वारा गठित विशेष टीम द्वारा 12 घंटे के अंदर पकड़ा गया जिसने पूंछताछ पर एआई साफ्टवेयर का उपयोग कर देवीजी शारदा मंदिर में ब्लास्ट की झूठी वीडियो बनाकर वायरल करना बताया। जिस पर आरोपी का वीडियो वायरल में प्रयुक्त रियल-मी कंपनी का एन्ड्राइड मोबाइल फोन जब्त कर आरोपी दीपांशु गुप्ता पिता दिनेश गुप्ता 19 वर्ष निवासी पोंडी थाना मझौली जिला सीधी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस ने 15 हजार रूपये कीमत का मोबाईल जप्त किया है।

62 लीटर अवैध शराब जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

सतना। 62 लीटर अवैध शराब जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार करने में मैहर टीआई अनिमेश द्विवेदी ने बड़ी सफलता हासिल की है। यह कार्यवाही एसपी सुधीर अग्रवाल के निर्देश पर की गई है।

ये है मामला : बताया जाता है कि मैहर कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी दीपक अहिरवार भारी मात्रा में चाय सट्टा दुकान के पास राम मंदिर रोड के किनारे दो बोरी में अवैध शराब लिए अन्य स्थान पर ले जाने हेतु वाहन के इंतजार में खड़ा है थाना कोतवाली की टीम मौके पर पहुंची तो आरोपी पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस के द्वारा आरोपी दीपक पिता शंकर अहिरवार निवाशी देवधरा तालाब को घेराबंदी कर पकड़ा गया व आरोपी के कब्जे की दोनों बोरियों की तलाशी ली जिसमें भारी मात्रा में अवैध शराब पाई गई।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
Kamta कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433 9981287311

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
समय- प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेष:- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गढ्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/-
सौन्दर्य क्लीनिक शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्पलेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

SARDAR PATEL EDUCATION GROUP REWA • MP • INDIA
ADMISSIONS OPEN 2025-26
SARDAR PATEL UNIVERSITY Balaghat • MP
CSU COLLEGE OF
PHARMACY
D. PHARMACY
B. PHARMACY
ENGINEERING
POLYTECHNIC | B.TECH.
ME | CE | CSE | EEE | MINING
Cement Technology Engg.
Mining & Mine Surveying Engg. (Mms)
BBA/ MBA
BCA /MCA
B.A. LL.B.
B.COM. LL.B.
BBA LLB.
LL.B / LL.M.
छात्रवृत्ति सुविधा
कैम्पस : सिरमौर रोड, ग्राम-पल्हान (उमरी चौक), बैकुण्ठपुर, रीवा
+91 70493 99901, 70493 99902
सिटी ऑफिस ज्योति स्कूल के सामने, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा

जिले के 22 स्थानों पर लगाये 4जी टावर

दूरसंचार सलाहकार समिति की हुई बैठक

जागरण, सतना। दूरसंचार सलाहकार समिति सतना की प्रथम बैठक शनिवार को सर्किट हाउस सतना में सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में दूरसंचार सलाहकार समिति के सदस्य हरिओम गुप्ता, अतुल सिंह परिहार, प्रदीप अरोरा, के.के. त्रिपाठी, धर्मेन्द्र सिंह, संजय सिंह, प्रमोद कुमार शुक्ला एवं बीएसएनएल के अधिकारी उपस्थित थे। जिला सलाहकार समिति की बैठक में उप महाप्रबन्धक प्रचालन क्षेत्र डी.एस. पैकरा ने बीएसएनएल सतना के द्वारा वर्तमान में किये जा रहे कार्यो के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जिले के जिन 22 गांव में बीएसएनएल के सिग्नल मिलने की समस्या थी। उन स्थानों पर सांसद गणेश सिंह के निर्देशानुसार 4जी टावर लगाये गये हैं। इनमें परसमनिया, बडगाडी, जमुनिया कला, कुरेही, देवरी, बसहा, पनिहाई, उरिछवा, गढौत, खुदरा, पपरा, विशालपुर, इडेन, गोदानटोला, कुठिला पहाड, पडमनिया कोठार, शाहपुरा, लालपुर, पटिहर, सुखवारी मारकंडे में 4 जी के टावर चालू करने से सिग्नल की समस्या दूर हो गई है। उन्होने बीटीएस, एफ्टीटीएच, वाईफाई रोमिंग, मोबाइल, लीजलाइन, आईएफ्टीवी, डिजिटल इण्डिया भारतनेट फेस-1, डिजिटल इण्डिया भारत नेट फेस-2, विद्यामित्रम आदि सेवाओं का विस्तार से विवरण प्रस्तुत किया।

जिले में बीएसएनएल के है 97458 मोबाइल : उन्होंने बताया कि अभी बीएसएनएल के पूरे जिले में 97458 मोबाइल है। इनकी संख्या और बढाई जाने के प्रयास किये जा रहे है। जिले में कुल 704 पंचायत में ऑप्टिकल फइबर लाइन के माध्यम से नेट सेवाएं उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। यह सुविधा गांवों में पहुंचाने के लिए उपकरण लगाए जा रहे हैं । पूरे जिले में 95 बीटीएस में 4 जी सेवाएं चल रही है। 95 स्थानों में वाई-फाई रोमिंग की सेवाएं प्रारंभ है। उन्होंने बताया कि विद्या मित्रम योजना के माध्यम से गरीब बच्चे जो इंटरनेट का कनेक्शन नहीं ले सकते हैं। उन्हें मुफ्त में विद्या मित्रम योजना के माध्यम से सुविधा देने का प्रावधान है। जिसकों विस्तारित किया जाना जरूरी है। इस योजना में तीन विद्यार्थियों को 11000 रूपये, 6 विद्यार्थियों को 21000 रूपये और 10 विद्यार्थियों के बीच में 35000 रूपये का अनुदान साल भर में देने की योजना है। महाप्रबंधक ने बताया कि बीएसएनएल सबसे किफायती और सबसे बेहतर सेवाएं देने वाला भारत का उपक्रम है। प्लान के तहत 249 रूपये में 2 जी डाटा 45 दिन के लिए और 2399 रूपये में 2 जीबी डाटा 395 दिन के लिए मिलता है।

डॉ. निशा डायलिसिस सेंटर
पता- अग्रवाल नर्सिंग होम, खुटेही, रीवा
24/7 Our Services
Dialysis (डायलिसिस)
रजिस्ट्रेशन के लिए संपर्क करें
9174566996
7771009417
नवीनतम मशीन द्वारा हीमो डायलेसिस
Hepatitis C (HCV) मरीजों के लिए अलग से समर्पित मशीन
अन्य सुविधाएं:
• 24x7 मेडिसिन विशेषज्ञ
डॉ. ईशान गोयल
• 24x7 स्त्री रोग विशेषज्ञ
• वेंटिलेटर एवं Bipap
• 24x7 मेडिकल स्टोर

EMINENCE COLLEGE OF PHARMACY
(PCI Approved Courses)
गुणवत्तापरक रोजगारोन्मुखी अध्यापन एवं प्रशिक्षण
Best Infrastructure & Facilities
निःशुल्क पंजीयन
पाठ्यक्रम:-
B. Pharmacy
D. Pharmacy
(Eligibility - 12" Biology/Mathematics Subjects with a Minimum of 50% Marks)
ADMISSION OPEN
शैक्षणिक सत्र 2025-26
अपने बच्चे के लिए संस्था का चयन के पूर्व एक बार कॉलेज का भ्रमण अवश्य करें।
विस्तृत जानकारी हेतु सम्पर्क करें:
Info eminencerewa@gmail.com
eminencecollege.com
7828081688, 8349092041
टोल प्लाजा के पास एन.एच.-7 जोगिनिहाई रीवा (म.प्र.)

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
• IUI, IVF, ICSI
• फ्रोजन एंब्रिया ट्रांसफर साइकिल (FET)
• एग फ्रीजिंग
• एंब्रियो फ्रीजिंग
• स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
निःसंतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com